राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 12
अंक : 10
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
मंगलवार 26 जूलाई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334
नई दिल्ली से प्रकाशित

मुख्य अपडेट
पेज 3 केजरीवाल सरकार ने 106+ अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को 'कायाकल्प राज्य पुरस्कार' से सम्मानित किया
पेज 5 आगरा में पूरे परिवार को नींद की गोलियां खिलाकर बॉयफ्रेंड संग फरार हो गई लड़की, 2 लाख कैश और जेवर भी ले गई
पेज 7 रूस की गलती, सजा भुगतेगी दुनिया, यूक्रेन पर मिसाइल हमले से अनाज की कीमतों पर असर

गुजरात में जहरीली शराब से 8 की मौत

एक ही गांव के 18 लोग बीमार, 5 गंभीर; सबने एक साथ शराब पी थी

एजेंसी

भावनगर। गुजरात के बोटाद जिले में जहरीली शराब पीने से सोमवार को 8 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 18 लोग बीमार हैं, जिनमें से 5 की हालत गंभीर है। जानकारी के मुताबिक सभी बोटाद के रोजिद गांव के रहने वाले हैं और सभी ने रविवार रात को शराब पी थी। बीमार लोगों में से 5 को बोटाद के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि गंभीर 5 मरीजों को भावनगर के सर टी अस्पताल रेफर किया गया है।

बोटाद पुलिस के मुताबिक जहरीली शराब का शिकार हुए सभी लोगों ने रविवार की रात रोजिद के पास बसे नभोई गांव में जाकर शराब पी थी। सोमवार सुबह सभी को पेट दर्द और उल्टियां होने लगीं। परिवार के लोग इन्हें अस्पताल ले गए। दो लोगों की सुबह ही मौत हो गई थी, इसके बाद इलाज के दौरान एक-एक करके 6 और लोगों ने दम तोड़ दिया।

शराब बेचने वाले गिरफ्त से बाहर

इस घटना के बाद पुलिस की कई टीमें नभोई गांव में शराब बेचने वालों की तलाश कर रही है।

गांव में उन लोगों की भी पहचान की जा रही है, जिन्होंने शराब पी थी। हालांकि अब तक नभोई गांव से कोई मरीज सामने नहीं आया है।

शराबबंदी के बावजूद बिक रही शराब

1960 में जब बॉम्बे से अलग होकर गुजरात अलग राज्य बना था, तभी यहां शराबबंदी लागू कर दी गई थी। 2017 में गुजरात सरकार ने शराबबंदी से जुड़े कानून में संशोधन कर सख्त सजा का प्रावधान किया है। इसके तहत अगर कोई गैरकानूनी तरीके से शराब की बिक्री करता है, तो उसे 10 साल कैद और 5 लाख रुपए जुर्माने की सजा हो सकती है।

यूपी बस हादसे में 8 की मौत, 18 घायल

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर खड़ी डबल डेकर बस को दूसरी बस ने टक्कर मारी

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में सोमवार तड़के बड़ा हादसा हुआ। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर खड़ी डबल डेकर बस को पीछे से दूसरी डबल डेकर बस ने जोरदार टक्कर मार दी। इसमें 8 यात्रियों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 18 लोग घायल हैं। मृतकों में 2 महिलाएं, एक बच्ची भी शामिल है। सभी मृतक और घायल टक्कर मारने वाली बस में थे।

टक्कर इतनी तेज थी कि एक्सप्रेस-वे पर खड़ी बस को किनारे से चीरती हुई दूसरी बस निकली। गनीमत यह हुई कि खड़ी हुई बस के ज्यादातर यात्री नीचे उतरे हुए थे। वे कैंटीन पर चाय-नाश्ता कर रहे थे। ऐसे में खड़ी हुई बस के सभी सवार सुरक्षित बच गए। वरना, हादसे में मृतकों की संख्या और बढ़ सकती थी।

हादसा लोनीकटरा थाना क्षेत्र के नरेंद्रपुर मदरहा गांव के पास हुआ है। दोनों बसें बिहार से दिल्ली जा रही थीं। सूचना पाकर पुलिस-प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंचे। घायलों को बाराबंकी के तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में ले जाया गया, जहां से उन्हें लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

बिहार के सीतामढ़ी से दिल्ली जा रही थी बस

ASP मनोज पांडेय ने बताया कि बिहार के सीतामढ़ी जिले के पुपरी कस्बे से रविवार को डबल डेकर बस दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। सोमवार की सुबह 4 बजे ये बस बाराबंकी जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर नरेंद्रपुर मदरहा गांव के पास खड़ी थी।

उन्होंने बताया कि बस में सवार यात्री यूपीडा यानी उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथारिटी की कैंटीन में चाय-नाश्ता कर रहे थे।

आधे घंटे बाद 4:50 बजे अचानक तेज रफ्तार से आ रही दूसरी डबल डेकर बस ने इस बस को पीछे से टक्कर मार दी।

आधार कार्ड के जरिए 8 मृतकों की शिनाख्त हुई है-

- ओम प्रकाश राय पुत्र ओसिन्दर राय, उम्र 33 साल, पता- लदोरा कल्याणपुर, जिला समस्तीपुर।
- शिव धारी पुत्र मदन सहाय, उम्र 42 साल, पता- ग्राम दोलक, जिला मधुबनी।
- चित्त नारायण पुत्र राधाकांत झा, उम्र 75 साल, पता- कालापट्टी, थाना फुल परास, जिला मधुबनी ।
- कमलेश कुमार पुत्र रामजी राय, उम्र 23 साल, पता- भीमा मकलेश्वर वार्ड 15, थाना पिपुरी, जिला सीतामढ़ी।
- सम्सुद्दीन पुत्र तैयब, उम्र- 17 साल, पता- खुटौना जनपद मधुबनी बिहार।
- सुबोध पुत्र बिन्देश्वर, उम्र- 24 साल, पता- रजघट्टा थाना बेनीपट्टी मधुबनी बिहार।
- सपना देवी पत्नी श्याम दास, उम्र- 33 साल, पता- पुपरी जनपद सीतामढ़ी बिहार।
- आदित्य कुमार पुत्र श्याम दास, उम्र- 12 साल, पता- पुपरी जनपद सीतामढ़ी बिहार।

देश में पहाड़ से लेकर मैदान तक भारी बारिश

भोपाल में भदभदा डैम के सभी 11 गेट खुले, मेहसाना-सौराष्ट्र में रेड अलर्ट

भोपाल/जयपुर/रायपुर/पटना। देश पहाड़ से लेकर मैदान तक जोरदार बारिश से हालात खराब हो चुके हैं। रविवार को मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, बिहार, हिमाचल प्रदेश, पंजाब के कई जिलों में भारी बारिश हुई। मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के चलते छोटी-बड़ी नदियां उफान पर हैं। भोपाल में तीनों बड़े डैम, बड़ा तालाब सब ओवरफ्लो हो चुके हैं। रविवार को भदभदा डैम के सभी 11 गेट, कलियासोत डैम के सभी 13 गेट खोल दिए गए।

इधर, राजस्थान के कोटा बैराज, कालीसिंध, भीमसागर, गुढा डैम को जलस्तर बढ़ने पर गेट खोलकर पानी छोड़ा गया। पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बरसात टोंक के बीसलपुर बांध पर 172 मीमी दर्ज हुई। राज्य में अगले तीन दिन तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। बूंदी जिले के तालेड़ा नदी में उफान आने से अकतासा पुलिया पर 2-3 फीट पानी भर गया। यहां एक युवक सैलाब में फंस गया। युवक को ग्रामीणों और पुलिस ने बचा लिया है। गुजरात के अहमदाबाद समेत, वलसाड, नवसारी और बनासकांठा के थराद में जोरदार बारिश के बाद निचले इलाकों में पानी भर गया है। मौसम विभाग ने एक बार फिर मेहसाना और सौराष्ट्र में भारी बारिश की चेतावनी दी है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा मामले में सात गिरफ्तार

नयी दिल्ली। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हुई हिंसा में श्रीधर दास की मौत से संबंधित मामले की जांच के दौरान सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एजेंसी ने यहां एक बयान में कहा कि सीबीआई ने पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद की हिंसा से संबंधित कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेशों की पालना में एक मामला दर्ज किया और गत वर्ष 25 जून को दिनहाटा, कूचबिहार पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले की जांच अपने हाथ में ले ली। श्रीधर दास को अज्ञात आरोपियों ने चार मई 2021 की दोपहर में करीब दो बजे डंडे और सरिये से पीटा।

बेंगलुरु से संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

असम से भागकर आया, फिर डिलीवरी बॉय बन गया; खुफिया एजेंसियों ने सबूत जुटाने के बाद पकड़ा

एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु में पुलिस की सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने फूड डिलीवरी एजेंट के तौर पर काम कर रहे एक संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध आतंकी का नाम अख्तर हुसैन लश्कर है। वह असम का रहना वाला है और वहां से भागकर बेंगलुरु आया था।

संदिग्ध अख्तर शहर के तिलकनगर इलाके में एक अपार्टमेंट में किराए पर फ्लैट लेकर रह रहा था। पुलिस ने रविवार को उसके घर छापा मारा, जहां वह अपने साथियों के साथ मौजूद था। सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक लश्कर पर कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कट्टरपंथी है पकड़ा गया संदिग्ध

बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त सी एच प्रताप रेड्डी ने कहा कि अख्तर हुसैन लश्कर एक कट्टरपंथी है। वह एक डिलीवरी बॉय के तौर पर काम कर रहा था। उस पर नजर रखने के बाद कई एजेंसियों के साथ मिलकर उसके खिलाफ सबूत जुटाए गए। इसके बाद उसकी गिरफ्तार हुई है। वह किस संगठन से जुड़ा है यह पता लगाने के लिए पूछताछ जारी है।

डिलीवरी बॉय के साथी भी गिरफ्तार

कर्नाटक के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने सोमवार को कहा कि पुलिस ने अख्तर के कुछ सहयोगियों को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु पुलिस ने हाल ही में शहर के ओकलीपुरम में जम्मू-कश्मीर के एक आतंकवादी को भी इसी तरह गिरफ्तार किया था।

देश में पिछले 24 घंटे में 18 हजार से अधिक कोविड से स्वस्थ

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से 18 हजार 148 लोग स्वस्थ हुए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि सुबह सात बजे तक 202.17 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं, इनमें पिछले 24 घंटे में दिए 168390 टीके भी शामिल हैं।

मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में कोविड-19 संक्रमण के 16,866 नए मामले सामने आने से कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,39,05,621 हो गयी है। देश में 1323 सक्रिय मामले घटकर इनकी कुल संख्या 150887 तक पहुंच गयी है।

देश में कोरोना संक्रमण के नए मामले सामने आने के साथ साप्ताहिक दर 4.49 प्रतिशत हो गयी है, जबकि दैनिक संक्रमण 7.03 फीसदी है। रिकवरी दर 98.46 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है।

देश में पिछले 24 घंटे में 239751 कोविड परीक्षण किये गये हैं और अब तक कुल 87.27 करोड़ कोविड परीक्षण किए जा चुके हैं।

पिछले 24 घंटों में पश्चिम बंगाल में कोरोना सक्रिय मामले 1067 घटकर 24329 रह गये हैं और इससे निजात पाने वालों की संख्या 2039740 हो गयी है। इस महामारी से अभी तक राज्य में 21320 लोगों की मौत हो चुकी है।

इस दौरान केरल में कोरोना सक्रिय मामले 886 घटकर 19427 रह गये है और इससे निजात पाने वालों की संख्या 6619279 तक पहुंच गयी है। इस महामारी से अभी तक राज्य में 70386 लोगों की मौत हो चुकी है।

मुर्मू ने राष्ट्रपति पद की ली शपथ, भारत की युवा शक्ति पर जताया विश्वास

एजेंसी

नयी दिल्ली। द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को संसद के केन्द्रीय कक्ष में देश के पन्द्रहवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। इस सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचने वाली देश की दूसरी महिला तथा आदिवासी समुदाय पहली नेता ने अपने पहले संबोधन में देश के युवाओं के उत्साह और आत्मबल पर विश्वास जताते हुए कहा कि वह युवा पीढ़ी को उनके प्रयासों में पूरा सहयोग करेंगी।

संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना ने श्रीमती मुर्मू को राष्ट्रपति पद की शपथ दिलायी।

मुर्मू स्वतंत्र भारत में जन्म लेने वाली देश की पहली तथा सबसे युवा राष्ट्रपति हैं। उन्होंने श्री राम नाथ कोविंद का स्थान लिया है जिनका कार्यकाल रविवार को पूरा हुआ।

शपथ ग्रहण समारोह में श्री कोविंद, उप-राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केन्द्रीय मंत्रिपरिषद के सदस्य, सांसद, विभिन्न राजनयिक मिशनों के प्रमुख और अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

मुर्मू को इस अवसर पर 21 तोपों की सलामी दी गयी। शपथ लेने के बाद श्रीमती मुर्मू ने राष्ट्रपति के तौर पर अपना पहला संबोधन किया। उन्होंने देश की युवा शक्ति की क्षमता पर अपना विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, मैंने देश के युवाओं के उत्साह और आत्मबल को करीब से देखा है। हम सभी के श्रद्धेय अटल जी कहा करते थे कि देश के युवा जब आगे बढ़ते हैं तो वे सिर्फ अपना ही भाग्य नहीं बनाते बल्कि देश का भी भाग्य बनाते हैं। आज हम इसे सच होते देख रहे हैं।

मुर्मू ने कहा, मैं अपने देश के युवाओं से कहना चाहती हूं कि आप न केवल अपने भविष्य का निर्माण कर रहे हैं बल्कि भविष्य के भारत की नींव भी रख रहे हैं। देश के राष्ट्रपति के तौर पर मेरा हमेशा आपको पूरा सहयोग रहेगा।

शिक्षा के बारे में उन्होंने कहा, श्री अरविंदो के विचारों ने मुझे निरंतर प्रेरित किया है।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद श्रीमती मुर्मू और निवर्तमान राष्ट्रपति श्री कोविंद संसद भवन से पारंपरिक तरीके से काफिले के साथ राष्ट्रपति भवन के लिए रवाना हो गये।

राष्ट्रपति भवन में श्रीमती मुर्मू ने सेना के तीनों अंगों की सलामी गादर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें 21 तोपों की सलामी भी दी गई। श्री कोविंद श्रीमती मुर्मू के साथ राष्ट्रपति कार्यालय तक छोड़ने की औपचारिकता पूरी की। इसके कुछ देर बाद उन्होंने सलामी गारद की अंतिम सलामी ली और विदाई समारोह के बाद वह राष्ट्रपति भवन से अपने नये निवास की ओर रवाना हो गये।

धोखाधड़ी

राज्यपाल बनवाने और सरकारी विभागों में भर्ती कराने का करते थे वादा, 4 अरेस्ट

100 करोड़ में राज्यसभा सीट दिलाने वाला गैंग पकड़ा

नई दिल्ली। 100 करोड़ रुपए में राज्यसभा सीट दिलाने और राज्यपाल बनाने का वादा करने वाला रैकेट पकड़ा गया है। सीबीआई ने इस बड़ी कार्रवाई में 4 से ज्यादा लोगों को पकड़ा है। सीबीआई टीम पिछले कई दिनों से इन पर नजर रख रही थी।

पैसे के लेनदेने से ठीक पहले सीबीआई ने आरोपी को पकड़ लिया। उससे पूछताछ की जा रही है। उसके दूसरे साथियों के भी नाम पता चले हैं। 4 से ज्यादा लोग आरोपी बनाए गए हैं। फिलहाल 100 करोड़ रुपए में सौदा होने की बात सामने आई है।

फोन टेप करने से मिले सुराग

सीबीआई अधिकारी पिछले कुछ हफ्तों से फोन इंटरसेप्टर के जरिए कॉल सुन रहे थे। बीते कई दिनों से आरोपियों पर उनकी नजर थी। डील जब फाइनल होने वाली थी, तभी आरोपी को दबोच लिया गया।

चार आरोपियों की हुई पहचान

सीबीआई ने चार आरोपियों की पहचान कर ली है। महाराष्ट्र निवासी कमलाकर प्रेमकुमार बांदगर, कर्नाटक निवासी रवींद्र विट्ठल नाइक, दिल्ली निवासी महेंद्र पाल अरोड़ा और अभिषेक बूरा इस डील में शामिल थे।

पिछले हफ्ते महाराष्ट्र में आया था ऐसा मामला, विधायक को मंत्री बनाने का ऑफर दिया था

हाल ही में ऐसा मामला महाराष्ट्र में आया था। यहां भाजपा के एक विधायक से 100 करोड़ रुपए की मांग की गई थी। एवज में एकनाथ शिंदे कैबिनेट में मंत्री बनवाने का ऑफर था। विधायक की शिकायत पर पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल ने धोखाधड़ी करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया। इन लोगों ने 3 से 4 विधायकों के सामने यही पेशकश रखी थी।

पकड़े गए चारों आरोपी मुंबई के रहने वाले

गिरफ्तार लोगों की पहचान कोल्हापुर जिले के हाटकनागले निवासी रियाज अल्लाहबक्स शेख, ठाणे के रहने वाले निवासी योगेश मधुकर कुलकर्णी, मुंबई में नागपाड़ा के रहने वाले सागर विकास संगवई और जफर अहमद राशिद अहमद उस्मानी के रूप में हुई।

कर्मचारी राज्य बीमा योजना मई में नए पंजीकरण बढ़े

नयी दिल्ली। देश में संगठित क्षेत्र में रोजगार की स्थिति की जानकारी देने वाले ताजा आकंड़ों के अनुसार इस वर्ष मई में कर्मचारी भविष्य निधि योजना (ईपीएफ) और नयी पेंशन योजना (एनपीएस) में नए पंजीकरण अप्रैल की तुलना में कम रहे जबकि कर्मचारी राज्य बीमा योजना (ईएसआईसी) में नए पंजीकृत व्यक्तियों की संख्या में सुधार दर्ज किया गया।

ताजा सरकारी आंकड़ों के अनुसार ईपीएफ में मई 2022 में 9,60,311 नए अंशधारक जुड़े जबकि इसी माह में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) में 14,93,035 नए पंजीकृत व्यक्तियों ने अंशदान दिया।

रोजगार के रुझानों का संकेत देने वाली नयी पेंशन योजना (एनपीएस) के ताजा आंकड़ों के अनुसार मई 2022 में केंद्र और राज्य तथा गैर-सरकारी क्षेत्र के कुल 60,926 नए अंशधारक जुड़े।

अप्रैल 2022 में ईपीएफ में 9,84,217, ईएसआईसी में 12,80,653 और एनपीएस में 64,569 नए अंशदाता जुड़े थे।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा सोमवार को जारी जारी विस्तृत आंकड़ों के अनुसार ईपी इस वर्ष मई में ईपीएफ से जुड़े नए अंशधारकों के अलावा 11,14,132 ऐसे अंशधारक रहे जो इस योजना में फिर जुड़े जबकि इसी दौरान 3,92,782 अंशधारक ईपीएफ से बाहर हो गए।

मई में ईपीएफ में जुड़े अंशधारकों में 2,90,710 अंशधारक 18-21 वर्ष की आयु वर्ग के थे जिनमें 2,36,290 पुरुष और 54,418 महिला अंशधारक थे।

ईपीएफ योजना में अप्रैल 2022 में 9,84,217 नए अंशधारक जुड़े थे, जिनमें 2,58,103 अंशधारक 18-21 वर्ग के थे।

शार्ट न्यूज

पत्नी की हत्या कर शव के 72 टुकड़े करने वाले राजेश गुलाटी को मिली अल्पकालिक जमानत

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने देहरादून के चर्चित अनुपमा गुलाटी हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट रहे राजेश गुलाटी को अल्पकालिक जमानत (शार्ट टर्म बेल) प्रदान कर दी है। वरिष्ठ न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की युगलपीठ में राजेश गुलाटी की ओर से पेश जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई हुई। प्रार्थना पत्र में शार्ट टर्म जमानत की मांग करते हुए कहा गया कि वह लंबे समय से बीमार है और उसका स्वास्थ्य ठीक नहीं है। उसकी सर्जरी की जानी है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता की ओर से यह भी कहा गया कि राजेश का जेल में अच्छा आचरण रहा है और इसी के चलते उसे प्रमाण पत्र भी मिला है। अदालत ने अंत में उसे 45 दिन की शार्ट टर्म बेल प्रदान कर दी। अदालत ने इस मामले में 21 जुलाई को सुनवाई के बाद आदेश जारी किये थे हुई थी लेकिन आदेश की प्रति आज मिली। पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर राजेश गुलाटी ने 17 अक्टूबर, 2010 को देहरादून में पत्नी अनुपमा गुलाटी की निर्ममता हत्या कर दी थी। साथ ही शव के 72 टुकड़े कर डीप फ्रिजर में छिपा दिया था। दिसंबर, 2010 में अनुपमा गुलाटी के भाई के देहरादून आने के बाद हत्या का राज खुला। देहरादून की अदालत ने इस हत्याकांड को जघन्य मानते हुए 01 सितम्बर, 2017 को राजेश गुलाटी को आजवीन कारावास की सजा सुना दी थी। साथ ही दोषी पर 15 लाख का जुर्माना भी लगाया गया था। राजेश गुलाटी की ओर से निचली अदालत के आदेश के खिलाफ 2017 में उच्च न्यायालय में अपील दायर की गयी है।

कोटा बैराज के पांच गेट खोल 35 हजार क्यूसेक छोड़ा पानी

कोटा ।राजस्थान के कोटा संभाग में मूसलाधार बरसात का दौर आज भी जारी रहा। इस बीच उपरी जलग्रहण क्षेत्र से भारी पानी की आवक के कारण आज कोटा बैराज से 35 हजार क्यूसेक पानी की निकासी करनी पड़ी। संभाग में पिछले एक सप्ताह से रुक-रुककर शुरु हुआ बारिश का दौर आज भी जारा रहा। सुबह से ही आज भारी बारिश का दौर शुरू हो गया था जो दोपहर तक जारी रहा। कुछ ही घण्टों की बारिश में हर तरफ पानी ही पानी हो गया एवं नये कोटा शहर की तो कई सड़कों पर जलप्लावन जैसे हालात बन जाने के बाद सड़कें दरिया जैसे बह निकली तथा सामान्य यातायात आवागमन पर भी प्रतिकूल असर पड़ा। कई जगह जाम जैसे हालात बन गये जिससे लोगों को आवगमन में काफ़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कोटा के कोचिंग एरिया के जवाहर नगर में हालात सबसे बुरे रहे। कोटा संभाग में कुछ ग्रामीण इलाकों में गांवों के आसपास के नालो-खालों में नालों में अचानक पानी आने से कई लोग जहां के तहा फंस गए तथा उन्हे निकलने के लिये पानी के उतरने का इंतजार करना पड़ा। कोटा संभाग में कमोबेश सभी जगहों पर अच्छी बरसात होने की सूचना है लेकिन सोमवार को कोटा शहर और एवं नजदीक के रावतभाटा क्षेत्र में भारी बारिश हुई है।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्री योजना में 895 यात्रियों का हुआ चयन

उदयपुर 25 जुलाई (वार्ता) राज्य सरकार की महत्वकांक्षी वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्री योजना के तहत आज निकाली ऑनलाइन लॉटरी के तहत 895 तीर्थयात्रियों का चयन किया गया जिन्हें राज्य सरकार की तरफ से नि:शुल्क तीर्थ यात्रा करवाई जाएगी। जिला कलक्टर ताराचंद मीणा की अध्यक्षता में गठित समिति ने कम्प्यूटर पर तैयार विशेष सॉफ्टवेयर के माध्यम से क्लिक करते हुए उदयपुर जिले से प्राप्त तीन हजार 548 आवेदनों में से 895 यात्रियों का अलग-अलग चयन किया। इस लॉटरी के माध्यम से हवाई तीर्थयात्रा हेतु 91 यात्रियों का तथा रेल से तीर्थयात्रा हेतु 804 यात्रियों का चयन किया गया। जिला कलक्टर ने जिले से चयनित समस्त 895 यात्रियों को नि:शुल्क तीर्थयात्रा के लिए शुभकामना दी है। लॉटरी प्रक्रिया से तीर्थयात्रियों के चयन के दौरान वल्लभनगर विधायक प्रीति शक्तावत, एसपी विकास शर्मा, जिला परिषद् सीईओ मयंक मनीष, गिर्वा उपखंड अधिकारी सलोनी खेमका, सहायक देवस्थान आयुक्त दीपिका मेघवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सहायक देवस्थान आयुक्त दीपिका मेघवाल ने बताया कि चयनित 91 तीर्थयात्रियों को पशुपतिनाथ-काठमांडू की यात्रा हवाई जहाज से करवाई जाएगी।

विशेष ग्राम सभाओं में दिए जाएंगे ..हर घर जल विलेज. सर्टिफिकेट

जयपुर। राजस्थान में हर घर जल कनेक्शन से शत-प्रतिशत जुड़ चुके प्रदेश के 33 जिलों के 1458 गांवों की ग्राम पंचायतों में 25 जुलाई से 12 अगस्त तक विशेष ग्राम सभाएं आयोजित कर ..हर घर जल उत्सव.. मनाया जाएगा। ग्राम सभा के दौरान ही सभी ग्रामवासियों की मौजूदगी में संबंधित गांव के शत-प्रतिशत नल कनेक्शन से जुड़ने का ..हर घर जल विलेज.. सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। ग्राम सभा में सर्टिफिकेट प्रदान करने की कार्यवाही का वीडियो तैयार कर आईएमआईएस पर अपलोड भी किया जाएगा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल ने सोमवार को इस संबंध में आयोजित बैठक में तैयारियों की जानकारी ली एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शत-प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन से जुड़ चुके 1458 गांवों को संबंधित ग्राम पंचायत की ग्राम सभाओं के दौरान ग्रामीणों की उपस्थिति में सर्टिफिकेट जारी कराए जाएं और इसकी वीडियो रिकॉर्डिंग भी की जाए। उल्लेखनीय है कि 13 जुलाई तक प्रदेश के 1458 गांवों में शत-प्रतिशत हर घर जल कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं।

राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में नीतीश शामिल हों जरूरी नहीं : कुशवाहा

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) संसदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने आज कहा कि राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण सिर्फ औपचारिकता भर है और ऐसे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इसमें शामिल हों यह जरूरी नहीं। कुशवाहा से सोमवार को जब आज के राष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शामिल नहीं होने को लेकर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने इसे एक औपचारिकता भर बताते हुए सवाल को दरकिनार कर दिया। दरअसल, आज हुए राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्री समेत अन्य दलों के मुख्यमंत्री भी शपथ ग्रहण समारोह के कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए संसद भवन गए हुए थे। लेकिन, बिहार के मुख्यमंत्री श्री कुमार इस कार्यकम में नहीं गए, जिसको लेकर सवाल उठाए जा रहे थे। मुख्यमंत्री पर उठते सवाल को लेकर श्री कुशवाहा उनके बचाव में उतर आए और कहा कि राष्ट्रपति का शपथ समारोह सिर्फ औपचारिकता है। मुख्यमंत्री के दूसरे कार्यक्रम भी हैं। इसलिए, जरूरी नहीं है कि वह हर कार्यक्रम में शामिल हो।

एमजीएम के बदलाव के लिए रांची नेपाल हॉउस में मंत्री बन्ना गुप्ता ने की उच्चस्तरीय बैठक

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन मंत्री बन्ना गुप्ता ने एमजीएम में बदलाव के लिए आज नेपाल हॉउस में उच्च स्तरीय बैठक की। इसमें स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह, स्वास्थ्य मंत्री के आप्त सचिव आसिफ एकराम, सुप्रीटेंडेंट, डीप्यूटी सुप्रीटेंडेंट, संयुक्त सचिव अलोक त्रिवेदी समेत एमजीएम के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस उच्चस्तरीय बैठक में एमजीएम सुप्रीटेंडेंट डॉ अरुण कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में इसके अलावा नंद किशोर लाल (एडीएम, लॉ एन्ड ऑर्डर) को तत्काल प्रभाव से एमजीएम अस्पताल का प्रशासक का प्रभार देने का निर्णय लिया गया। बैठक में तीन वर्षों से जमे तृतीय और चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों के स्थानांतरण करने का निर्देश दिया गया तथा 11 करोड़ 78 लाख रूपये के उपकरण और मशीनों के क्रय प्रकिया को कोरपोरेशन के द्वारा क्रय करने का निर्देश अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह को दिया गया।

कांग्रेस के 4 लोकसभा सांसद पूरे सत्र के लिए निलंबित

महंगाई को लेकर कर रहे थे विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। लोकसभा में भारी विरोध के बाद कांग्रेस के चार सांसदों को निलंबित कर दिया गया है। इन सांसदों को पूरे सत्र के लिए लोकसभा से निलंबित किया गया है। निलंबित कांग्रेस सांसदों में मनिकम टैगोर, जोथिमणि, राम्या हरिदास और टीएन प्रतापन हैं। सांसद महंगाई को लेकर सदन के अंदर तख्तियों के साथ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इससे पहले पीठासीन सभापति ने उन्हें चेतावनी दी थी कि अगर वे विरोध करना चाहते हैं तो सदन के अंदर मर्यादा को बनाए रखें व तख्तियों के साथ विरोध करना है तो संसद के बाहर करें।

लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सांसदों को चेतावनी हुए कहा था कि वह दोपहर 3 बजे के बाद महंगाई के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हैं, लेकिन सदन के अंदर किसी भी विरोध को बर्दाश्त नहीं करेंगे। स्पीकर ने कहा, अगर आप तख्तियां दिखाना चाहते हैं, तो सदन के बाहर ऐसा प्रदर्शन करें। मैं चर्चा के लिए तैयार हूं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मेरी दयालुता मेरी कमजोरी है। बाद में उन्होंने कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी।

पीठासीन सभापति राजेंद्र अग्रवाल ने सदन में आसन के प्राधिकारों की उपेक्षा करने के मामले में कांग्रेस सदस्यों मणिकम टैगोर, टी एन प्रतापन, जोतिमणि और राम्या हरिदास को संसद के मॉनसून सत्र की शेष अवधि के लिए सभा की सेवा से निलंबित करने की घोषणा की। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने प्रस्ताव रखा कि इन चार सदस्यों के सदन की गरिमा के प्रतिकूल आचरण को देखते हुए इन्हें चालू सत्र की शेष अवधि के लिए कार्यवाही से निलंबित किया जाए।

इससे पहले पीठासीन सभापति अग्रवाल ने कहा कि कुछ सदस्य निरंतर तख्तियां आसन के सामने दिखा रहे हैं जो सदन की मर्यादा के अनुकूल नहीं है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ने भी इस संबंध में सदस्यों को चेतावनी दी थी। अग्रवाल ने कहा कि आसन के पास इन सदस्यों के नाम लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सदस्य कृपया इस चेतावनी का ध्यान रखें और किसी तरह की तख्ती नहीं दिखाएं।

इसके बाद उन्होंने कहा, ''मैं नियम 374 के तहत हठ पूर्वक और जानबूझकर लगातार सभा की कार्यवाही में बाधा डालकर अध्यक्षीय पीठ के प्राधिकार की उपेक्षा करने और सभा के नियमों का दुरुपयोग करने के लिए आप सभी का नाम लेता हूं।'' अग्रवाल ने इसके बाद कांग्रेस के चारों सदस्यों को सदन की कार्यवाही से निलंबित किये जाने की घोषणा की।

बाबा बफानी के दर्शन को निकला 10 हजार श्रद्धालुओं का जत्था

एजेंसी

श्रीनगर। कश्मीर में बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा के दर्शन के लिए दस हजार श्रद्धालुओं का एक जत्था पहलगाम और बालटाल के रास्ते सोमवार को निकला। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि आज 11 बजे तक 1089 श्रद्धालुओं ने गुफा मंदिर के दर्शन किये और इस तरह 30 जून से शुरू हुई यात्रा के बाद अभी तक दो लाख 64 हजार 553 श्रद्धालुओं ने बाबा बफानी के स्वनिर्मित हिमलिंग के दर्शन किए हैं।

श्रद्धालुओं का नया दस्ता दक्षिण कश्मीर में पारंपरिक नुनवान पहलबाम बेस कैंप से तथा गंदरबल जिले में दुमैल होते हुए बालटाल तक जाने वाले सबसे छोटे मार्ग से आज साफ मौसम के बीच रवाना किया गया। बालटाल से दुमैल के रास्ते 4686 श्रद्धालुओं का

दल आगे बढ़ा जिसमें 1500 महिलाएं, 18 साधू और 60 बच्चे शामिल हैं। आज ही दिन में 11 बजे तक बाबा बफानी के दर्शनों के लिए 436 श्रद्धालुओं को बालटाल से हेलीकॉप्टर से ले जाया गया। पहलगाम में पारंपरिक नुनवान बेस कैंप के रास्ते 5000 श्रद्धालुओं का जत्था आगे बढ़ा। यह दल दक्षिणी कश्मीर में चंदनवाड़ी और पंजतरणी में विश्राम स्थलों पर रूकेगा। इस बीच मौसम विभाग ने पहलगाम और सोनमर्ग के रास्तों पर शाम के समय हल्की बौछार पड़ने का अनुमान जताया है।

वीरांगनाओं ने भी देश की आजादी की लड़ाई लड़ी : कौर

एजेंसी

सिरसा। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की सिरसा इकाई द्वारा,आजादी की 75 वीं वर्षगाँठ, स्वतंत्रता सेनानी तथा अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की संस्थापक सदस्यों कैप्टन लक्ष्मी सहगल व विमल रनदिवे के स्मृति दिवस के उपलक्ष्य पर 'आजादी के आंदोलन में महिलाओं की भूमिका' विषय पर फ्रेंड्स कॉलोनी एवं ब्लूम मॉडल स्कूल, शाहपुर बेगू में विचार गोष्ठीयां आयोजित की गई जिनकी अध्यक्षता क्रमश-जिला प्रधान रेखा व हरबंस कौर ने की।विचार गोष्ठी में राज्य कमेटी सदस्य एवं जिला सचिव एडवोकेट बलबीर कौर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की रूढीवादी बेडियों को तोड़ कर बहुत सी वीरांगनाओं ने भी देश को आजाद करवाने की लड़ाई लड़ी जिनमें से बहुत सी गुमनाम हैं,परंतु स्वतंत्रता आंदोलन में जब बलिदान या संघर्ष की बात की जाती है तो हम केवल पुरुष स्वतंत्रता सेनानीयों को याद करते हैं। महिलाओं द्वारा किया गया बलिदान व संघर्ष आज भी हमारे जहन का हिस्सा नहीं बन पाए हैं, जबकि सच्चाई ये है कि महिलाओं के योगदान के बिना देश को आजाद कराना और भी मुश्किल था।

हथियारबंद बदमाशों ने मकान पर धावा बोलकर ढाई लाख की नकदी एवं जेवरात लूटे

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के उद्योग नगर थाना क्षेत्र में हथियारबंद बदमाशो ने भवन निर्माण ठेकेदार के मकान से ढाई लाख रूपए की नकदी एवं जैवरात लूट कर फरार हो गये। पुलिस के अनुसार बगड़ तिराया निवासी सुभाष चन्द गोयल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसका घर पुलिस चौकी के समीप है। बीती रात 10 - 12 बजे करीब 12 हथियारबंद बदमाश सीढी लगाकर मकान मे घुस आये और पति पत्नि के साथ मारपीट की और मकान मे तलाशी कर घर मे रखे ढाई लाख रूपये नगद, दो तोला सोना एवं जैवरात चोरी कर फरार हो गये। वारदात सी सी टी वी कैमरे मे कैद हो गई।

100 करोड़ में राज्यसभा सीट दिलाने और राज्यपाल बनाने का वादा करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 100 करोड़ रुपये में राज्यसभा की सीट दिलाने का वादा करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मीडिया में मामले के जानकार लोगों के हवाले से यह खबर दी गई है। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने पैसे के लेन-देन से ठीक पहले आरोपी को पकड़ लिया। इतना ही नहीं, आरोपी ने 100 करोड़ रुपये के बदले राज्यपाल बनाने की भी पेशकश की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि सीबीआई अधिकारी पिछले कुछ

हफ्तों से फोन इंटरसेप्ट के जरिए कॉल सुन रहे थे। बीते कई दिनों से आरोपियों पर उनकी नजर थी।

चार आरोपियों की हुई पहचान

सीबीआई ने चार से ज्यादा लोगों को इस मामले में आरोपी बनाया है। इनमें से कुछ की पहचान महाराष्ट्र निवासी कमलाकर प्रेमकुमार बांदगर, कर्नाटक निवासी रवींद्र विट्ठल नाइक, दिल्ली निवासी महेंद्र पाल अरोड़ा और अभिषेक बूरा के रूप में हुई है।

राज्यपाल बनाने तक का करते थे वादा

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि लोगों को झूठा आश्वासन देकर धोखा देने के बड़े रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। ये लोग राज्यसभा में सीटों की व्यवस्था करने, राज्यपाल बनाने या फिर सरकारी संगठनों, मंत्रालयों और विभागों के अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति कराने तक वादा करते थे। इसके बदले करोड़ों रुपये की मांग की जाती थी।

हॉस्टल में मिला 12वीं की छात्रा का शव, हफ्तेभर में एक जैसे दो मामले

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुवल्लुर जिले के एक स्कूल हॉस्टल में छात्रा मृत पाई गई। स्कूल का नाम सैक्रेड हार्ट स्कूल है। पुलिस का कहना है कि छात्रा के शव के पास से कोई भी सूइसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। तिरुवल्लुर के एसपी सेफास कल्याण ने बताया, 'छात्रा लटकती हुई पाई गई। इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं बता सकता।'

अधिकारियों का कहना है कि छात्रा के परिजनों के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए स्कूल में सख्त सुरक्षा की व्यवस्था की गई है।

यहां बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। बताया जा रहा है कि सरला नाम की स्टूडेंट तमिलनाडु के

ही तिरुत्तानी की रहने वाली थी। सरला के गांव में भी पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि कानून व्यवस्था के लिए चुनौती न पैदा हो।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस मामले को राज्य पुलिस की सीबी-सीआईडी विंग को ट्रांसफर किया गया है। बता दें कि सप्ताह भर के अंदर ही यह दूसरा मामला है जब स्कूल हॉस्टल में किसी छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। इससे पहले 13 जुलाई को कालाकुरुची में एक 12वीं की छात्रा की स्कूल हॉस्टल में ही संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

छात्रा की मौत के बाद लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। विरोध प्रदर्शन हिंसक होने के बाद कई पुलिस अधिकारी भी घायल हो गए थे। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने 15 बसों को आग के हवाले कर दिया था। इस मामले में स्कूल की प्रिंसिपल समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस को एक नोट भी मिला था जिसमें दो शिक्षकों पर ही प्रताड़ना का आरोप लगाया गया था।

शुक्रवार को मद्रास हाई कोर्ट ने आदेश दिया था कि डॉक्टरों की एक टीम पोस्टमार्टम रिपोर्ट की अनैलिसिस करे। हाई कोर्ट ने कहा था कि शिक्षण संस्थानों में होने वाले ऐसे मामलों की जांच राज्य पुलिस की सीबी-सीआईडी विंग करेगी।

कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में साइकिल यात्रा की

सिरसा। भारतीय सेना के प्रति समर्पण भाव रखने का संदेश देने के लिए राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नहला के प्रिंसिपल नरेश कुमार शर्मा ने कारगिल विजय दिवस को समर्पित साइकिल यात्रा की। प्रिंसिपल नरेश शर्मा ने अपनी साइकिल यात्रा हिसार के आर्मी कैंट से शुरू कर सिरसा स्थित वायुसेना स्टेशन तक पूरा किया। संदेश यात्रा कर सिरसा पहुंचे नरेश शर्मा ने कहा कि आज से 23 साल पहले भारत के शूरवीरों ने कारगिल युद्ध में दुश्मन को पांव पीछे खींचने के लिए मजबूर करके विजय गाथा लिख दी थी। देश के लिए जान कुर्बान करने वाले शहीदों को नमन करने और भारतीय सेना को उसके साहस के लिए सलाम करने के उद्देश्य से उन्होंने साइकिल यात्रा निकाली है। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना को पाकिस्तान के साथ हुए कारगिल युद्ध में जीत मिली थी। सेना के उस ऑपरेशन को ऑपरेशन विजय नाम दिया गया था।

26 जुलाई को इसी जीत के उपलक्ष्य में कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। इस युद्ध में हमारे 527 से अधिक वीर योद्धा शहीद हुए तो 1300 से ज्यादा घायल हो गए थे।

सोनिया से पूछताछ : प्रदेश कांग्रेस नेता आज करेंगे सत्याग्रह

पुडुचेरी। पुडुचेरी कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता मंगलवार को यहां राजीव गांधी चौक पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले पूछताछ के विरोध में सत्याग्रह करेंगे। पीसीसी अध्यक्ष ए वी सुब्रमण्यम ने सोमवार को यहां एक बयान में कहा कि मामला पिछले 12 साल से उच्चतम न्यायालय में लंबित है। जब उच्चतम न्यायालय ने कोई आदेश जारी नहीं किया, तो ईडी का श्रीमती गांधी से पूछताछ करना स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि मोदी सरकार केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और ईडी के साथ विपक्ष को कथित रूप से निशाना बना रही है।उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा नीत राजग सरकार ऐसे कामों से लोगों का ध्यान भटकाकर अपनी नाकामी को छिपाने की कोशिश कर रही है।

सुब्रमण्यम ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपराह्न 10 बजे सत्याग्रह में शामिल होने और श्रीमती गांधी के कल पूछताछ के बाद ईडी कार्यालय छोड़ने तक वहीं रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सत्याग्रह पूरी तरह अंहिसक होगा।

रामनाथ कोविंद की विदाई पर महबूबा का हमला

गलत परंपरा बना गए, संविधान को कई बार कुचला

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद पर निशाना साधा है। महबूबा मुफ्ती ने अपने एक ट्वीट में लिखा कि निवर्तमान राष्ट्रपति अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ गए हैं जहां भारतीय संविधान को अनेक बार कुचला गया। महबूबा मुफ्ती ने यह निशाना उस दिन साधा है जब द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को देश के 15वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली है। दरअसल, निवर्तमान राष्ट्रपति

रामनाथ कोविंद की विदाई पर महबूबा मुफ्ती ने उस पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट में लिखा कि चाहे आर्टिकल 370 की बात हो, नागरिकता कानून हो या अल्पसंख्यकों या दलितों को निशाना बनाना हो। उन्होंने भारतीय संविधान के नाम पर भाजपा के राजनीतिक एजेंडे को पूरा किया। वहीं इससे पहले सोमवार को ही द्रौपदी मुर्मू ने देश की पहली महिला आदिवासी के तौर पर राष्ट्रपति पद की शपथ ले ली है।

चीफ जस्टिस एनवी रमना ने उन्हें शपथ दिलवाई। इस दौरान द्रौपदी मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि मेरे लिए महिलाओं के हित सर्वोपरि होंगे। इसके साथ ही दलितों, पिछड़ों और गरीबों के हितों के लिए भी काम करने की बात कही।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की शक्ति ने मुझे यहां तक पहुंचाया। देश के गरीब आदिवासी, दलित और पिछड़े मुझमें अपना प्रतिबिंब देख सकते हैं।

उन्होंने कहा कि खुद को भारत का नेतृत्व करते हुए गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। मैं आज देश की महिलाओं और युवाओं को याद दिलाती हूं कि मेरे लिए उनके हित सर्वोपरि हैं। मेरे सामने राष्ट्रपति पद की ऐसी महान विरासत है, जिसने दुनिया में भारत के लोकतंत्र की प्रतिष्ठा को मजबूत किया है। संविधान के आलोक में मैं पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्य का निर्वहन करूंगी। मेरे लिए लोकतांत्रिक आदर्श और समस्त देशवासी ऊर्जा का स्रोत रहेंगे।

पीयूष राणा हत्याकांड का खुलासा, दोस्त ने ही खाने में जहर मिलाया

नैनीताल। उत्तराखंड उधमसिंह नगर पुलिस ने पंतनगर के छतरपुर में लगभग ढाई महीने पहले हुए पीयूष राणा हत्याकांड का खुलासा हो गया है। हत्या पीयूष के दोस्त अभिषेक ने की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

उधमसिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) टीएस मंजूनाथ की ओर से रूद्रपुर में सोमवार को इस मामले का खुलासा किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस को 02 मई को पंतनगर के छतरपुर में एक लड़का के कमरे में मृत पड़े होने की सूचना मिली थी।

पंतनगर व सिडकुल चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतक की पहचान पीयूष राणा निवासी श्रीपुर बिचवा थाना खटीमा, उधमसिंह नगर के रूप में हुई। पुलिस ने जांच आगे बढ़ायी तो पता चला कि पीयूष सिडकुल में अशोक लेलैंड कंपनी में काम करता था और सोनू के साथ छतरपुर में किराये के कमरे में रहता था।

सोनू घटना से एक दिन पहले खटीमा अपने घर चला गया था। पुलिस को पता चला कि घटना के दिन मृतक का एक अन्य दोस्त अभिषेक राणा निवासी चारूबेटा, मंदिर वाली गली, खटीमा, उधमसिंहनगर उसके कमरे में रूका था।

पुलिस को मृतक के कमरे से एक शीशी और एक एविल इंजेक्शन के साथ पका खाना बरामद हुआ था। पुलिस ने उन्हें कब्जे में ले लिया। साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया लेकिन पुलिस की मुसीबत तब बढ़ गयी जब पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण संदिग्ध आया।

अब पुलिस ने मौत का सही कारण पता लगाने के लिये बिसरा के साथ ही बरामद खाने को जांच के विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा। कुछ दिनों बाद मिली रिपोर्ट में मौत की पुष्टि जहर देने से हुई। रिपोर्ट आने के बाद मृतक के दादा ने अभिषेक राणा के खिलाफ हत्या का शक जताते हुए तहरीर दी।

इसके बाद पुलिस ने अभिषेक को हिरासत में ले लिया और सख्ती से पूछताछ की तो अभिषेक ने हत्या की बात कुबूल कर ली। आरोपी ने बताया कि मृतक उसकी मां के लिये गंदी बात बोलता था और गलत नजर रखता था।

जम्मू के कान्हाचक में बीएसएफ उपनिरीक्षक ने की खुदकुशी

जम्मू। जम्मू कश्मीर में जम्मू शहर के बाहरी इलाके कान्हाचक में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सीमा चौकी पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक उपनिरीक्षक ने अपने सर्विस हथियार से गोली मारकर कथित तौर पर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने रिपोर्ट के मुताबिक कहा कि आज सुबह छह बजकर 35 मिनट पर बीएसएफ के एक जवान ने गोली चलने की आवाज सुनी और सीमा चौकी की ओर भागा। जहां उनका सहयोगी उपनिरीक्षक रामदेव सिंह बीओपी बीटी फॉरवर्ड अंतरराष्ट्रीय सीमा कान्हाचक के पास खून से लथपथ हालत में मिला। उपनिरीक्षक ने अपनी सर्विस हथियार से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। वह राजस्थान के सीकर जिला निवासीथा।

रूद्रपुर में दो चारियों को खुलासा, सुनार समेत तीन गिरफ्तार

एजेंसी

नैनीताल। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर के ट्रांजिट कैम्प में हुई चारियों का पुलिस ने सोमवार को खुलासा करते हुए सुनार समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से चोरी के आभूषण और नकदी भी बरामद हुई है।

उधमसिंह नगर पुलिस के अनुसार रूद्रपुर के ट्रांजिट कैम्प थाना क्षेत्र में चोरों ने 21 जून और 19 जुलाई को दो घरों के ताले तोड़ कर सोने के आभूषणों और नकदी पर हाथ साफ कर लिया था।

चोरी की घटनायें सामने आने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरी की तलाश शुरू कर दी।

पुलिस ने तत्काल घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। आखिरकार पुलिस ने दो आरोपियों बृजेश सक्सेना निवासी बरखेड़ा, पीलीभीत उप्र व सुमित निवासी नानक सागर कालोनी, नानकमत्ता को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से चोरी के कुछ आभूषण व नकदी भी बरामद कर ली गयी।

आरोपियों ने बताया कि वह सोने के आभूषणों को उत्तर प्रदेश के बहेड़ी के केशवपुरम स्थित सुनार की दुकान के मालिक राजीव गंगवार और रवि गंगवार को दे देते थे। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रवि गंगवार को भी पकड़ लिया।

जबकि राजीव गंगवार फरार होने में कामयाब हो गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने के आभूषण भी बरामद किये हैं।

शार्ट न्यूज

एनएचपीसी द्वारा सीएसआर के तहत स्मार्ट कक्षाओं हेतु इंटरैक्टिव पैनल प्रदान करने के लिए डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, फरीदाबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

आनंद राय/गौरवशाली भारत

फरीदाबाद। भारत की अग्रणी जल विद्युत कंपनी एनएचपीसी और डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, सेक्टर -30 पुलिस लाइन, फरीदाबाद के बीच एनएचपीसी की सीएसआर पहल के तहत डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में स्मार्ट कक्षाएं प्रदान करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए ।कार्यपालक निदेशक (सीएसआर एवं एसडी), एनएचपीसी और स्कूल प्रमुख, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, फरीदाबाद द्वारा 25 जुलाई, 2022 को एनएचपीसी निगम मुख्यालय, फरीदाबाद में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए ।इस परियोजना के तहत, डीएवी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की अवसंरचना को मजबूत करने और छात्रों को जीवन के हर क्षेत्र में तकनीक की समझ रखने वाले बनाने के लिए इंटरैक्टिव पैनल शिक्षण/सीखने की प्रक्रिया को और सुगम बनाने के लिए 3 स्मार्ट क्लास स्थापित करेगा ।डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल हरियाणा पुलिस वेलफेयर सोसाइटी के अंतर्गत संचालित होता है और इसमें लगभग 60 प्रतिशत छात्र पुलिसकर्मियों के बच्चे हैं, जो बुनियादी शिक्षा के अभाव वाले दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं ।

कावड़ यात्रियों की सुविधा एवं समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से जनपद में कंट्रोल रूम की हुई स्थापना

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले के जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने सर्वसाधारण का आह्वान करते हुए उन्हें जानकारी दी है कि श्रावण शिवरात्रि के पर्व 26 जुलाई 2022 एवं कावड़ यात्रा को दृष्टिगत रखते हुए कावड़ यात्रियों की सुविधा एवं समस्याओं के निस्तारण के उद्देश्य से जनपद गौतमबुद्धनगर में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है।जिसका हेल्पलाइन नंबर 01202560044 है।उन्होंने बताया कि उक्त कंट्रोल रूम 24 जुलाई 2022 से 26 जुलाई 2022 जलाभिषेक समाप्त होने तक 24 7 क्रियाशील रहेगा।जनपद गौतमबुद्धनगर के कावड़ यात्री एवं जनपद गौतमबुद्धनगर से होकर किसी अन्य गंतव्य स्थल तक जाने वाले कावड़ यात्री किसी भी समस्या के समाधान एवं जानकारी के लिए दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर सम्पर्क स्थापित कर सकते है।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत जनपद गौतमबुद्धनगर में होगा बिजली महोत्सव एवं ऊर्जा दिवस का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा आजादी से अब तक ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विकास एवं भविष्य में प्राप्त होने वाले विकास की संभावनाओं का प्रदर्शन करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा प्रदेश के समस्त जनपदों में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 25 जुलाई से 31 जुलाई 2022 तक बिजली महोत्सव एवं ऊर्जा दिवस का आयोजन कराया जा रहा है।इसी क्रम में अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग गौतमबुद्धनगर संजीव कुमार वैश्य ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद गौतमबुद्धनगर में भी शासन के निर्देशों के क्रम में एवं जिला अधिकारी सुहास एलवाई के नेतृत्व में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत बिजली महोत्सव एवं ऊर्जा दिवस पर उज्जवल भारत, उज्जवल भविष्य ऊर्जाञ्च2047 के रूप में आगामी 28 जुलाई को आईआईएमटी कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट प्लॉट नंबर 19 व 20 नॉलेज पार्क 3 ग्रेटर नोएडा तथा 30 जुलाई को पंचशील बालक इंटर कॉलेज सेक्टर 91 नोएडा में शाम 3 बजे से 5 बजे तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र में भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा आजादी से अब तक ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विकास एवं भविष्य में प्राप्त होने वाली विकास की संभावनाओं का प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

राज्य निधि से दिव्यांगजन के हितार्थ चार प्रकार की वित्तीय सहायता करायी जायेगी उपलब्ध

ग्रेटर नोएडा। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी गौतमबुद्धनगर लवेश कुमार सिसौदिया ने जनपद के समस्त दिव्यांगजनों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि दिव्यांगजन के लिए राज्य निधि की स्थापना की गयी है। राज्य निधि से दिव्यांगजन के हितार्थ चार प्रकार की वित्तीय सहायता उपलब्ध करायी जायेगी।उन्होंने चार प्रकार की वित्तीय सहायता के संबंध में बिंदुवार बताया कि उत्तर प्रदेश के दिव्यांगजन द्वारा बनाये गये चित्रों, हस्तकला आदि सहित उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए प्रदर्शनी एवं कार्यशालाओं हेतु धनराशि सहायता के रूप में उपलब्ध कराना, उत्तर प्रदेश के दिव्यांगजन खेल/ललिकला/संगीत/नृत्य/फिल्म/थियेटर/साहित्य जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन हो, उन्हे राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय आयोजनों में प्रतिभाग किये जाने एवं खेल आयोजन हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना, दैनिक जीवन के गतिविधियों को बेहतर बनाने के लिए बैचमार्क दिव्यांगता के व्यक्तियों को उच्च सहायता वाले उपकरण, उत्तर प्रदेश के दिव्यांजन जो गम्भीर बीमारियों यथा कैंसी, थैलीसिमिया प्लास्टिक, एनीमिया बहुस्कालोरोसिस से ग्रसित हो अथवा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से आच्छादित न हो, को चिकित्सा हेतु वित्तीय सहायता।उन्होंने कहा कि इच्छुक दिव्यांगजन जो योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करना चाहते हैं वह अपना प्रस्ताव अधोहस्ताक्षरी कार्यालय को तत्काल उपलब्ध कराये एवं योजना के संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कमरा नंबर 107 विकास भवन गौतमबुद्धनगर में सम्पर्क कर सकते है।

मेट्रो स्टेशन, मॉल में भी लगेगा कोरोना का टीका, सरकार ने तेज की वैक्सीनेशन की रफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने कोविड टीकाकरण की दरों में बढ़ोतरी लाने के लिए मेट्रो स्टेशन, बाजार, मॉल, शराब की दुकान, कांवड़ कैंप, जैसी भीड़-भाड़ वाली जगहों पर टीकाकरण कैंप खोल रहीं हैं।दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह कैंप इसलिए खोले जा रहे हैं ताकि जो लोग टीका लगवाने नहीं जा पा रहे हैं उन सभी लोगों तक हम टीका पहुंचा सकें। पिछले कुछ दिनों से राजधानी दिल्ली में कोविड मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। डॉक्टरों का कहना है कि टीकाकरण से ही इसे नियंत्रित किया जा सकता है। इसे देखते हुए दिल्ली सरकार ने जुलाई में मोहल्ला क्लिनिक की संख्या 60 से बढ़ाकर 140 कर दी हैं।टीकाकरण कवरेज को बढ़ाने के लिए दिल्ली सरकार ने डोर-टू-डोर सर्वे की शुरुआत भी की है। सरकार उन इलाकों को चिन्हित कर रही है जहां लोगों के टीकाकरण की संख्या कम है और उन इलाकों में कैंप खोल रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में पिछले तीन दिनों से 700 से अधिक कोरोना के केस सामने आ रहे हैं। दिल्ली में अबतक कुल 3,56,02,514 टीकों की खुराक लगाए जा चुके हैं बल्कि एहतियाती खुराक की कुल संख्या अभी 20,39,022 ही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 17 जुलाई को दिल्ली की जनता को एहतियाती खुराक लेने के लिए कहा था। उन्होंने बताया कि अभी दिल्ली में कुल आबादी के केवल 10 प्रतिशत लोग ही एहतियाती खुराक लिए हैं।

केजरीवाल सरकार ने 106+ अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को 'कायाकल्प राज्य पुरस्कार' से सम्मानित किया

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली के लोगों को वर्ल्ड क्लास क्वालिटी हेल्थ फैसिलिटीज उपलब्ध करवाना हमेशा से केजरीवाल सरकार की प्राथमिकता रही है । दिल्ली सरकार के अस्पताल लगातार गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को सुनिश्चित करते हुए मरीजों को बेहतरीन स्वास्थ्य व चिकित्सा सुविधाएं मुहैया करवाती है । इस दिशा में सोमवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली सचिवालय के ऑडिटोरियम आयोजित एक कार्यक्रम में शानदार काम करने वाले अस्पतालों को कायाकल्प स्टेट अवार्ड से सम्मानित किया।कार्यक्रम में 24 अस्पतालों और 82 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) को मानक प्रोटोकॉल का पालन करने और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने अवार्डी अस्पतालों को बधाई देते हुए कहा कि दिल्ली सरकार के अस्पतालों के डॉक्टर्स और अन्य स्टाफ का अपने अस्पताल की बेहतरी के प्रति प्रतिबद्धता के कारण आज हमारे अस्पतालों में देश भर के लोग इलाज करने आते है क्योंकि उनका दिल्ली के हेल्थ-केयर सिस्टम के प्रति भरोसा बढ़ा है। उन्होंने आगे कहा कि 2015 में अरविंद केजरीवाल जी के सरकार में आते ही स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाना हमारी प्राथमिकता बन गई और तब से हमने अपने अस्पतालों के लिए कभी पैसों की कमी नहीं होने दी। अस्पतालों ने भी सरकार को जो इनोवेटिव आइडियाज दिए उसे हमने हमेशा स्वीकार किया। यही कारण है कि आज दिल्ली सरकार के अस्पतालों में लोगों को शानदार स्वास्थ्य सुविधाएं , शानदार ट्रीटमेंट मिल रही है। सिसोदिया ने कहा कि हमारे अस्पतालों ने पिछले सालों में शानदार काम किया है लेकिन हमें यही नहीं रुक जाना है। हमारे अस्पतालों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचने के लिए आउट-ऑफ़-द-बॉक्स सोचने की जरुरत है। जिसके लिए सबसे जरुरी है नजरिया बदलने की। हमारे हॉस्पिटल लीडर्स व स्टाफ को अपना नजरिए को बदलना होगा। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल को ट्रेडिशनल तरीके से स्वीकृति देने के भाव को बदलने की जरूरत है और किसी भी चीज के लिए तबतक अपने मन में स्वीकृति नहीं दे जबतक वो शानदार न हो जाए चाहे वो अस्पताल के रखरखाव को लेकर हो या फिर उसकी साफ़-सफाई को लेकर। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार के 13 और अस्पतालों ने कायाकल्प अवार्ड के लिए में ।0त्न से अधिक स्कोर किया और उन्हें कमेंडेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया साथ ही 6 सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों ने भी ।0 प्रतिशत से अधिक स्कोर किया है। कमेंडेशन अवार्ड पाने वाले अस्पतालों को 3-3 लाख रूपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

उच्च शिक्षा आयोग का गठन साल के अंत तक

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में उच्च शिक्षा आयोग का प्रस्ताव जल्द मूर्त रूप ले सकता है। आयोग पर काम कर रहे नियामक संस्थानों ने काफी हद तक काम पूरा कर लिया है। साथ ही अन्य सुधार भी इस वर्ष के अंत तक पूरे हो जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि नए प्रस्तावित आयोग का मसौदा तैयार कर लिया गया है। इस साल के अंत तक इसके गठन की भी तैयारी है।

अखिल भारतीय शिक्षा समागम के बाद शिक्षा मंत्रालय ने उच्च शिक्षा से जुड़े सभी अटके प्रस्तावों को लेकर तेजी दिखाई है। इनमें सबसे अहम भारतीय उच्च शिक्षा आयोग का गठन है जो मौजूदा नियामक संस्थानों की जगह लेगा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सभी प्रस्तावों को जल्द पूरा करने को कहा है ताकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रारूप पर आगे बढ़ने में मदद मिले। उच्च शिक्षा से जुड़े बदलावों में डिजिटल यूनिवर्सिटी का गठन और नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एनआरएफ) के गठन एवं देश में विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस खोलने के भी प्रस्ताव शामिल हैं।

पहली बार 2018 में भारतीय उच्च शिक्षा परिषद (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम का निरसन) विधेयक पर आगे बढ़ने की मुहिम शुरू हुई थी। उस समय एचईसीआई मसौदा बिल को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका।

अधिकारियों के मुताबिक, एचईसीआई को लेकर नए सिरे से प्रयास शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के आने के बाद तेज हुए हैं। नया आयोग बनने के बाद शिक्षा जगत में आमूल परिवर्तन की संभावना जताई जा रही है।

दुकानो के शटर काट कर ऑटो व कार की बैटरी चोरी करने वाले गैंग के तीन चोर गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने दुकानो के शटर काट कर, ऑटो व कार की बैटरी चोरी करने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुए तीन चोरों फखरुद्दीन पुत्र अहमददीन निवासी ग्राम चिट्टा शेरगढी थाना सलेमपुर जिला बुलंदशहर, यूनुस पुत्र शौकत निवासी ग्राम शाहनगर थाना अगौता जिला बुलंदशहर, शाहरुख पुत्र नूरुद्दीन निवासी ग्राम चिट्टा शेरगढ़ी थाना सलेमपुर जिला बुलंदशहर को लेबर चौक शौचालय के पास सेक्टर-58 से रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने चोरी का एक ऑटो नम्बर डीएल1 आर जेड6624, छः बैटरी, चोरी करने के उपकरण एक ड्रिल मशीन,दो प्लास,एक हथौडा,एक राड,एक दाँव,दो ग्लैन्डर मशीन चकरी,एक पाइप रिंच,तीन छैनी,एक चाबी,दो पाना,एक रेत,एक आरी और तीन पेचकस बरामद किए हैं। अभियुक्त फखरुद्दीन,यूनुस, शाहरुख, गैंग बनाकर दिन में दुकानों तथा सुनसान जगह पर खड़े ऑटो/कारों की रैकी करते है। तथा रात्रि में दुकानो का शटर काट कर तथा सूनसान स्थानो पर खड़े ऑटो/कारो की बैटरी चोरी करके सुनसान स्थान पर खड़े चोरी की ऑटो में एकत्रित करते है और मौका मिलते ही चोरी के सामान को अन्य जनपदो में ले जाकर बेच देते है। अभियुक्तगण शातिर किस्म के अपराधी हैं।जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

रेड एप्पल बिल्डर्स पर साढ़े तीन करोड़ की ठगी का एक और केस

गाजियाबाद। फ्लैट देने के नाम पर 200 करोड़ से अधिक की ठगी के मामले में रेड एप्पल बिल्डर्स के खिलाफ साढ़े करोड़ रुपये की ठगी का एक और केस दर्ज हुआ है। इस मामले में पीड़ित का कहना है कि रेड एप्पल सोसाइटी में आठ दुकानें देने तथा दूसरे प्रोजेक्ट में फ्लैट देने के नाम पर उनसे रकम ठग ली गई, लेकिन आठ साल बाद भी उन्हें न तो फ्लैट मिला और न ही दुकानें। थक-हारकर पीड़ित ने नंदग्राम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। नंदग्राम निवासी राजेश त्यागी का कहना है कि आईडिया बिल्डर्स द्वारा राजनगर एक्सटेंशन में रेड एप्पल सोसाइटी विकसित की जा रही थी। एक व्यक्ति के माध्यम से उनकी मुलाकात रेड एप्पल बिल्डर्स प्रतीक जैन, विजयंत जैन, राजकुमार जैन, वीरेन्द्र जैन, अक्षय जैन आदि से हुई। उन्होंने रेड एप्पल सोसाइटी में आठ दुकानें खरीदने के लिए बिल्डर्स से 1.49 करोड़ रुपये में सौदा किया।

सतीश उपाध्याय ने शास्त्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम - 'कलांजलि-2022' का उद्घाटन किया

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। स्वर, वाद्य संगीत और नृत्य के एक प्रमुख कलाकार स्वर्गीय श्री गुरु जगमोहन शाह राजा की स्मृति में, श्री सतीश उपाध्याय, उपाध्यक्ष- नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने 'नटराज कला केंद्र' द्वारा आयोजित शास्त्रीय और सांस्कृतिक कार्यक्रम 'कलांजलि'-2022 का उद्घाटन अवाम-ए-ग़ालिब सभागार निकट माता सुंदरी कॉलेज, आईटीओ, दिल्ली के पास किया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री उपाध्याय ने कहा कि भारत की आजादी के 75 साल पूरे देश में आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में अलग-अलग तरीकों से मनाया जा रहा है, ताकि आम जनता इस उत्सव का आनंद उठा सके। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम भारतीय शास्त्रीय नृत्य रूपों और संगीत के चित्रण द्वारा भारतीय संस्कृति और विविधता को प्रदर्शित करने के लिए समर्पित है।

इस अवसर पर, कथक भरतनाट्यम के एकल और समूह नृत्य प्रदर्शन और समकालीन नृत्य, एकल और समूह गायन प्रदर्शन, ऑर्केस्ट्रा, वाद्य प्रदर्शन के साथ साथ एक चित्रकला प्रदर्शनी भी आयोजित की गई । उपाध्याय ने बताया कि नो-प्रॉफिट नो-लॉस के आधार पर कला और संस्कृति की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1980 में नटराज कला केंद्र की स्थापना की गई थी। नटराज कला केंद्र ने अपनी स्थापना के बाद से लगातार समाज की सेवा की है और छात्रों को एक ऐसा स्थान प्रदान किया है जहां वे हर संभव कला को सीख कर अपने सपनों को छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि 6-20 वर्ष की आयु के केंद्र छात्र के प्रयासों से सामान्य रूप से विभिन्न प्रकार के नृत्यों जैसे कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी और लोक और समकालीन नृत्य रूपों में प्रशिक्षित किया गया है।

श्री उपाध्याय ने नटराज कला केंद्र से जुड़े शिक्षकों के समूह की सराहना की, जिन्होंने इस कार्यक्रम को बड़ी सफलता दिलाई, जिसमें सैकड़ों बच्चों ने भाग लिया।

इस अवसर पर श्रीमती सविता रानी - सचिव - नटराज कला केंद्र ने दर्शकों को संबोधित किया और धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इसके अलावा, श्री रविंदर गुप्ता - पूर्व महापौर और महासचिव भाजपा दिल्ली, श्री महेश शैरवाल - आईआरएस - संयुक्त आयकर आयुक्त, डॉ सत्येंद्र कुमार ठाकुर - सहायक प्रोफेसर दिल्ली विश्वविद्यालय, श्री मनोज टायरा - संस्थापक बीएससी पब्लिशिंग हाउस, नटराज कला के कार्यकारी सदस्य केंद्र अर्थात श्री दिलीप साहा- अध्यक्ष और श्री पलविंदर सिंह पल्ली ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और सभी भाग लेने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह वितरित किए और सभी शिक्षकों को सम्मान ट्रॉफी प्रदान की गई ।

सीबीआई, ईडी का दुरुपयोग कर रही केंद्र सरकार

संजय सिंह ने राज्यसभा में दिया सस्पेंशन ऑफ बिजनेस नोटिस

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह ने सोमवार को राज्यसभा में नियम 267 के तहत दिल्ली सरकार के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दुरुपयोग को लेकर सस्पेंशन ऑफ बिजनेस का नोटिस दिया। सिंह ने एक पत्र में आरोप लगाया, केंद्रीय एजेंसियों द्वारा बड़े पैमाने पर की जा रही जांच आम आदमी के काम में बाधक बन रही है। सीबीआई और ईडी के साथ, कोई ऐसी एजेंसी नहीं बची है जिसका केंद्र सरकार ने दुरुपयोग नहीं किया हो। संजय ने यह नोटिस ऐसे समय पर दिया है जब दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार की नई आबकारी नीति के कथित उल्लंघन को लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो से इसकी जांच की सिफारिश की है। सक्सेना ने उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा शराब लाइसेंस के आवंटन में गड़बड़ी को लेकर सीबीआई जांच का आदेश दिया है। मुख्य सचिव द्वारा 8 जुलाई को दी गई एक रिपोर्ट ने जीएनसीटीडी अधिनियम 1991, व्यापार नियमों के लेनदेन (टीओबीआर) 1993, दिल्ली उत्पाद शुल्क अधिनियम 2009 और दिल्ली उत्पाद शुल्क नियम 2010 में प्रथम दृष्टया उल्लंघन पाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में आबकारी नीति को उच्च पदों पर बैठ व्यक्तियों और निजी शराब व्यवसायियों को वित्तीय लाभ पहुंचाने के एकमात्र उद्देश्य से लागू किया गया है।

शराब लाइसेंसधारियों को दिया अनुचित लाभ

एलजी कार्यालय के अधिकारियों का कहना है कि आबकारी विभाग के प्रभारी मंत्री मनीष सिसोदिया ने वैधानिक प्रावधानों और अधिसूचित आबकारी नीति के उल्लंघन में बड़े फैसले/ कार्रवाई की और उन्हें निष्पादित किया, जिसमें वित्तीय अनियमितता है। एलजी कार्यालय ने कहा कि सिसोदिया ने टेंडर देने के बाद भी शराब लाइसेंसधारियों को अनुचित वित्तीय लाभ दिया और इससे राजकोष को भारी नुकसान हुआ है।

घर जा रही लड़की को रोककर पूछी जाति, पार्क में खींचकर किया गैंगरेप

नोएडा। नोएडा फेज-2 स्थित कंपनी में काम करने वाली युवती ने दो युवकों पर ड्यूटी से घर लौटते समय सामूहिक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। उसने पुलिस को शिकायत दी है कि दोनों आरोपियों ने उसे पार्क में खींचकर जबरदस्ती की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित युवती 20 जुलाई को रात में कंपनी से घर जा रही थी।

इसी दौरान रास्ते में उसे दो युवक मिले। दोनों ने उसे रोक लिया और उससे उसकी जाति पूछी। आरोप है कि युवती ने अपनी जाति बताई तो दोनों आरोपियों ने उसे पकड़ लिया और उसे जबरन खींचकर पार्क में ले गए। दोनों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। युवती ने अपने मोबाइल से पुलिस को फोन करने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उससे मोबाइल फोन छीन लिया। आरोपियों ने पुलिस से शिकायत ना करने की धमकी भी दी। घटना के बाद दोनों आरोपी भाग गए। आरोपी युवकों के जाने के बाद वह पार्क से मुख्य सड़क पर पहुंची। इस दौरान वहां पर दो पुलिसकर्मी मिले। पीड़िता ने पुलिसकर्मियों को घटना की जानकारी दी। पुलिस वालों ने उसकी परिजनों से बात कराई। इस मामले में पीड़िता ने फेज 2 थाना पुलिस से आरोपियों के खिलाफ शिकायत की है।

53 साल की ताइवानी महिला से 29 साल के शख्स ने किया रेप

एजेंसी

गुरुग्राम। ताइवान की 53 वर्षीय एक महिला से शादी का झांसा देकर बार-बार बलात्कार करने के आरोप में 29 वर्षीय एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

महिला 2017 से गुरुग्राम में रह रही है और एक एनजीओ के लिए काम करती है। वहीं रवींद्र विश्वकर्मा नाम का आरोपी एक निजी क्लिनिक में काम करता है। पुलिस ने बताया कि दोनों करीब छह महीने पहले एक-दूसरे के संपर्क में आए थे।

महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि वह सेक्टर 52 में एक पेइंग गेस्ट के तौर पर रह रही थी। शिकायत में महिला ने कहा, हम पहली बार फरवरी में मिले थे और उसने (आरोपी ने) मुझसे बात करना शुरू किया। वह मुझे रोज गुड मॉर्निंग विश करते थे। एक दिन उसने मुझे कॉफी के लिए ऑफर किया।

इसके बाद हम दोनों एक-दूसरे से बातचीत करने लगे। इसके बाद उसने मुझे शादी के लिए प्रपोज किया। मुझे उससे प्यार हो गया था इसलिए मैंने उसका प्रस्ताव स्वीकार कर लिया।

महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने शादी का झूठा वादा करके उसकी सहमति के बिना उसका यौन शोषण करना शुरू कर दिया, और आखिर में वह अपने वादे से मुकर गया और उसने पीड़िता का नंबर ब्लॉक कर दिया।

सहायक उप निरीक्षक चंद्रकांत ने कहा कि विश्वकर्मा के खिलाफ सेक्टर 53 पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आरोपी ने स्वीकार किया अपराध

चंद्रकांत ने कहा, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसने अपने ऊपर लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि जल्द ही उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा।

मंकीपॉक्स को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क

गाजियाबाद। देश में मंकीपॉक्स के मामले मिलने के बाद जिले में स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया है। मंकीपॉक्स के लक्षण दिखने वाले मरीजों को तुरंत संयुक्त और एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा और उनका सैंपल जांच के लिए भेजा जाएगा। ताकि मंकीपॉक्स की पुष्टि की जा सके। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने बताया कि मंकीपॉक्स को लेकर शासन ने पहले भी अलर्ट रहने के निर्देश जारी किए थे। शासन के निर्देशों के अनुसार जिले में सतर्कता बरती जा रही है। कोरोना जांच के लिए लगी टीमों को ही अलर्ट मोड पर रखा गया है और अस्पतालों को इसके लिए तैयारी करने के लिए भी कह दिया गया है। ताकि मंकीपॉक्स से ग्रस्त मरीज को तुरंत उपचार दिया जा सके। सभी अस्पतालों को किसी भी रोगी में मंकीपॉक्स जैसे लक्षण दिखने पर इसकी सूचना तुरंत सीएमओ को देने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मंकीपॉक्स संक्रमण होने पर शरीर पर कुछ-कुछ चिकनपॉक्स जैसा प्रभाव ही रहता है, लेकिन गंभीरता वाली जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। उन्होंने बताया कि इसका संक्रमण अधिकतम 14 या कभी-कभी 21 दिन तक भी रहता है।

पुलिस ने खड़े वाहनों से डीजल/पेट्रोल चोरी करने वाले तीन अन्तर्राज्यीय तेल चोरों को किया गिरफ्तार

कब्जे से 500 लीटर डीजल, घटना में प्रयुक्त चार वाहन सहित अन्य उपकरण बरामद

ग्रेटर नोएडा। कासना पुलिस ने खड़े वाहनों से डीजल/पेट्रोल चोरी करने वाले तीन अन्तर्राज्यीय तेल चोरों कलुआ पुत्र अब्दुल करीम निवासी ग्राम छौलस थाना जारचा जनपद गौतमबुद्धनगर, देवराज भाटी उर्फ मनोज पुत्र हरिश्चन्द्र निवासी ग्राम सैंथली थाना जारचा जनपद गौतमबुद्धनगर, नितिन पुत्र लखमी सिंह निवासी सेन विहार गली नंबर 12 विजय नगर थाना विजय नगर जनपद गाजियाबाद को सिरसा कट के पास से रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक टाटा एसीई छोटा हाथी ,एक आयसर कैन्टर , दो मोटरसाइकिल हीरो होण्डा स्प्लेण्डर ,छः ड्रम प्लास्टिक के, छः प्लास्टिक की वाल्टी, एक छोटा ड्रम, तीन तेल कुप्पी,पाँच प्लास्टिक के पाइप और लगभग 500 लीटर डीजल बरामद किया है।24 जुलाई 2022 को वादी नानक चन्द्र पुत्र मदनपाल निवासी चन्द सिन्हा थाना रतनपुरी जिला मुजफ्फरनगर द्वारा खुद के ट्रक से तथा वादी गुरुचरण पुत्र भुप किशोर निवासी गुनामई थाना नयागाँव जनपद एटा द्वारा खुद के ट्रक से 23 जुलाई 2022 को समय करीब 11 बजे अज्ञात चोरों द्वारा डीजल चोरी कर ले जाने के सम्बन्ध मे थाना कासना पर क्रमशः मुकदमा अपराध संख्या 176 /2022 धारा 379 भादवि, मुकदमा अपराध संख्या 177 /2022 धारा 379 भादवि के तहत पंजीकृत किये गये थे।

जिनमें तत्काल चोरी हुए डीजल की बरामदगी एवं घटना का सफल अनावरण करने हेतु टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा अपने अथक प्रयास व परिश्रम से 24 जुलाई 2022 को ही घटना का सफल अनावरण कर दिया। बरामदगी के आधार पर अभियोग में धारा 411 भादवि की वृद्धि की गयी है। अभियुक्तगण शातिर किस्म के डीजल/पेट्रोल चोर हैं।जो सड़क किनारे खडी गाड़ियों से अपने उपकरणों के द्वारा डीजल/पेट्रोल चोरी कर लेते हैं। इनमे से अनवर तथा नितिन मोटर साइकिल से गाडियों की रैकी करते है फिर अपने साथियों को फोन से बुलाकर गाड़ियों से डीजल/पेट्रोल चोरी कर लेते हैं।

चोरी किए गये डीजल/पेट्रोल को सड़क पर चलने वाली गाड़ियों को पैट्रोल पम्प से कम दाम पर बेचकर अवैध धन अर्जित करते हैं। उपरोक्त अभियुक्तगणों के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

संपादकीय

'अल्पसंख्यक' की परिभाषा नहीं होने के कारण बड़े स्तर पर इसका दुरुपयोग हो रहा है

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2006 में राष्ट्रीय विकास परिषद की बैठक में कहा था, 'यह सुनिश्चित करने के लिए कि अल्पसंख्यक, खासकर मुसलमान विकास में बराबरी से फायदा ले सकें, हमें मौलिक योजना बनानी पड़ेगी। संसाधनों पर उनका पहला हक होना चाहिए'। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 30 (1) भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों को शिक्षण संस्थान का निर्माण करने और इसे संचालित करने का अधिकार देता है और संविधान का अनुच्छेद 30 (2) कहता है कि केंद्र और राज्य सरकार शिक्षण संस्थानों को मदद देते समय भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों द्वारा बनाए गए शिक्षण संस्थान के साथ कोई भेदभाव नहीं करेगी। लेकिन प्रश्न यह है कि भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यक कौन हैं ? विश्व में 6000 से ज्यादा भाषाएं बोली जाती हैं तो क्या भारत सरकार 6000 भाषाई अल्पसंख्यक घोषित कर सकती है ? इसी प्रकार विश्व में 1000 से ज्यादा मत पंथ संप्रदाय हैं तो क्या भारत सरकार विश्व के सभी संप्रदायों को धार्मिक अल्पसंख्यक का दर्जा दे सकती है ? और सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि अल्पसंख्यकों को प्राइमरी स्कूल खोलने का अधिकार मिलना चाहिए या इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, लॉ कॉलेज और विश्वविद्यालय खोलने का अधिकार भी मिलना चाहिए ? भारतीय संविधान भारतीयों के लिए बना है न कि विदेशियों के लिए और भारतीय संविधान भारतीय भाषा, भारतीय रीति-रिवाज, भारतीय प्रथा, भारतीय वेशभूषा, भारतीय संस्कार, भारतीय संस्कृति, भारतीय शैली, भारतीय परंपरा और भारतीय संप्रदाय को संरक्षित करने का अधिकार देता है न कि विदेशी भाषा, विदेशी रीति-रिवाज, विदेशी प्रथा, विदेशी वेशभूषा, विदेशी संस्कार, विदेशी संस्कृति, विदेशी शैली, विदेशी परंपरा और विदेशी मजहब को। आर्टिकल 30 में भाषा और संप्रदाय आधारित अल्पसंख्यक का जिक्र है लेकिन वह विदेशी भाषा और विदेशी संप्रदाय के लिए नहीं बल्कि भारतीय भाषा और भारतीय संप्रदाय को संरक्षित करने के लिए है अर्थात उत्तर प्रदेश में तमिल, मलयालम, बंगाली, गुजराती, असमी, मराठी बोलने वालों को भाषाई अल्पसंख्यक का दर्जा मिल सकता है लेकिन फ्रेंच, जर्मन, जापानी या चाइनीज बोलने वालों को नहीं। यही पैमाना संप्रदाय आधारित अल्पसंख्यक पर भी लागू होता है अर्थात जैन, बौद्ध, सिख, आर्य समाज जैसे भारत में शुरू हुए पंथ मानने वालों को आर्टिकल 30 के अंतर्गत धार्मिक अल्पसंख्यक का दर्जा मिल सकता है लेकिन यहूदी, पारसी, ईसाई, बहाई और इस्लाम जैसे विदेशी मत पंथ संप्रदाय मानने वालों को अल्पसंख्यक दर्जा नहीं मिल सकता है। संविधान दो शब्दों सम और विधान से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है समान विधान, जबकि कॉन्स्टिट्यूशन का अर्थ है विधान। जिस प्रकार अंग्रेजी भाषा में धर्म का कोई समानार्थी शब्द नहीं है इसलिए रिलिजन का उपयोग किया जाता है उसी प्रकार संविधान का कोई समानार्थी शब्द नहीं है इसलिए कॉन्स्टिट्यूशन का उपयोग होता है। जिस प्रकार धर्म और रिलिजन का अर्थ अलग है उसी प्रकार संविधान और कॉन्स्टिट्यूशन का अर्थ भी सर्वथा भिन्न है। भारतीय संविधान का भावार्थ को आर्टिकल 14, 15, 16, 19, 21, 25, 26, 27 में स्पष्ट है। आर्टिकल 14 कहता है कि सभी भारतीय एक समान हैं और सबको कानून का समान संरक्षण प्राप्त है। आर्टिकल 15 कहता है कि जाति, पंथ, भाषा, क्षेत्र, जन्मस्थान के आधार पर किसी से भेदभाव नहीं किया जाएगा और आर्टिकल 16 कहता है कि हिंदू हो या मुसलमान, नौकरियों में सबको समान अवसर मिलेगा। आर्टिकल 19 सभी नागरिकों को देश में कहीं पर भी जाने, रहने, बसने, रोजगार शुरू करने का अधिकार देता है। संविधान को यथारूप पढ़ने से स्पष्ट है कि समता, समानता, समरसता, समान अवसर तथा समान अधिकार भारतीय संविधान की आत्मा है। कुछ लोग आर्टिकल 25-30 में प्रदत्त अधिकार की दुहाई देकर समाज को गुमराह कर रहे हैं जबकि आर्टिकल 25 की शुरुआत ही होती है- 'सब्जेक्ट टू पब्लिक ऑर्डर, हेल्थ एंड मोरैलिटी' अर्थात अच्छी रीति-प्रथा-परंपरा को पालन करने का अधिकार है लेकिन कुप्रथा, कुरीति, कालाजादू, अंधविश्वास, पाखंड और भेदभाव को आर्टिकल 25 का संरक्षण प्राप्त नहीं है।

बिजनौर की घटना यूपी का माहौल खराब करने की साजिशों का ही एक हिस्सा है!

नीरज कुमार दुबे

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद के शेरकोट थाना क्षेत्र में जलाल शाह और भूरे शाह की मजार पर तोड़फोड़ की गयी। सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के प्रयास के तहत दो भाइयों मोहम्मद कमाल और मोहम्मद आदिल ने इस घटना को अंजाम दिया।

उत्तर प्रदेश में जबसे दोबारा योगी सरकार बनी है तबसे प्रयास चल रहे हैं कि कैसे प्रदेश का सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ा जाये, साजिशें हो रही हैं कि कैसे यूपी की कानून व्यवस्था को पटरी से उतारा जाये, प्रयास हो रहे हैं कि कैसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि को आघात पहुँचाया जाये...लेकिन यह सब प्रयास और साजिशें जो लोग कर रहे हैं वह नहीं जानते कि यूपी पुलिस ऐसे तत्वों से निबटना भी जानती है और किसी भी साजिश का समय रहते भंडाफोड़ करने में भी सक्षम है। अब बिजनौर का ही मामला लीजिये। सावन के महीने में जब कांवड़ यात्रा शांतिपूर्वक चल रही है, ऐसे में उत्तर प्रदेश का सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश के तहत दो मुस्लिम युवकों ने भगवा कपड़े महने और दो मजारों में तोड़फोड़ की ताकि दूसरे पक्ष पर आरोप मढ़ा जा सके। लेकिन यूपी पुलिस ने दो सगे भाइयों की इस करतूत का खुलासा करते हुए उन्हें धर दबोचा।

उल्लेखनीय है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद के शेरकोट थाना क्षेत्र में जलाल शाह और भूरे शाह की मजार पर तोड़फोड़ की गयी। सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के प्रयास के तहत दो भाइयों मोहम्मद कमाल और मोहम्मद आदिल ने इस घटना को अंजाम दिया। यूपी पुलिस के एडीजी लॉ एंड आर्डर प्रशांत कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए दो सगे भाइयों की गिरफ्तारी की पुष्टि भी की है। देखा जाये तो बिजनौर की घटना एक बड़ी साजिश की ओर इशारा करती है। यह घटना उन प्रयासों की ही एक कड़ी है जिसके तहत कुछ लोग लगातार प्रयास कर रहे हैं कि धार्मिक कटुता बढ़ाई जाये और नफरत का माहौल पैदा किया जाये।

हालिया कुछ घटनाओं पर गौर कीजिये। अभी कुछ दिनों पहले ही लखनऊ के लुलु मॉल परिसर में अनधिकृत रूप से नमाज पढ़ी गयी जिसको लेकर बवाल हुआ और अशांति फैलाने की कोशिश की गयी। कुछ लोगों ने नमाज पढ़ी तो दूसरे पक्ष ने हनुमान चालीसा पढ़ने की इजाजत मांगी। इस मामले में दूसरा एंगल तब सामने आया जब मुस्लिम धर्मगुरुओं ने कहा कि जिस तरह नमाज पढ़ी गयी वह एकदम गलत था। मुस्लिम धर्मगुरुओं ने कहा कि जिस दिशा में बैठ कर नमाज अदा की गयी वह गलत थी और लगता है कि युवकों का उद्देश्य सिर्फ नमाज पढ़ने का वीडियो बनाना और बखेड़ा खड़ा करने का था। जब पुलिस ने इस मामले में इरफान अहमद, सऊद, मोहम्मद आदिल आदि को गिरफ्तार किया गया तो सारी साजिश सामने आ गयी।

यही नहीं, इससे पहले अग्निपथ योजना के विरोध में हिंसा के माध्यम से और उससे पहले नुपूर शर्मा के बयान के विरोध में जिस तरह का दंगा-फसाद किया गया उसकी प्रारम्भिक जांचों से यही सामने आया कि प्रदेश का माहौल बिगाड़ने और सरकार की छवि खराब करने की साजिशों के तहत यह सब हुआ। इसलिए योगी सरकार और यूपी पुलिस को बेहद सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि हालिया सभी घटनाक्रम दर्शा रहे हैं कि साजिशकर्ताओं की योजना बेहद वृहद है।

देश राष्ट्रीय चिह्न के रूप में प्रतिष्ठित सम्राट अशोक का चतुर्मुख-सिंह-शीर्ष

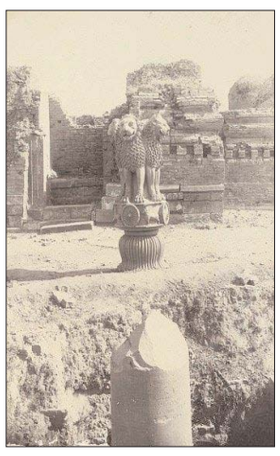

पुरातत्त्व संग्रहालय, सारनाथ, वाराणसी की मुख्य वीथिका में प्रदर्शित चुनार के बलुए पत्थर से निर्मित मौर्यकालीन 6'8'' ऊँचा चतुर्मुख सिंह-शीर्ष (पंजीयन संख्या-355) अपने शिल्प सौन्दर्य व भाव सम्प्रेषण की दृष्टि से विशिष्ट यह कलाकृति सन् 1904-05 के पुरातात्विक उत्खनन में एफओ. ऑर्टल को प्राप्त हुई थी। यह सिंह शीर्ष किसी समय 50 फीट ऊँचे स्तम्भ के सिरे पर स्थित था पर संभवत: किसी प्राकृतिक दुर्घटना में यह गिरकर क्षतिग्रस्त हो गया। हल्का सा आघात सहकर स्तम्भ का शीर्षक सुरक्षित है। इस शीर्षक में पीठ से पीठ सटाये उकड़ूँ बैठे चार सिंहों की मूर्ति है जो बाहर की ओर नीचेघूमती हुई पङ्खुडियों वाले कमल के केसर वाले भाग पद्मबन्ध पर बने गोलाकार पीठिका पर रचे गये हैं। पीठिका भाग पर प्रत्येक सिंह के नीचे चक्र है और एक-एक चक्र के बाद क्रमश: गज, वृषभ, अश्व तथा सिंह की मूर्तियाँ उत्कीर्ण हैं। प्रत्येक चक्र में चौबीस आरे बने हैं।

ध्यातव्य है कि उस समय भी अंग्रेज विद्वानों ने इस सुन्दर रचना का चार मुख वाला शेर कहकर उपहास किया था लेकिन इस कलाकृति की शिल्प सौन्दर्य व ओप के प्रभाव ने विद्वानों को अपनी तरफ आकर्षित किया तथा विस्तृत विवेचन का अवसर भी प्रदान किया। तदुपरान्त इस सिंह शीर्षक के प्रतीकात्मकता के अर्थ साथ-साथ शिल्प सौन्दर्य की व्याख्या करने का प्रयास विभिन्न विद्वानों ने किया है। अपनी व्याख्या हेतु कुछ विद्वानों ने मात्र कल्पना एवं अनुमान का सहारा लिया है और कुछ ने साहित्य का आधार ग्रहण करते हुए अपनी विवेचना प्रस्तुत की है। टी. ब्लाख ने पीठिका पर उत्कीर्ण चारों पशुओं - गज, वृषभ, अश्व एवं सिंह की क्रमश: चार देवताओं इन्द्र, शिव, सूर्य व शक्ति के प्रतीक के रूप में बुद्ध के वशवर्ती होने का प्रतीकात्मक अङ्कन बताया है। ब्लाख की यह व्याख्या मात्र एक कल्पना प्रतीत होती है। जिसका कोई उचित आधार नहीं है। ए. फूशे ने इन पशुओं की व्याख्या बुद्ध के जीवन से सम्बन्धित चार घटनाओं के प्रतीकात्मक अङ्कन के रूप में किया है। उन्होंने हाथी अवक्रान्ति या माया देवी के गर्भाधान के लिए, वृषभ जन्म के लिए, अश्व महाभिनिष्क्रमण के लिए और सिंह के रूप में शाक्य सिंह स्वयं बुद्ध के लिए अङ्कित माना गया है। एक अध्येता के अनुसार बुद्ध के निर्वाण का प्रचलित और सर्वारम्भिक प्रतीक स्तूप के अङ्कन की उपेक्षा किया जाना फूशे की व्याख्या को स्वीकार करने में बाधक हैं किन्तु यह बाधा कोई मायने नहीं रखती जब इन प्रतीकात्मक अङ्कनों को मृगदाव के धर्मचक्रप्रवर्तन की घटना से जोड़कर देखा जाय, यहाँ निर्वाण की स्थिति का तो सन्दर्भ ही नहीं आता। बुद्ध के प्रथम धर्मोपदेश तक की जीवन घटनाओं तक का ही सन्दर्भ बनता है। दयाराम साहनी के अनुसार ये बौद्ध अनोतत्त सरोवर के चार द्वारों से सम्बन्धित चार पशु थे।

बेंजामिन रोलैण्ड ने स्तम्भ की कल्पना ब्रह्माण्ड के प्रतीक के रूप में किया है। सिंह शीर्ष के सहपृष्ठ-युक्त चारों दिशाओं में मुख किये हुए सिंहों को चार दिशाओं के प्रतिनिधि, फ्लक पर उत्कीर्ण चक्र ग्रहों के रूप में और शीर्ष पर स्थित चक्र को सूर्य के प्रतीक के रूप में माना है। वासुदेवशरण अग्रवाल ने इस सिंह-शीर्षक पर विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत किया है जिसमें चार सिंह सम्राट् अशोक की दुर्धर्ष शक्ति के प्रतीक थे और अण्ड के चार छोटे चक्र, चार पशु, विविध समाज और उसकी एकता के द्योतक थे। अण्ड भाग के ये रूप धम्म-विजय के विचार के साथ सङ्गत थे। चार पशु मानों एक ही सामाजिक देवता के चार रूप थे जो चार वर्णों में और उनके विविध आचारों में व्याप्त है; यही अनोतत्त सरोवर का लोक प्रत्यक्ष रूप था। चार धर्मचक्र समाज के चतुष्टय विधान में पिरोई हुई एकता के सूचक हैं। सम्राट् और प्रजा के जीवन की पारस्परिक एकता चार सिंहों, चार चक्रों और चार पशुओं से सूचित होती है। सम्राट् का प्रभविष्णु रूप और प्रजा का मृदुल रूप एक-दूसरे के पूरक है। अशोक ने सिंहों के समान महाबलशाली होकर भी अपने आप को प्रजा के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया था। उसके दोनों स्वरूपों का सर्वथा अविरोध था। एस.पी. गुप्त ने इसे सूर्य का प्रतीक मानने का सुझाव दिया था किन्तु इस हेतु कोई प्रमाण नहीं प्रस्तुत किया। ललित कुमार ने इसे कुछ प्रमाणों के साथ सूर्य का प्रतीक माना है। किन्तु इस शीर्षक का सम्बन्ध बुद्ध के प्रथम उपदेश एवं उसके स्थान से जुड़े होने के कारण यह सुझाव मान्य नहीं किया जा सकता। दीनबन्धु पाण्डेय ने इस सिंह शीर्षक को बुद्ध के प्रथम उपदेश धर्मचक्रप्रवर्तन के प्रतीक के रूप में माना है।इस प्रकार उपरोक्त विद्वानों के विवेचनाओं तथा बौद्ध साहित्य में वर्णित बुद्ध की प्रथम धर्मोपदेश के आधार पर निष्कर्ष निकलता है कि सबसे ऊपर का शीर्ष चक्र 'धर्मचक्र' है जो बुद्ध के नियमों का चक्र है और गरजते सिंह धर्मोपदेश करते हुए बुद्ध को प्रदर्शित करते हैं। यहाँ उल्लेखनीय है कि बौद्ध साहित्य में बुद्ध को प्रथम धर्मोपदेश करते समय सिंह के समान आसीन कहा गया है और उन्हें शाक्य सिंह भी कहा जाता था। बौद्ध साहित्य में वर्णित है कि बुद्ध ने अपना पहला धर्मोपदेश देवताओं की एक विशाल सभा में किया था। उनकी वाणी विश्व की सभी दिशाओं में पहुँची। इस प्रकार सारनाथ सिंह शीर्षक में कलाकार ने बुद्ध को सभी दिशाओं की ओर अभिमुख प्रदर्शित किया है। जैन धर्म में किसी भी तीर्थंकर के प्रथम उपदेश को अङ्कित करते समय यह परम्परा रही है कि उन्हें चारों दिशाओं की ओर अभिमुख दिखाया जाता है। मौर्यकालीन यह उदाहरण इस प्रकार की प्रथम और विशिष्ट प्रस्तुति है। बौद्ध साहित्य में हमें पृथ्वीवासित उन देवताओं का उल्लेख मिलता है जो बुद्ध के प्रथम धर्मोपदेश को सुन रहे थे और उन्होंने धर्मोपदेश के अन्त में हर्षनाद किया जो भूमण्डल की चारों दिशाओं के रक्षकों के पास पहुँचा। पीठिका के चार ओजस्वी पशु चार दिशाओं के प्रतीक हैं और प्रत्येक के साथ एक चक्र गतिमानता का द्योतक होकर बुद्ध के उस धर्मचक्र के प्रवर्तन को प्रस्तुत करता है जिसके लिए पृथ्वीवासित देवताओं ने हर्षनाद किया था। यह नाद दिशाओं के प्रतिनिधियों के पास पहुँचा और उन दिशाओं के संरक्षक उस पवित्र घटना से अवगत हुये। उस हर्षनाद को सुनने के बाद दिशाओं के प्रतिनिधि इस घटना से भिज्ञ हुए और संभवत: इसीलिये स्फूर्तिवान सजीव पशु के रूप में अङ्कित किये गये हैं। सिंह शीर्षक पर मौर्यकालीन शिल्पी की दक्षता के परिणाम स्वरूप प्रकाश के समान चमकता दिखाई देने वाला भव्य ओप भी इस उदाहरण में सन्निहित प्रतीकत्व में सहायक हुआ है-

भगवान् के धर्म के चक्के के घुमाने (=धर्म-चक्र के प्रवर्त्तन करने) पर भूमि के देवताओं ने शब्द किया- 'भगवान् ने यह वाराणसी के ऋषिपतन मृगदाव में उस अनुपम धर्म के चक्के को घुमाया जो कि किसी भी साधु, ब्राह्मण, देवता, मार, ब्रह्मा या संसार के किसी व्यक्ति से रोका नहीं जा सकता।' भूमि (पृथ्वी) के देवताओं के शब्द को सुनकर चतुर्महाराजिक देवताओं ने शब्द सुनाया-0। चतुर्महाराजिक देवताओं के शब्द को सुनकर त्रयस्त्रिंश देवताओं ने 0।0 याम देवताओं ने 0।0 तुषित देवताओं ने 0।0 निर्माणरत देवताओं ने 0।0 वशवर्त्ती देवताओं ने 0।0 ब्रह्मकायिक देवताओं ने 0। इस प्रकार उसी क्षण में, उसी मुहूर्त्त में यह शब्द ब्रह्मलोक तक पहुँच गया और यह दस हजारों वाला ब्रह्माण्ड कम्पित, संप्रकम्पित=संवेपित हुआ। देवताओं के तेज से भी बढ़कर बहुत भारी, विशाल प्रकाश लोक में उत्पन्न हुआ।

मूर्तिशिल्प की दृष्टि से भी सारनाथ का यह सिंह-शीर्ष तृतीय शती ई.पू. की एक विकसित प्रौढ़ कला का सुन्दरतम नमूना है। सिंहों के अङ्ग-प्रत्यङ्ग की संरचना में शिल्पी की हस्तलाघवता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। सिंहों के अयाल (बाल) स्वाभाविक रूप से तरङ्गवत रेखाओं से उभरे हुए हैं। सिंहों का खुला मुख तथा स्वप्निल आँखें और मूछों का प्रदर्शन अपने स्वाभाविक रूप से न होते हुए भी भाव संवेदन की दृष्टि से प्रभावशाली है। साथ ही सिंहों की आकृति में समविभक्तता दृष्टिगत होती है फिर भी पशुमूर्ति को पारम्परिक शैली से पृथक रूप से निर्मित नहीं किया गया है। सिंह के मुँह फाडने और मूँछों के मरोड़ के साथ पूरा सिर ही परम्पराश्रित है। सारनाथ सिंहशीर्ष के चारों सिंह अपने पूरे फैलाव के साथ आसन पर खड़े हैं। संयुक्त रूप में होने पर भी उनमें सङ्कुचन के लक्षण दृष्टिगत नहीं होते।

आसन के कोर पर चतुर्दिक उत्कीर्ण पशु आकृतियों में भाव सम्बोधन की अद्भुत क्षमता है। इनमें सजीवता और पूर्ण स्वाभाविकता है। पशुओं की स्वाभाविक चेष्टाओं की अभिव्यक्ति में शिल्पी की हस्तलाघवता पूर्णता को प्राप्त करती हुई प्रतीत होती है। सिंह का स्वाभाविक दर्प, वृषभ का पौरुष, अश्व की स्फूर्ति और गज का गौरव-गाम्भीर्य का अङ्कन बड़ा ही मार्मिक है। रचना शैली में संवेदनशीलता और स्फूर्ति की अद्भुत सर्जना है। अनुपात, सौन्दर्य और नैसर्गिक भाव की सफल व्याख्या में शिल्पी के हस्तकौशल तथा सूक्ष्म निरीक्षण की दृष्टि स्पष्ट होती है।

इस मूर्ति के उत्कृष्ट शिल्प व ओप के सन्दर्भ में मतैक्य का अभाव है- वी.ए. स्मिथ, पर्सीब्राउन, डी.बी. स्पूनर, बेजांमिन रोलैण्ड प्रभृत विद्वान् इस पर विदेशी प्रभाव की बात करते हैं लेकिन वासुदेव शरण अग्रवाल, एस.के. सरस्वती जैसे विद्वान् इसे पूर्णतया स्वदेशी मानते हैं जो अधिक समीचीन जान पड़ता है। इस सिंह-शीर्ष के मूर्तिशिल्प की प्रशंसा कला विचारकों ने विभिन्न दृष्टिकोणों से किया है। जॉन मार्शल के अनुसार सारनाथ की सिंह-शीर्ष मूर्ति यद्यपि अद्वितीय तो नहीं तथापि तीसरी सदी ई.पू. में विश्व की समस्त विकसित कलाओं में यह सर्वाधिक विकसित कलाकृति है। राय कृष्णदास ने कहा है कि इसमें कहीं से लबरपन, बोदापन और भद्दापन नहीं है। न एक छेनी कम लगी है न एक छेनी अधिक। वासुदेव शरण अग्रवाल ने इस शिल्प में दर्शित कौशल और निपुणता की मुक्त कण्ठ से प्रशंसा की है यह महाकाय शिल्पकृति रूपसम्पुञ्जन की दृष्टि से भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। ब्रह्मसूत्र या भूलम्बरेखा और पार्श्वगत भागों के सन्तुलित विन्यास में इसके तक्षा ने अद्भुत निपुणता दिखाई है। इसके विविध अङ्गों में विकास की कल्पना चार दिशाओं के आधार पर की गई है और उन चारों को एक में गूथकर शिल्पी ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। इसके सम्पुञ्जन की दिक्रेखाएँ, कर्णरेखाएँ और उर्ध्वछन्द का पारस्परिक सन्तुलित विन्यास किसी महान् प्रतिभाशाली शिल्पी के कौशल का परिचय देता है जिसमें आत्मविश्वास के साथ स्पष्ट लक्षण और प्रभाव प्रदर्शन की क्षमता थी। ए.के. कुमारस्वामी ने इसमें वास्तविक रूपाङ्कन और उत्तम तकनीक की सराहना की है। निहार रंजन राय ने भी शैली एवं तकनीक की दृष्टि से इसे सर्वोत्तम कृति कहा है।

सम्राट् अशोक के सिंह-शीर्ष स्तम्भ की कांस्य निर्मित प्रतिमा का भारत की नवसंसद भवन के छत पर जब देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र दामोदर दास मोदी जी के द्वारा विधिवत पूजन करके अनावरण किया गया तो हमारे तथाकथित विद्वान् व विपक्ष में बैठे राजनेता बिफर पड़े और सिंह शीर्ष की प्रतिकात्मकता और मूर्ति-शिल्प को लेकर हाय तौबा मचाने लगे। उन्हें यह समझना होगा किभारतीय कला भारत के विचार, धर्म तत्त्वज्ञान और संस्कृति का दर्पण है। भारतीय जन-जीवन की पुष्कल व्याख्या कला के माध्यम से हुई है। यहाँ के लोगों का रहन-सहन कैसा था, उनके भाव क्या थें, देवतत्त्व के विषय में उन्होंने क्या सोचा था, उनकी पूजा विधि कैसी थी और पंचभूतों के धरातल पर उन्होंने कितना निर्माण किया था, इसका अच्छा लेखा-जोखा भारतीय कला में सुरक्षित है।भारतीय कला को वासुदेवशरण अग्रवाल ने दीर्घकालीन 'रूपसत्र' कहा है, जिसने देश के प्रत्येक भूभाग में अपना अर्ध्य अर्पित किया। इस रूप समृद्धि में अनेक जाति धर्म के लोगों ने भाग लिया किन्तु उनकी मूल प्रेरणा और अर्थ व्यंजना मुख्यत: भारतीय ही है। भारतीय कला किसी वस्तु का अनुकरण या प्रतिकृति मात्र नही है, यह भावानुकिर्तन है इसमें शिल्पी अभिष्ट वस्तु के स्वरूप को अपने चित्त में स्थापित करता है तदुपरान्त उस शिल्पी की चेतना में जो भाव उत्पन्न होता है उसी भाव को अपनी तूलिका/छेनी-हथौड़ी या लेखनी के माध्यम से व्यक्त कर देता है। जिसकी पश्चिमी विद्वानों द्वारा भौंडा, आदिम कह कर उपहास भी उड़या गया है। इसके विपरीत यूरोपीय या पाश्चात्य कला में शिल्पी वस्तु की हूबहू प्रतिकृति तैयार करता है। इसलिए विद्वानों से निवेदन है कि अपने दृष्टिकोण को ठीककर भारतीय संदर्भ में देखने का प्रयास करें। जहाँ तक सिंहों के खुले मुख की बात है तो इस संदर्भ में बौद्ध साहित्य में वर्णित 'गरजते शाक्य सिंह के रूप में बुद्ध' का वर्णन हमें प्राप्त है।

डॉ. ज्ञानेन्द्र नारायण राय
सेण्टेनरी फेलो
भारत अध्ययन केन्द्र
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
मो.- 9415452261

आओ निंदा त्यागने का संकल्प लें

हम एक उंगली दूसरे पर उठाते हैं तो तीन उंगलियां हमारे ऊपर उठती है, इसको रेखांकित करना ज़रूरी

हम खुद का आंकलन दूसरे से श्रेष्ठ करने की चूक से बचें - स्वयं को छोटा कहलाने वाला व्यक्ति सर्वश्रेष्ठ गुणवान होता है - एड किशन भावनानी

गोंदिया - सृष्टि में खूबसूरत मानवीय जीव की रचना कर रचनाकर्ता नें उसमें गुण और अवगुण रूपी दो गुलदस्ते भी जोड़े हैं और उनका चयन करने के लिए 84 लाख़ योनियों में सर्वश्रेष्ठ बुद्धि का सृजन मानवीय योनि में कर अपने भले बुरे सोचनें का हक उसी को दिया है परंतु हम अपनीं जीवन यात्रा में हम देखते हैं कि मानवीय जीव अवगुण रूपी गुलदस्ते का चुनाव खुद कर उसमें ढल जाता है और अंत में दोष सृष्टि रचनाकर्ता को ही देता है कि मेरे जीवन को नरक बना दिया जबकि गलती मानवीय जीव की ही है कि उसने ही अपनी बुद्धि से उस अवगुण रूपी गुलदस्ते को चुना!! यूं तो अवगुणों को सैकड़ों शब्दों, बुराइयों से पुकारा जाता है जिसमें आज हम निंदा बुराई, दूसरों पर उंगली उठाना इस अवगुण की चर्चा कर करेंगे आओ निंदा रूपी अवगुण त्यागने का संकल्प लें।

साथियों बात अगर हम निंदा की करें तो किसी ने खूब ही कहा है कि, संसार में प्रत्येक जीव की रचना ईश्वर अल्लाह ने किसी उद्देश्य से की है। हमें ईश्वर अल्लाह की किसी भी रचना का मखौल उड़ाने का अधिकार नहीं है। इसलिए किसी की निंदा करना साक्षात परमात्मा की निंदा करने के समान है। किसी की आलोचना से आप खुद के अहंकार को कुछ समय के लिए तो संतुष्ट कर सकते हैं किन्तु किसी की काबिलियत, नेकी, अच्छाई और सच्चाई की संपदा को नष्ट नहीं कर सकते। जो सूर्य की तरह प्रखर है, उस पर निंदा के कितने ही काले बादल छा जाएं किन्तु उसकी प्रखरता, तेजस्विता और ऊष्णता में कमी नहीं आ सकती।

साथियों बात अगर हम खुद का आंकलन दूसरों से सर्वश्रेष्ठ करने की करें तो, अपनी प्रशंसा तथा दूसरों की निंदा असत्य के समान है। जैसे हमारी आंखें चंद्रमा के कलंक तो देख लेती हैं , किंतु अपने काजल को नहीं देख पातीं। उसी प्रकार हम दूसरों के दोषों को देखते हैं , हालांकि खुद अनेक दोषों से भरे हैं। दूसरों में जो दोष दिखाई देते हैं , सचमुच उनका कारण हमारे अपने चित्त की दूषित वृत्तियां ही है। दूसरों की निंदा किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं होती। इस संबंध में एक कवि ने लिखा भी है कि हमें परखने का तरीका नहीं है। कोई वरना दुश्मन किसी का नहीं है। निंदक को यह याद रखना चाहिए कि दुनिया तुझे हजारों आंखों से देखेगी , जबकि तू दुनिया को दो ही आंखों से देख सकेगा।

साथियों बात अगर हम दूसरों पर एक उंगली उठाने की करें तो, जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे के दोषों पर उंगली उठाता है , तो उसे याद रखना चाहिए कि पीछे की और मुड़ी उसकी तीन उंगलियां पहले उसी की ओर संकेत कर रही होती हैं। निंदा- चुगली व्यर्थ ही है। इससे परस्पर वैमनस्य , कटुता और संघर्ष बढ़ते हैं। इसीलिए कहा है कि दूसरों के कृत्याकृत्यों को न देखो , केवल अपने ही कृत्यों का अवलोकन करो। यूं तो लोग चुप रहने वाले की निंदा करते हैं। बहुत बोलने वाले की निंदा करते हैं , मितभाषी की निंदा करते हैं , संसार में ऐसा कोई नहीं है , जिसकी निंदा न होती हो, इसीलिए कहा है- जैसी जाकी बुद्धि है , तैसी कहै बनाय। ताको बुरा न मानिए , लेन कहां यूं जाए। % केवल दूसरों द्वारा अपनी निंदा सुनकर मनुष्य अपने को निंदित न समझें , वह अपने आप को स्वयं ही जाने , क्योंकि लोक तो निरंकुश है , जो चाहता है सो कह देता है। द्वेषी गुणं न पश्यति , दोषी गुणों को नहीं देखता।

साथियों बात अगर हम परनिंदा में आनंद की करेंतो परनिंदा में प्रारंभ में काफी आनंद मिलता है लेकिन बाद में निंदा करने से मन में अशांति व्याप्त होती है और हम हमारा जीवन दु:खों से भर लेते हैं। प्रत्येक मनुष्य का अपना अलग दृष्टिकोण एवं स्वभाव होता है। दूसरों के विषय में कोई अपनी कुछ भी धारणा बना सकता है। हर मनुष्य का अपनी जीभ पर अधिकार है और निंदा करने से किसी को रोकना संभव नहीं है। न विना परवादेन रमते दुर्जनोजन- काक-सर्वरसान भुक्ते विनामध्यम न तृप्यति।। अर्थ - लोगों की निंदा (बुराई) किये बिना दुष्ट (बुरे) व्यक्तियों को आनंद नहीं आता। जैसे कौवा सब रसों का भोग करता है परंतु गंदगी के बिना उसकी संतुष्टि नहीं होती, लोग अलग-अलग कारणों से निंदा रस का पान करते हैं। कुछ सिर्फ अपना समय काटने के लिए किसी की निंदा में लगे रहते हैं तो कुछ खुद को किसी से बेहतर साबित करने के लिए निंदा को अपना नित्य का नियम बना लेते हैं। निंदकों को संतुष्ट करना संभव नहीं है।

साथियों बात अगर हम निंदा पर वैश्विक विचारों की करें तो, महात्मा गांधी ने भी कहा है कि दूसरों के दोष देखने की बजाय हम उनके गुणों को ग्रहण करें। दूसरों की निंदा अश्रेयस्कारी है। निंदा करने व सुनने में व्यक्ति प्राय- आनंद लेता है। जबकि निंदा सुनना व निंदा करना, दोनों ही विषय है। इसीलिए हमारे महापुरुषों ने तो कहा है सपनेहां नहिं देखा परदोषा! अर्थात् स्वप्न में भी पराये दोषों को न देखना। भगवान बुद्ध ने कहा है, जो दूसरों के अवगुणों की चर्चा करता है, वह अपने अवगुण प्रकट करता है। भगवान महावीर ने भी कहा है कि किसी की निंदा करना पीठ का मांस खाने के बराबर है। विधाता प्राय-सभी गुणों को किसी एक व्यक्ति या एक स्थान पर नहीं देता है। ईसा मसीह ने कहा था ,लोग दूसरों की आंखों का तिनका तो देखते हैं, पर अपनी आंख के शहतीर को नहीं देखते। हेनरी फोर्ड ने कहा कि मैं हमेशा दूसरों के दृष्टिकोण को समझने की कोशिश करता हूं। हमारी सद्भावना या दुर्भावना ही किसी को मित्र या शत्रु मानने के लिए बाध्य करती है।सद्भावना अनुकूल स्थिति के कारण होती है और दुर्भावना प्रतिकूल स्थिति के कारण होती है। लोगों के छिपे हुए ऐब जाहिर मत करो। इससे उसकी इज्जत तो जरूर घट जाएगी, मगर तेरा तो ऐतबार ही उठ जाएगा।

सप्ताह में एक दिन!

चलो निकालें सप्ताह में एक दिन,
जिसमें खुद का साथ हो,
बस खुद से बात हो,
चाहे दिन या रात हो,
कैसे भी हालात हो!

चलो निकालें सप्ताह में एक दिन,
लफ्ज़ों पर हो कई सवाल,
यह दुनिया है या माया का जाल ?
क्या पाया क्या खोया इस साल ?
खुद से पूछे खुद का हाल!

चलो निकालें सप्ताह में एक दिन,
पूछें, कितना प्यार खुद से किया ?
कितना दर्द गैरों को दिया ?
कितना खुलकर हे जिया ?
कितनों का है हक लिया ?

चलो निकालें सप्ताह में एक दिन,
आईने के सामने बैठे एक बार,
थोड़ी देर के लिए छोड़े श्रृंगार,
जाने कैसे है हमारे आचार विचार ?
क्या बाकी है हम में शिष्टाचार ?

चलो निकालें सप्ताह में एक दिन,
जाने, खुद को क्या है गम ?
किसे ढ

शार्ट न्यूज

आगरा में पूरे परिवार को नींद की गोलियां खिलाकर बॉयफ्रेंड संग फरार हो गई लड़की, 2 लाख कैश और जेवर भी ले गई

आगरा। पूरे परिवार को नींद की गोलियां खिलाकर लड़की अपने बॉयफ्रेंड के साथ रफू चक्कर हो गई। पिता ने बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। युवती घर में रखे दो लाख रुपये और जेवरात भी ले गई। मामला आगरा के आजमपाड़ा (शाहगंज) इलाके का है। मिली जानकारी के अनुसार 20 वर्षीय लड़की 17 जुलाई से लापता है। शाहगंज थाने में आजमपाड़ा निवासी दानिश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। लड़की के पिता ने पुलिस को बताया कि बेटी ने परिवार के सदस्यों को खाना परोसा था। खाना खाने के बाद कुछ देर बाद सभी गहरी नींद सो गए। सुबह देर से आंख खुली। सिर भारी हो रहा था। बेटी घर में नहीं थी। घर में रखा कैश और जेवरात भी नहीं थे। बेटी को तलाशा मगर कोई सुराग नहीं मिला। बेटी को दानिश ले गया है। सहवान और सोहिल आरोपित दानिश के साथी हैं। उसकी मदद कर रहे हैं। दोनों को पता है कि बेटी कहां है।

उज्जैन की तर्ज पर हुई महाकाल की आरती

लखनऊ। सावन माह के दूसरे सोमवार को लेकर राजधानी के सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतारे रात से ही लगी हुई हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस के साथ सेवादार भी जगह-जगह पर मुस्तैद हैं। राजेन्द्र नगर स्थित महाकाल मंदिर में रात 12 बजे ही कपाट खुल गए। बाबा का भस्म और अश्वगंध से शृंगार हुआ। इसके बाद उज्जैन स्थित महाकाल की तर्ज पर भस्म आरती हुई। चौक स्थित कोतवालेश्वर मंदिर में रोज की तरह जलाभिषेक से पूजन की शुरुआत हुई उधर, सदर स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग के कपाट सुबह पांच बजे ही खुल गए। डालीगंज स्थित मनकामेश्वर मंदिर में देर रात से ही भक्तों की भीड़ जुटने लगी। जहां 51 लीटर दुध से भोलेनाथ का अभिषेक हुआ। सुबह चार बजे भोलेनाथ की आरती के साथ मंदिर के कपाट भी खुल गए।

सैफई मेडिकल यूनीवसिर्टी के बाल शिशु रोग विभाग में लगी आग

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले मे सैफई मेडिकल यूनीवसिर्टी के बाल शिशु रोग विभाग में रविवार और सोमवार की रात शार्ट सर्किट से आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग पर काबू पा लिया गया है और इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। यूनीवसिर्टी के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डा. सुनील कुमार ने सोमवार को बताया कि रविवार आधी रात पुराने ओपीडी भवन के पांचवे मंजिल पर बने शिशु एवं बाल रोग विभाग में बिजली की लाइन में शार्टसर्किट से आग लग गई। आग को देखकर मौजूद तीमारदारों व मरीजों में अफरातफरी मच गई। देखते ही देखते आग का धुआं पूरी बिल्डिंग में भर गया जिसके कारण स्टाफ में आनन-फानन में मरीजों को वहां से हटाकर दूसरे मंजिल पर पहुंचाया। उन्होने बताया कि पुलिस व फायर ब्रिगेड के जवानों ने मुख्य बिजली की लाइन को बंद कराकर आधा घंटे मशक्कत करके आग पर काबू पा लिया।

देवरिया में बेटियों की हत्यारी मां फरार

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के तरकुलहा क्षेत्र में अपने परिजनों को फंसाने के चक्कर में अपनी ही नाबालिग बेटियों की हत्या की आरोपी कलयुगी मां फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। थाना प्रभारी तरकुलवा टीजे सिंह ने सोमवार यहां बताया कि शुक्रवार की रात क्षेत्र के ग्राम बसंत पुर धुसी निवासी बृजवासी की दो नाबालिग बेटियां अनिता(10) और आयुषी(6) अपनी मां संध्या के साथ छत पर सोई थी तथा दो सगी बहने रात में रहस्यमयी ढंग से लापता हो गई थी जिसमें से छोटी बेटी आयुषी का शव क्षेत्र पचरूखी घाट के पास रविवार को बरामद हो गया था जिसका पुलिस ने रविवार को हो पोस्टमार्टम करा लिया था और गायब बड़ी अनिता की तलाश कर रही थी। उन्होंने बताया कि सोमवार को अनिता का शव भी क्षेत्र में रतनपुरा गांव के पास से नदी से बरामद कर लिया गया है। जांच में पता चला कि कलयुगी मां ने परिवार के अन्य सदस्यों को फंसाने की नीयत से अपनी नाबालिग बेटियों की हत्या कर दी थी और फरार हो गयी। पुलिस इस मामले में अपहरण कर हत्या का मुकदमा दर्ज कर मां की तलाश कर रही है।

गोरखपुर .एम्स. के डाक्टर समेत 21 नये कोरोना संक्रमित

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डाक्टर समेत 21 नये कोरोना संक्रमित पाये गये है हालांकि राहत की बात यह है कि 10 लोगों ने कारोना संक्रमण को मात दे दी है और जिले में सक्रिय मामलों की संख्या 129 हो गये है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार एम्स के छाक्टर समेत तीन में संक्रमण की पुष्टि हुयी है। गोरखपुर जिले के विजय चौक निवासी 85 व 68 वर्षीय बुजुर्ग, कौडीराम में एक ही परिवार के तीन लोगों में संक्रमण मिला है। कौडीराम में मिले संक्रमितों में 15 वर्षीय किशोर, 21 वर्षीय युवती और 28 वर्षीय महिला शामिल है। गोरखपुर के मुख्य चिकित्साधिारी आशुतोष दूबे ने बताया कि जिले में अब तक 67 हजार 611 संक्रमित मिल चुके हैं जिसमें 66 हजार 608 ने कोरोना को मात दे दी है और 886 की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हर हाल में सभी को कोविड प्रेटोकाल का पालन करना चाहिए।

संभल में रंजिश के चलते की ग्रामीण की हत्या

संभल। उत्तर प्रदेश में संभल जिले के रजपुरा क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते ग्रामीण की धारदार हथियार से गोदकर हत्या कर दी गई। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि थाना रजपुरा के अंतर्गत के ग्राम भगता नगला निवासी ज्ञान सिंह के पुत्र साहिब सिंह (55) का शव रविवार देर रात गांव के बाहर पड़ा मिला। शव को देखने से लग रहा था कि साहिब सिंह की हत्या किसी धारदार हथियार से गोदकर की गई है। मृतक के परिजनों ने बताया कि गांव के ही निवासी एक परिवार से कृषि भूमि को लेकर विवाद चल रहा है, इसी विवाद के चलते कुछ लोग साहिब सिंह को उठाकर ले गए, जिसके बाद परिजनों ने साहिब सिंह को काफी तलाश किया, मगर उसका रक्तरंजित शव गांव के बाहर मिला है।

सड़क हादसे में कांवड़ वाहन दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत, सात परिजन घायल

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में डाक कांवड़ लेकर हरिद्वार से लौट रहे परिवार की कार दिल्ली राजमार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में बरेली निवासी एक व्यक्ति की मौत हो गई और 7 लोग घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को बताया कि घायलों में कार चालक की हालत गंभीर है। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और सभी घायलों को बरेली के अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस के मुताबिक, बरेली के थाना फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र के गांव धनैटा निवासी गिरीश गुप्ता अपने परिवार के साथ कार से हरिद्वार गए थे। सोमवार को सुबह 05 बजे डाक कांवड़ लेकर परिवार लौट रहा था। तभी दिल्ली-बरेली हाइवे पर मीरगंज में सिंधौली चौराहे के पास कार एक अन्य वाहन से टकरा गई। गाड़ी को जयपाल कश्यप चला रहा था।

मिर्जापुर में ट्रेन से कट कर सास बहू की मौत

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश में मिर्जापुर जिले के कटरा क्षेत्र में रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से सास बहू की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि संतरविदास नगर (भदोही) जिले के औराई थाना क्षेत्र के हृदयपुर गांव निवासी गुलाब सोनकर के पुत्री की शादी नगर क्षेत्र के मुहकुचवा मोहल्ले में हुई है। रविवार को गुलाब अपनी पत्नी भगवानी देवी (60), बहू रानी (36) और पुत्र मनोज (40) के साथ बेटी के यहां आये थे। रविवार रात शास्त्री पुल जाने के लिए नटवा पहुंचे तो अंडर ब्रिज में पानी भरा खराब होने के कारण होने के कारण कोई वाहन शास्त्री पुल नहीं जा रहा था।

कांवड़ यात्रा के बीच यूपी को अशांत करने की साजिश, भगवा साफा पहन मजारों में की तोड़फोड़

बिजनौर। कांवड़ यात्रा के दौरान यूपी के बिजनौर में गड़बड़ी फैलाने की साजिश सामने आई है। पुलिस ने दो मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया है जिन पर भगवा साफा पहन मजार में तोड़फोड़ करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार दोनों युवक आपस में भाई हैं।

इनके नाम मोहम्मद कामिल और मोहम्मद आदिल बताए जा रहे हैं। यूपी के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने दो युवकों के पकड़े जाने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि दोनों से पूछताछ की जा रही है। यूपी एटीएस भी मामले की छानबीन कर रही है।

गौरतलब है कि इन दिनों कांवड़ यात्रा चल रही है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलावा प्रदेश अन्य जिलों में बड़े पैमाने पर कांवड़िए आ जा रहे हैं। इस बीच बिजनौर में इन दोनों युवकों ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। बताया जा रहा है मजार में तोड़फोड़ के दौरान कुछ ग्रामीणों ने युवकों को पकड़कर ऐसा करने की वजह पूछी तो दोनों ने कहा कि वे अभी और मजारों में ऐसा ही करेंगे।

दोनों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस कांवड़ यात्रा को लेकर और सतर्क हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार मामले की जांच के लिए पुलिस के

आला अफसर बिजनौर के शेरकोट पहुंच रहे हैं। जल्द ही लखनऊ से एटीएस की टीम भी बिजनौर पहुंच सकती है।

बिजनौर के शेरकोट थाना क्षेत्र में तीन अलग-अलग स्थानों पर मजारों में लगभग थोड़े थोड़े समय अंतराल में तोड़फोड़ हुई। बताया जा रहा है कि जो युवक घटना को अंजाम दे रहे थे उनमें से एक को ग्रामीणों ने रंगे हाथों पकड़ लिया और बाद में मौके पर पहुंची पुलिस उसे पकड़ कर थाने ले गई। एएसपी पूर्वी के अनुसार दोनों युवक आपस में भाई हैं। आरोपी शेरकोट के मोहल्ला कायस्थान के रहने वाले हैं।

दरअसल ये मामला शेरकोट में रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव घोसियावाला स्थित एक धार्मिक आस्था केंद्र में कुछ ग्रामीणों ने दो युवकों को तोड़-फोड़ करते देखा। मौके पर जब ग्रामीण पहुंचे तो एक युवक बाइक पर बैठकर फरार हो गया, जबकि ग्रामीणों ने एक को रंगे हाथों पकड़ लिया।

जिन आस्था केंद्रों पर यह तोड़फोड़ की गई है उनमें कुछ आस्था केंद्रों पर बाकायदा उर्स और कव्वालियों आदि का कार्यक्रम भी पूर्व में किया जाता रहा है। हालांकि, समय के साथ ऐसे आयोजनों में कमी आती गई।

हिन्दू-मुस्लिम मिलकर करते हैं देखभाल

गांव घोसियावाला में जो आस्था केंद्र है, उसको लेकर हिंदू और मुस्लिम दोनों ही काफी श्रद्धा भाव रखते हैं। घोसियावाला स्थित आस्था केंद्र की सुरक्षा और देखभाल हिंदू और मुस्लिम मिलकर करते हैं।

नमाज के बाद मेरठ के शॉपिंग कांप्लेक्स में हनुमान चालीसा का पाठ, सभी गिरफ्तार

मेरठ। लखनऊ के लुलु मॉल की तरह मेरठ का एक शॉपिंग कांप्लेक्स भी विवादों में घिर गया है। यहां पहले नमाज पढ़ते हुए वीडियो वायरल हुआ। इसके बाद कुछ लोग हनुमान चालिसा का पाठ करने पहुंच गए। पुलिस भी भनक लगते ही पहुंच गई और हनुमान चालिसा का पाठ करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

सोमवार की सुबह सबसे पहले भाजपा आईटी सेल के जिला संयोजक दिग्विजय सिंह ने नमाज पढ़ते हुए यहां का वीडियो और फोटो मेरठ पुलिस और डीएम को ट्वीट किया। डीजीपी ने पूरे मामले पर मेरठ पुलिस से जवाब तलब किया। वीडियो मेरठ के एसटूएस शॉपिंग कांप्लेक्स का बताया गया है। इसमें एक युवक नमाज पढ़ते हुए नज़र आ रहा था। भाजपा आईटी सेल के जिला संयोजक दिग्विजय सिंह ने इसका वीडियो और फोटो ट्वीट मेरठ पुलिस और डीएम सहित कुछ अन्य लोगों को टैग कर ट्वीट किया।

इसी के बाद वीडियो तेजी से वायरल हुआ। नमाज के विरोध में हिंदू जागरण मंच के सचिन सिरोही समेत तीन लोग शापिंग कांप्लेक्स में हनुमान चालीसा का पाठ करने पहुंच गए। पुलिस को इसकी भनक लगी तो हड़कंप मच गया। तत्काल पुलिस पहुंच गई। वहां मौजूद सचिन सिरोही समेत तीनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, नमाज के मामले में गिरफ्तारी पर नौचंदी थाने के इंस्पेक्टर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मॉल में नमाज पढ़ने वाले की तलाश की जा रही है। लुलू मॉल के बाद लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेडियम, प्रयागराज के रेलवे स्टेशन और गोरखपुर में आईएएस के सरकारी आवास के सामने नमाज पढ़े जाने को लेकर विवाद की स्थिति पैदा हो चुकी है।

यूपी सरकार के वरिष्ठ मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह प्रयागराज स्टेशन पर नमाज पढ़े जाने के संदर्भ में कहा था कि सार्वजनिक स्थानों पर इसकी इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा था कि ऐसा करने वालों के खिलाफ पुलिस को ऐक्शन लेना चाहिए।

योगी,आनंदीबेन ने मुर्मू को दी बधाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने द्रौपदी मुर्मू के देश के 15वें राष्ट्रपति के रूप मे शपथ लेने पर बधाई दी है। इसके अलावा योगी ने पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल ने कहा मुर्मू देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद को संभालने वाली पहली आदिवासी महिला तथा दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। उन्होंने कहा कि वे देश का गौरव, संस्कारी, जुझारू, स्त्री-शक्ति की प्रतीक और हम सब के लिए प्रेरणास्रोत हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने दिल्ली गये श्री योगी ने ट्वीट किया नारी सशक्तिकरण की अप्रतिम प्रतीक, द्रौपदी मुर्मू जी को भारत के 15वें मा. राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। नि:संदेह, आपके मार्गदर्शन व अनुभवों से भारत का लोक और अधिक समृद्ध होगा। भारत माता की जय। इस मौके पर श्री योगी ने नई दिल्ली स्थित ओल्ड महाराष्ट्र सदन मे में पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल से शिष्टाचार भेंट की।

गोरखपुर नगर निगम ने 50 गुना महंगा किया पालतू कुत्तों का रजिस्ट्रेशन

गोरखपुर। हाल में लखनऊ में पिटबुल डॉग ने अपनी मालकिन को नोचकर मार डाला तो अचानक से हर शहर में पालतू कुत्तों को लेकर नियम कानून खंगाले जाने लगे। इस बीच गोरखपुर में नगर निगम ने पालतू कुत्तों की रजिस्ट्रेशन फीस 50 गुना बढ़ा दी है। अभी तक सिर्फ 2 रुपये पंजीकरण शुल्क लगता था, जिसे बढ़ाकर 100 रुपये कर दिया गया है। नगर निगम में अभी तक सिर्फ 77 पालतू कुत्तों का ही पंजीकरण हुआ है। नगर निगम जल्द ही पंजीकरण नहीं कराने वालों के खिलाफ अभियान चलाएगा। पंजीकरण नहीं कराने वालों पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

नगर आयुक्त अविनाश सिंह ने पंजीकरण न कराने वालों को चेतावनी भी दी है।

कहा है कि यदि कुत्तों का पंजीकरण नहीं कराया गया तो पांच हजार रुपये जुर्माना जमा कराया जाएगा। अभी सिर्फ 77 लोगों ने ही कुत्तों का पंजीकरण कराया है। जबकि नगर निगम क्षेत्र में 10 हजार से अधिक पालतू कुत्ते हैं। कुत्तों के कपड़े, बिस्किट और दवाओं आदि के लिए 30 से अधिक दुकानों पर लाखों का कारोबार होता है। नगर आयुक्त अविनाश सिंह ने बताया कि कुत्ते पालने वालों को चाहिए की जल्द से जल्द रजिस्ट्रेशन करा लें। जल्द अभियान चलाया जाएगा। जिसमें पंजीकरण नहीं कराने वालों से 5,000 रुपये जुर्माना वसूला जाएगा।

कम टैक्स वसूली पर चेतावनी

नगर निगम के सदन भवन में नगर आयुक्त ने कर व करेत्तर की समीक्षा की। सेवा अधिभार (सर्विस चार्ज) मद में लक्ष्य 29.50 लाख के सापेक्ष 22.43 लाख वसूली हुई मिली। लाइसेंस विभाग में सिर्फ 2.30 लाख की वसूली पर नगर आयुक्त ने नाराजगी जतायी। नगर आयुक्त ने रामवृक्ष यादव को मोहद्दीपुर में बंद दुकानों के संचालकों को नोटिस देने, सभी दुकानों की सूची बनाने और बकायेदारों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

उचित मूल्य पर भवन निर्माण सामग्री मुहैया कराने में 'माइन मित्रा पोर्टल' असरकारी : सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने दावा किया है कि जनता को उचित मूल्य पर बालू मोरंग जैसी भवन निर्माण सामग्री मुहैया कराने में 'माइन मित्रा पोर्टल' प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। यह पोर्टल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शुरू किया गया था।

सरकार की ओर से सोमवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार 'माइन मित्रा पोर्टल' से पिछले 65 दिनों में बालू और मोरंग के खनन संबंधी 46 हजार से अधिक आवेदनों का निस्तारण हुआ है। योगी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के प्रारंभ में बालू और मोरंग के अवैध खनन पर नियंत्रण करने के लिये गत मई में इस पोर्टल की शुरुआत की थी।

इसका मकसद बालू और मोरंग के अवैध खनन से होने वाली राजस्व हानि को लाभ में तब्दील करना और लोगों को उचित मूल्य पर बालू, मोरंग उपलब्ध कराना है। पोर्टल के माध्यम से खनन की अनुमति देने के लिये शुरु की गयी इस व्यवस्था के तहत 16 जिलों में 21 चेकगेट और मिनी कमांड सेंटर की स्थापना हो चुकी है।

खनन विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक इस पोर्टल की 21 मई को शुरुआत होने के बाद से अब तक 57,690 आवेदन हुए। इनमें लगभग 46 हजार का निस्तारण कर दिया गया। पोर्टल पर खनन विभाग की विभिन्न सेवाएं सहज रूप से उपलब्ध हैं। इनमें निजी भूमि से मिट्टी निकालने, खरीदी गई मिट्टी का परिवहन करने, खनिज कार्यों के लिए लीज लेने, परमिट, रजिस्ट्रेशन आदि लेने की आवेदन प्रक्रिया को इस पोर्टल के प्लेटफार्म से जोड़ा गया है। विभाग का दावा है कि इस पोर्टल की मदद से ईंट भट्ठों का ऑनलाइन भुगतान करने में भी आसानी हो रही है।

औरैया में एलएलबी छात्रा ने खुद को मारी गोली, गोरखपुर में रेप पीड़िता ने किया सुसाइड

औरैया गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में औरैया शहर में एक वकील की बेटी और एलएलबी द्वितीय वर्ष की छात्रा ने अज्ञात कारणों के चलते पिता की लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली। गोली लगने से छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उपचार के लिए उसे जिला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने छात्रा की गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। वहीं, गोरखपुर में हिस्ट्रीशीटर बदमाश की छेड़खानी से तंग आकर एक नाबालिग किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

औरैया के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शहर के मोहल्ला सत्तेश्वर निवासी वकील राजपाल की 19 वर्षीय

बेटी शिवांगी पाल राजस्थान के एक विद्यालय में एलएलबी द्वितीय वर्ष की छात्रा है। हाल ही में वह अपने घर पर आई हुई थी। शिवांगी सोमवार की सुबह घर का काम निपटा रही थी उसी दौरान किसी कारण बस उसने अपने पिता की लाइसेंसी रिवाल्वर से कनपटी में गोली मार ली।

गोली की आवाज सुनकर घरवालों ने दौड़कर देखा तो वह खून से लथपथ जमीन पर पड़ी हुई थी। सूत्रों से जानकारी मिली है कि शिवांगी का पिछले छह महीने से डिप्रेशन का उपचार चल रहा था। शायद इसी के चलते उसने गोली मार ली है। फिलहाल उसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर रेफर कर दिया गया है। छात्रा की हालत नाजुक बताई जा रही है। मामले की जानकारी पाकर कोतवाली पुलिस अस्पताल में पहुंच गई थी और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

मौत के गले लगाने वाली नाबालिग किशोरी थी गर्भवती

इसके अलावा, गोरखपुर के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतका की मां ने तहरीर दी है कि हैदरगंज निवासी अक्षयलाल स्कूल आने जाने के दौरान उनकी नाबालिग बेटी को तंग करता था और डरा धमका कर उसके साथ दुष्कर्म करता था जिससे आजिज आकर बेटी ने पंखे की कुंडी में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

घटना की सूचना पाकर पुलिस ने आरोपित के विरूध्द छेडखानी, आत्महत्या के लिए उकसाने और धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। उसकी तलाश की जा रही है और दावा किया कि आरोपी को जल्द गिरफतार कर जेल भेज जायेगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला है कि किशोरी गर्भवती भी थी।

दिल्ली में मंकी पॉक्स की दस्तक के बाद आगरा में अलर्ट

आगरा। राजधानी दिल्ली में मंकीपॉक्स ने दस्तक दे दी है। अब आगरा ज्यादा दूर नहीं। इसलिए सिर्फ सावधानी ही बचाव है। मास्क, सेनेटाइजेशन और उचित दूरी ही फिलहाल बचाव का रास्ता है। स्वास्थ्य विभाग इसके लिए तैयारी कर रहा है और अलर्ट जारी कर दिया है। हालांकि अभी तक उत्तर प्रदेश में एक भी मामला दर्ज नहीं किया गया है। लेकिन दिल्ली में केस निकलने के बाद आगरा को अलर्ट मोड पर रखा गया है। कारण कि दिल्ली और आगरा के रोजाना के रिश्ते हैं। हजारों लोग एमएसटी के जरिए दिल्ली आते और जाते हैं।

नौकरी, व्यापार समेत तमाम कारणों से लोग सार्वजनिक परिवहन और निजी गाड़ियों के जरिए आवागमन करते हैं।

इसलिए आगरा बेहद संवेदनशील माना जाता है। इस लिहाज से स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। अभी कोई केस नहीं आया है। संदिग्ध आने की दशा में एसएन मेडिकल कालेज के कोविड वार्ड से कुछ बेड आरक्षित कर दिए जाएंगे। यहीं जांच के लिए नमूने लिए जाएंगे। सीएचसी बरौली अहीर में 10 बेड आरक्षित किए हैं। यहां संदिग्धों को रखा जाएगा। जबकि एसएन में पुष्ट मरीजों का इलाज किया जाएगा।

पांच तरह की करानी होगी जांच

बुखार, चकत्ते, लाल दाने जैसे लक्षण पाए जाने पर संदिग्ध के पांच टेस्ट कराए जाएंगे। इनमें यूरिन, सीरम और लीजन (घाव) के कई नमूने लिए जाएंगे। चूंकि आगरा में इनकी जांच की व्यवस्था नहीं है। इसलिए नमूनों को एनआईबी पुणे भेजा जाएगा। वहां से जांच रिपोर्ट आने तक संदिग्धों को उपलब्ध संसाधनों के मुताबिक भर्ती रखा जाएगा।

ऐसे फैलता है मंकी पॉक्स, ये हैं लक्षण

सूजन, लिम्फ नोड्स, बुखार और शरीर पर दाने हो सकते हैं। ये चिकनपॉक्स जैसे दिख सकते हैं। जननांग या गुदा क्षेत्र में यह घातक हो सकता है। छोटे बच्चों में मंकीपॉक्स सबसे गंभीर हो सकता है। निकटता या शारीरिक संपर्क, त्वचा से त्वचा का संपर्क, शरीर के तरल पदार्थों का आदान-प्रदान, श्वसन बूंदों के जरिए भी संक्रमण फैल सकता है।

सीएमओ, डा. अरुण श्रीवास्तव ने कहा कि हम अलर्ट हैं, अभी प्रदेश में कोई केस नहीं आया है। इसलिए फिलहाल कोई गाइडलाइन जारी नहीं की गई है। लेकिन दिल्ली से निकट होने की स्थिति में शुरुआती इंतजाम कर लिए गए हैं। संदिग्ध सामने आने पर जांच से लेकर इलाज तक का पुख्ता प्रबंध किया जाएगा।

प्रतापगढ़ में करोड़ों रूपये की अवैध शराब नष्ट

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जिले के हथिगवां क्षेत्र में पिछले साल पकड़ी गयी करोड़ो रूपये की अवैध शराब , स्प्रिट व अन्य रसायनों को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिस प्रशासन ने कारखाने के भीतर ही नष्ट करवा दिया है।

आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि कार्यवाही की निगरानी ड्रोन कैमरे से की जाती रही। इस दौरान किसी को कारखाने के भीतर नही जाने दिया गया। प्रतापगढ़ में जिला मुख्यालय से 65 किमी दूर हथिगवां थाना क्षेत्र के झाझा का पुरवा नौबस्ता गाँव मे एक अप्रैल 2021 को करोड़ो रूपये की अवैध शराब , शराब बनाने का कार खाना , स्प्रिट ,केमिकल , बोतल ,सीसी ,ढक्कन , गत्ता , मशीन , मोनो ग्राम , बारकोड आदि बरामद हुआ था।

बरामद शराब व अन्य सामान प्रशासन ने कारखाने के भीतर ही सील कर सुरक्षा के लिये पुलिस चौकी स्थापित कर दी थी। मामला न्यायालय में लंबित है , न्यायालय के आदेश पर बरामद सामानों को नष्ट करने के लिये पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों की पांच सदस्यीय टीम बनी। टीम के अधिकारी रविवार दोपहर बाद कारखाने पर पहुँचे। कारखाना परिसर में गड्ढे खोदवाकर शराब ,स्प्रिट व अन्य सामान को नष्ट कराया गया।

बहराइच में 10 दिन पहले कोचिंग गई लड़की का हुआ था अपहरण, पुलिस ने किया बरामद

बहराइच। बहराइच जिले में पयागपुर थाने की पुलिस ने दस दिन पूर्व अपहृत की गई किशोरी को बरामद कर लिया है। नामजद आरोपी भी गिरफ्तार कर लिया है। बरामद किशोरी को महिला सिपाही की अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। एसएसपी केशव कुमार चौधरी ने बताया कि पयागपुर थाने के एक गांव निवासी व्यक्ति की 14 वर्षीय बेटी का 14 जुलाई को कोचिंग सेंटर से घर आते समय शाम को अपहरण हो गया था। पिता ने इस मामले में केस दर्ज कराया था। थानाध्यक्ष राजकुमार पांडेय को नामजद आरोपी की गिरफ्तारी व किशोरी की बरामदगी के सख्त निर्देश दिए गए थे। रविवार को एएसपी सिटी कुंवर ज्ञानन्जय सिंह व सीओ पयागपुर राजीव सिसौदिया के पर्यवेक्षण में उपनिरीक्षक विजय शंकर, मुख्य सिपाही गजेन्द्र सिंह , महिला सिपाही अंन्तिमा ने शिवदहा मोड़ पर दबिश देकर किशोरी को बरामद कर लिया। नामजद आरोपी बलरामपुर जिले के महाराजगंज तराई थाने के पटोहा कोट निवासी ओमकार उर्फ रवि शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। बरामद किशोरी को महिला सिपाही की अभिरक्षा में मेडिकल को भेजा गया है। गिरफ्तार आरोपी को गहन पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है ।

दिल्ली-मेरठ हाईवे और एक्सप्रेसवे पर चलेंगे केवल कांवड़िये

मेरठ। डाक कांवड़ की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने रविवार रात 12 बजे से दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और एनएच-58 को बंद कर दिया है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने रविवार को गाजियाबाद से लेकर उत्तराखंड बॉर्डर तक निरीक्षण किया। इसके बाद रात को ही एक्सप्रेस वे और हाईवे को आम नागरिकों के लिए बंद करने का फैसला किया। मेरठ के एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने बताया कि डाक कांवड़ के बढ़ते जोर के चलते एक्सप्रेस वे को रविवार रात 12 बजे से बंद कर दिया गया है।

दिल्ली मेरठ हाइवे पर भी ऐसी ही व्यवस्था की गई है। कांवड़ियों के

वाहन के अलावा किसी भी वाहन की अनुमति नहीं होगी।

यह व्यवस्था मंगलवार सुबह तक रहेगी। तब तक के लिए सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। उधर, रुड़की रोड पर रविवार को प्रशासन ने हेलीकॉप्टर के बजाय फायर ब्रिगेड की गाड़ी से कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर उनका उत्साहवर्धन किया। दूसरी ओर संभल में डीजे की आवाज कम कराने को लेकर कांवड़िओं की कोतवाल से नोकझोंक हो गई।

कई इलाकों में रूट भी डायवर्ट किए गए हैं। हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली एनसीआर से मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर हरिद्वार व देहरादून जाने वाले छोटे वाहन ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे से होते हुए गंतव्य जा रहे थे। हालांकि अब भीड़ काबू करने के लिए इसमें भी बदलाव की संभावना है।

सुरक्षित कांवड़ यात्रा के लिए व्यापक पुलिस प्रबंध

डीजीपी मुख्यालय ने कहा है कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए पर्याप्त कदम उठाए गए हैं। पुलिस पूरा प्रयास कर रही है कि कांवड़ यात्रा में किसी प्रकार का व्यावधान उत्पन्न न हो तथा यह आनंदमय एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न हों। कई स्तरों पर बनाए गए कंट्रोल रूम से भी 24 घंटे निगरानी की जा रही है। यह कंट्रोल रूम शासन स्तर पर गृह विभाग के अलावा डीजीपी मुख्यालय, जोन, रेंज व जिले स्तर स्थापित है।

शार्ट न्यूज

टेक महिंद्रा के तिमाही शुद्ध लाभ में 16.4 प्रतिशत की गिरावट

मुंबई। राजस्व में बढ़ोतरी के बावजूद टेक महिंद्रा का वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 16.4 प्रतिशत गिरकर 1,132 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि इस अवधि में उसका राजस्व 24.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 12,708 रुपये रहा। टेक महिंद्रा का परिचान लाभ (एबिटडा) 0.2 प्रतिशत उछलकर 1,888 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कंपनी का तिमाही-दर-तिमही आधार पर शुद्ध लाभ 24.8 प्रतिशत गिरा है। टेक महिंद्रा के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीपी गुरनानी ने कहा, हम इस वित्तीय वर्ष की शुरुआत जैविक वृद्धि प्रदान करने प्रतिबद्धता के साथ कर रहे हैं। हम गतिशील वैश्विक आर्थिक वातावरण को देखते हुए लचीला और सतर्क रहते हैं। हम भिन्न पेशकश देने के लिए नयी और उभरती प्रौद्योगिकियों में निवेश करना जारी रखेंगे। हमारी जीत की रणनीति उद्देश्य, लोग और प्रदर्शन के स्तंभों पर टिकी हुई है जो हमें बाजार में मजबूत मांग के माहौल को जिम्मेदारी से लाभ उठाने में सहायता कर रहा है।

इटली टैक्स कार्यालय से हैकरों ने चुराया 78 जीबी डाटा

रोम। इटली के टैक्स कार्यालय को हैक कर एक लॉकबिट नामक साइबरसमूह ने रैंसमवेयर हमले में एक वायरस का उपयोग करते हुए 78 जीबी डाटा चुरा लिया। स्थानीय मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। आई1 मैसेज्जेरो अखबार के अनुसार, हैकर्स ने पांच दिनों में फिरौती देने की मांग की जिसके पूरा ना होने पर वे चोरी किए गए डेटा को सार्वजनिक कर देगें। रिपोर्ट में बताया गया कि हैकर्स ने डार्क वेब पर अपनी वेबसाइट पर एक बयान में बताया कि डाटा में कॉर्पोरेट दस्तावेज, वित्तीय रिपोर्ट और अनुबंध शामिल हैं। घटना की जांच आंतरिक मंत्रालय का हिस्सा और साइबर अपराध में माहिर इटली की डाक और संचार पुलिस कर रही है। टैक्स कार्यालय के तकनीकी विशेषज्ञ हमले से संभावित नुकसान का आकलन कर रहे हैं।

एक्सिस बैंक के शुद्ध लाभ में पहली तिमाही में 91 प्रतिशत का बड़ा उछाल

नयी दिल्ली। देश के निजी क्षेत्र के तीसरे सबसे बड़े एक्सिस बैंक का वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ वार्षिक आधार पर 91 प्रतिशत बढ़कर 4,125 करोड़ रुपये रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,160 करोड़ रुपये था। एक्सिस बैंक ने सोमवार को जारी तिमाही परिणामों में बताया कि आलोच्य तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 9,384 करोड़ रुपये रही जो वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में दर्ज की गयी 7,760 करोड़ की एनआईआई से 21 प्रतिशत अधिक है। इस तिमाही में बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 0.14 प्रतिशत सुधरकर 3.60 प्रतिशत रहा। बैंक के परिचालन राजस्व में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही के 11,119 करोड़ रुपये से बढ़कर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 12,383 करोड़ रुपये हो गया। बैंक के अवरुद्ध ऋण (एनपीए) में 30 जून 2022 को समाप्त हुयी तिमाही में सुधार दर्ज किया गया। इस दौरान बैंक का सकल एनपीए और शुद्ध एनपीए क्रमश: 2.76 प्रतिशत और 0.64 प्रतिशत रहा जो 30 जून 2021 को क्रमश: 3.85 और 1.20 प्रतिशत था।

रुपये में 12 पैसे की तेजी

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 12 पैसे मजबूत होकर 79.78 रुपये प्रति डॉलर हो गया। पिछले कारोबारी दिवस रुपया पांच पैसे फिसलकर 79.90 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया चार पैसे सुधरकर 79.86 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान आयातकों और बैंकरों की बिकवाली से 79.70 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि लिवाली के दबाव में यह 79.87 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक फिसला। अंत में पिछले दिवस के 79.90 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 12 पैसे मजबूत होकर 79.78 रुपये प्रति डॉलर हो गया। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेड रिजर्व की इस सप्ताह होने वाली बैठक में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना को लेकर मुद्रा बाजार में जोखिम बढ़ गया है। निवेशकों के सतर्क रहने से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर कमजोर पड़ने से आज रुपये को बल मिला है।

कैट ने प्रतिबंधित चीनी ऐप्स के क्लोन ऐप्स के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

नयी दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने सोमवार को देश में चल रही प्रतिबंधित चीनी ऐप्स के क्लोन ऐप्स के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। संगठन ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव को भेजे गए एक पत्र में प्रतिबंधित चीनी ऐप्स की क्लोन एप्स की ओर ध्यान आकर्षित किया। कैट ने एक बयान में कहा कि ये ऐप्स प्रेस नोट 1635206 दिनांक 29.06.2020, प्रेस नोट 1650669 दिनांक 02 सितंबर 2020 श्रृंखला का उल्लंघन है जो आईटी मंत्रालय द्वारा प्रकाशित किया गया है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि इन प्रेस नोटों ने अतीत में कुछ ऐप्स को प्रतिबंधित कर दिया था और विश्वसनीय इनपुट के आधार पर इन ऐप्स की जानकारी, मांगी गई अनुमतियां, एम्बेडेड कार्यक्षमता के साथ-साथ डेटा हार्वेस्टिंग प्रथाएं गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं। वे गुप्त तरीके से डेटा एकत्र और साझा करते हैं और व्यक्तिगत डेटा और उपयोगकर्ताओं की जानकारी से समझौता करते हैं जो देश की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध के कुछ ही महीनों बाद प्ले स्टोर पर क्लोन ऐप दिखाई देने लगे जो मूल रूप से प्रतिबंधित ऐप्स के नकाबपोश क्लोन होने के स्पष्ट संकेत दिखाते हैं, जिसके संबंध में पत्र में संबंधित सबूत सौंपे गए हैं।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का पहली तिमाही लाभ 14.2 प्रतिशत बढ़कर 234.78 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। सरकारी क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 14.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 234.78 करोड़ रुपये रहा। बैंक का वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 205.58 करोड़ रुपये था। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने सोमवार को एक बयान में कहा कि आलोच्य तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 6,357.48 करोड़ रुपये रही जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 6,299.63 करोड़ रुपये थी। बैंक का अप्रैल-जून 2022 तिमाही में अवरुद्ध ऋण (एनपीए) में गिरावट हुयी है। राशि के हिसाब से जून 2021 में बैंक का सकल एनपीए घटकर 27,891.70 करोड़ रुपये रहा। इसी तरह शुद्ध एनपीए 5.09 प्रतिशत (7,904.03 करोड़ रुपये) से घटकर 3.93 प्रतिशत (6,784.70 करोड़ रुपये) दर्ज किया गया। समेकित आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ 17.6 प्रतिशत के इजाफे के साथ वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में 243.52 करोड़ रुपये रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 207.15 करोड़ रुपये था। इस अवधि में बैंक की कुल आय थोड़ी सी बढ़त के साथ 6,387.24 रही जो 6,387.24 करोड़ रुपये थी।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में दबाव के बीच देश में सोमवार को तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। देश में करीब दो माह से ईंधन के दामों में स्थिरता आम-आदमी के लिए राहत बनी हुयी है। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) के अनुसार, दिल्ली में आज पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश: 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर पर हैं।

इंजीनियरिंग उत्पादों का पहली तिमाही में निर्यात 11.8 प्रतिशत बढ़ा, चीन को निर्यात घटा

नयी दिल्ली, 25 जुलाई (वार्ता) अमेरिका, जर्मनी और मेक्सिको में जबरदस्त मांग से देश का चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात 11.8 प्रतिशत बढ़कर 28.96 अरब डॉलर रहा।

इस अवधि में हालांकि चीन के साथ व्यापार में तेजी से गिरावट दर्ज की गयी।

इस वर्ष जून में चीन के साथ निर्यात में गिरावट की दर अधिक रही जो मई में 52.2 प्रतिशत और अप्रैल में 48.2 प्रतिशत थी।

वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में देश का चीन को किए जाने वाला इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात वार्षिक आधार पर 51.90 प्रतिशत गिरकर 66.29 करोड़ डॉलर दर्ज किया गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में देश ने चीन को 137.82 करोड़ डॉलर के इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात किया था।

भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद के अध्यक्ष महेश देसाई ने कहा, चीन में भारतीय इंजीनियरिंग उत्पादों के लिए एक बड़े निर्यात गंतव्यों में चीन एक प्रमुख देश है। हमारे विश्लेषण से संकेत मिलता है कि भारत से होने वाले निर्यात में कमी चीन में कोविड के प्रसार की आशंकाओं के बीच मांग में गिरावट और बड़े व्यापारिक केंद्रों में लॉकडाउन एक कारण रहा है।

श्री देसाई ने कहा कि जहां चीन को होने वाला निर्यात कम हुआ है, वहीं स्टेनलेस इस्पात उत्पादों सहित कुछ इस्पात उत्पादों पर निर्यात शुल्क लगाने से स्थिति और खराब हो गई।

उन्होंने कहा, उद्योगों के अनुसार स्टील के उत्पादों पर निर्यात शुल्क लगाना उस समय में मुश्किलें पैदा कर रहा हैं, जहां यूक्रेन-रूस संघर्ष और चीनी शहरों में पूर्ण रूप से लॉकडाउन से प्रभावित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारतीय निर्यातकों के लिए विभिन्न अवसर हैं।

लौह और स्टील निर्यात में जून 2022 में 33.3 प्रतिशत की गिरावट रही जबकि अप्रैल और मई में इसमें क्रमश: 23.4 प्रतिशत और 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी थी। जून में हुयी के चलते आलोच्य तिमाही में देश का लौह और इस्पात उत्पादों का निर्यात 5.08 प्रतिशत गिर गया।

आंकड़ों के अनुसार जून 2022 में लौह और इस्पात उत्पादों का निर्यात में वार्षिक आधार पर 17.7 प्रतिशत गिरकर 2.30 अरब डॉलर रहा जो इससे पिछले वर्ष के समान माह में 2.79 अरब डॉलर था।

भारत से इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जून 2022 में 4.2 प्रतिशत बढ़कर 9.69 अरब डॉलर रहा जो जून 2021 में 9.30 अरब डॉलर था।

चालू वित्त वर्ष के जून माह के साथ तिमाही में भारतीय इंजीनियरिंग उत्पादों का अमेरिका सबसे बड़ा आयातक रहा। अमेरिका ने जून 2022 में 28.59 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.67 अरब डॉलर इंजीनियरिंग उत्पादों का आयात किया जो इससे पिछले वित्त वर्ष के समान माह में 1.30 अरब डॉलर था।

संचयी रूप से अप्रैल-जून 2022 तिमाही में देश ने अमेरिका को 5.31 अरब डॉलर का निर्यात किया जो अप्रैल-जून 2021 तिमाही के आंकड़े 3.59 अरब डॉलर से 48.09 प्रतिशत अधिक है।

देश से इंजीनियरिंग उत्पादों की जून 2022 में सकारात्मक वृद्धि वाले प्रथम पांच देश अमेरिका, जर्मनी, मेक्सिको, ब्रिटेन और बंगलादेश रहे।

चौंतीस इंजीनियरिंग पैनलों में से 27 में जून 2022 की तुलना में जून 2021 के दौरान वार्षिक आधार पर सकारात्मक वृद्धि देखी गई, जबकि लोहा और इस्पात, तांबा और इसके उत्पादों, सीसा और उत्पादों, बॉयलर जैसी औद्योगिक मशीनरी में बड़ी गिरावट देखी गई।

इसी तरह संचयी आधार पर 34 इंजीनियरिंग पैनलों में से 27 ने पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में अप्रैल-जून 2022-23 के दौरान सकारात्मक वृद्धि दर्ज की।

श्री देसाई ने कहा, कुल मिलाकर वैश्विक आर्थिक स्थिति अभी भी स्थिर नहीं है और संकट के बीच नए अवसर उभर रहे हैं।

उद्योगों को उन अवसरों को हासिल करने के लिए अपने उत्पादन की कीमत, गुणवत्ता और निर्यात क्षमता सहित सभी पहलुओं में तैयार रहने की जरूरत है।

तेजी के रथ से गिरा शेयर बाजार

मुंबई। एशियाई बाजारों की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, ऑटो और तेल एवं गैस समेत चौदह समूहों में हुई बिकवाली से पिछले लगातार छह दिन की तेजी के रथ पर सवार शेयर बाजार आज गिर गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 306.01 अंक लुढ़ककर 56 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 55766.22 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 88.45 अंक फिसलकर 16631 अंक पर रहा। हालांकि दिग्गज और छोटी कंपनियों की बिकवाली के विपरीत मझौली कंपनियों की बढ़त ने शेयर बाजार को अधिक गिरने से बचाया। इस दौरान बीएसई का स्मॉलकैप 0.13 प्रतिशत उतरकर 26,739.14 अंक पर रहा वहीं मिडकैप 0.03 प्रतिशत मजबूत होकर 23,666.44 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3598 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1908 में गिरावट जबकि 1513 में तेजी रही वहीं 177 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई

में 31 कंपनियां लाल जबकि शेष 18 हरे निशान पर रही वहीं एक के भाव अपरिवर्तित रहे।

बीएसई में बेसिक मैटेरियल्स, इंडस्ट्रियल्स, यूटिलिटीज, कैपिटल गुड्स और धातु समूह की 1.50 प्रतिशत तक की तेजी को छोड़कर शेष 15 समूहों में गिरावट रही। इस दौरान सीडीजीएस 0.57, ऊर्जा 1.32, हेल्थकेयर 0.71, दूरसंचार 0.96, ऑटो 1.69, तेल एवं गैस 0.86 और रियल्टी समूह के शेयर 0.42 प्रतिशत गिर गए।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एशियाई बाजारों में गिरावट रही वहीं यूरोपीय बाजार में तेजी का रुख रहा। इस दौरान जापान का निक्केई 0.77, हांगकांग का हैंगसेंग 0.22 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.60 प्रतिशत उतर गया वहीं ब्रिटेन का एफटीएसई 0.27 और जर्मनी का डैक्स 0.38 प्रतिशत मजबूत रहा।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 195 अंक गिरकर 55,877.50 अंक पर खुला लेकिन लिवाली के दम पर थोड़ी देर बाद ही 56,018.09 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बिकवाली होने से यह दोपहर से पहले 55,537.08 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। संभलने की तमाम कोशिशों के बाजवूद अंत में यह पिछले दिवस के 56,072.23 अंक के मुकाबले 0.55 प्रतिशत टूटकर 55,766.22 अंक पर आ गया।

इसी तरह निफ्टी भी 57 अंक की गिरावट लेकर 16,662.55 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 16,706.05 अंक के उच्चतम जबकि 16,564.25 अंक के निचले स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 16,719.45 अंक की तुलना में 0.53 प्रतिशत उतरकर 16,631.00 अंक पर रहा।

इस दौरान सेंसेक्स की 17 कंपनियां बिकवाली का शिकार हुईं वहीं शेष 13 में लिवाली का जोर रहा। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने सबसे अधिक 3.80 प्रतिशत का नुकसान उठाया जबकि टाटा स्टील ने सर्वाधिक 2.66 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। इनके अलावा गिरावट पर रहने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में रिलायंस 3.31, मारुति 2.41, टेक महिंद्रा 1.15, पावरग्रिड 0.86, हिंदुस्तान यूनीलीवर 0.72, सन फार्मा 0.57, एक्सिस बैंक 0.38, इंफोसिस 0.23, भारती एयरटेल 0.22 और टीसीएस 0.12 प्रतिशत शामिल रहीं।

अब तक 3 करोड़ से अधिक भरे गए आयकर रिटर्न

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने सोमवार को कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 के लिए अब तक ई-फाइलिंग पोर्टल के जरिये तीन करोड़ से अधिक रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं। विभाग ने एक ट्वीट में कहा, ''एसेसमेंट ईयर 2022-23 के लिए 25 जुलाई, 2022 तक तीन करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गए हैं। आयकर रिटर्न दाखिल करने की लास्ट डेट 31 जुलाई, 2022 है।''

विभाग ने क्या कहा?

लोगों से कहा है कि यदि उन्होंने अभी तक अपना रिटर्न दाखिल नहीं किया है तो वे इसे जल्द से जल्द दाखिल करें। विभाग ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 20 जुलाई तक 2.3 करोड़ आयकर रिटर्न भरे गए थे। पिछले वित्त वर्ष (2020-21) में विस्तारित तारीख 31 दिसंबर, 2021 तक कुल 5.89 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए थे।

डायरेक्ट टैक्स में बढ़ोतरी

FY23 की पहली तिमाही के दौरान केंद्रीय करों के संग्रह में बढ़ोतरी हुई है। नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन बढ़कर रु 3.54 लाख करोड़ से अधिक हो गया। जबकि कुल इनडायरेक्ट टैक्स कलेक्शन Q1FY23 के दौरान रु 3.44 लाख करोड़ से अधिक था।

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि कोविड के बाद तेजी से आर्थिक सुधार, सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों के कारण बेहतर अनुपालन जैसे विभिन्न कारकों ने इस वृद्धि में योगदान दिया है।

मूंगफली तेल महंगा, अरहर दाल सस्ती

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार की गिरावट के दबाव में आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में मूंगफली तेल की तेजी को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा वहीं अरहर दाल के भाव गिर गए। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अगस्त वायदा 19 रिंगिट गिरकर 3708 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह इस दौरान अमेरिकी सोया तेल का अगस्त वायदा 0.22 सेंट उतरकर 57.65 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान मूंगफली तेल 146 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया। वहीं, सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़े रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान अरहर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई वहीं, चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव स्थिर रहे। अनाज : अनाज मंडी में भी टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव टिके रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे

दाल-दलहन : चना 4500-4600,दाल चना 5500-5600, मसूर काली 8400-8500, मूंग दाल 7900-8000, उड़द दाल 9900-9800, अरहर दाल 8600-8700 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2300-2400 रुपये और चावल : 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 3530-3660, चीनी एम. 3700-3800, मिल डिलीवरी 3410-3510 और गुड़ 3650-3750 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 17215 रुपये, मूंगफली तेल 19413 रुपये, सूरजमुखी तेल 19341 रुपये, सोया रिफाइंड 15531 रुपये, पाम ऑयल 13407 रुपये और वनस्पति तेल 15318 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

कर्मचारी राज्य बीमा योजना मई में नए पंजीकरण बढ़े

नयी दिल्ली। देश में संगठित क्षेत्र में रोजगार की स्थिति की जानकारी देने वाले ताजा आकंड़ों के अनुसार इस वर्ष मई में कर्मचारी भविष्य निधि योजना (ईपीएफ) और नयी पेंशन योजना (एनपीएस) में नए पंजीकरण अप्रैल की तुलना में कम रहे जबकि कर्मचारी राज्य बीमा योजना (ईएसआईसी) में नए पंजीकृत व्यक्तियों की संख्या में सुधार दर्ज किया गया।

ताजा सरकारी आंकड़ों के अनुसार ईपीएफ में मई 2022 में 9,60,311 नए अंशधारक जुड़े जबकि इसी माह में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) में 14,93,035 नए पंजीकृत व्यक्तियों ने अंशदान दिया।

रोजगार के रुझानों का संकेत देने वाली नयी पेंशन योजना (एनपीएस) के ताजा आंकड़ों के अनुसार मई 2022 में केंद्र और राज्य तथा गैर-सरकारी क्षेत्र के कुल 60,926 नए अंशधारक जुड़े।

अप्रैल 2022 में ईपीएफ में 9,84,217, ईएसआईसी में 12,80,653 और एनपीएस में 64,569 नए अंशदाता जुड़े थे। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा सोमवार को जारी जारी विस्तृत आंकड़ों के अनुसार ईपी इस वर्ष मई में ईपीएफ से जुड़े नए अंशधारकों के अलावा 11,14,132 ऐसे अंशधारक रहे जो इस योजना में फिर जुड़े जबकि इसी दौरान 3,92,782 अंशधारक ईपीएफ से बाहर हो गए।

मई में ईपीएफ में जुड़े अंशधारकों में 2,90,710 अंशधारक 18-21 वर्ष की आयु वर्ग के थे जिनमें 2,36,290 पुरुष और 54,418 महिला अंशधारक थे। ईपीएफ योजना में अप्रैल 2022 में 9,84,217 नए अंशधारक जुड़े थे, जिनमें 2,58,103 अंशधारक 18-21 वर्ग के थे। अप्रैल में 12,97,321 अंशधारक योजना में फिर जुड़े जबकि 7,45,013 अंशधारक योजना से बाहर हुए। ईपीएफ में सितंबर 2017 से मई 2022 तक की अवधि में नए 5,48,00,925 अंशधारक जुड़े।

एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार मई 2022 में ईएसआईसी योजना में पंजीकृत 14,93,035 अंशधारकों में 12,08,691 पुरुष थे। इस वर्ष मई में योजना में पहले से पंजीकृत 2,64,30,371 व्यक्तियों ने अंशधान दिया। इनमें 2,12,08,312 पुरुष अंशदाता थे। मई में पंजीकृत 14,93,035 नए ईएसआईसी अंशदाताओं में 12,08,691 पुरुष हैं।

इस योजना में सितंबर 2017-मई, 2022 के बीच ईएसआईसी से कुल 6,76,38,850 नए व्यक्ति जुड़े।

अप्रैल 2022 में ईएसआई से जुड़ने वाले नए व्यक्तियों की संख्या 12,80,653 थी जिनमें 10,33,218 पुरुष थे। अप्रैल,22 के अंत में इस योजना में अंशदान देने वाले पुराने अंशदाताओं की संख्या 2,65,20,769 थी। इस रिपोर्ट में पेंशन कोष विनियमन एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) से प्राप्त आंकड़ों के हवाले से बताया गया है कि नयी पेंशन योजना (एनपीएस) में इस वर्ष मई माह में जुड़े 60,926 व्यक्तियों में 8,817 केंद्र सरकार के कर्मी (7,203 पुरुष, 1,614 महिला), 34,678 राज्य कर्मी (22,577 पुरुष 12,100 महिला) तथा 17,431 गैर सरकारी (कार्पोरेट) क्षेत्र में भर्ती व्यक्ति हैं। इनमें 13,783 पूरुष और 3,648 महिलाएं हैं।

अप्रैल में एनपीएस में 64,569 नए अंशदाता पंजीकृत किए गए थे, इनमें से 12,156 केंद्र सरकार के, 29,107 राज्य कर्मी तथा 23,306 गैर सरकारी (कार्पोरेट) क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति थे।

एनपीएस में सितंबर 2017 से मई 2022 के दौरान एनपीएस में 35,95,119 नए व्यक्ति पंजीकृत किए गए हैं।

मंत्रालय अप्रैल 2018 से इन तीनों योजनाओं के आंकड़े जारी करता रहा है। ये आंकड़े सितंबर 2017 से आगे की अवधि के हैं।

शक्कर में पूछपरख, खाद्य तेलो में नरमी, दलहनो में स्थिरता, दालें सस्ती, अनाज सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में उठाव बढ़ा रहा। खाद्य तेल कम हुए। पाम तेल नीचा होकर बिका। तिलहन में उठाव रहा। दलहनों में स्थिरता दर्ज की गई वहीं दालें सस्ती बिकी। चावल में कामकाज सुधार लिए बताया गया।

किराना बाजार

शक्कर में मांग रही। आज शक्कर में कामकाज 3550 से 3600 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा, हल्दी तथा साबूदाना में उठाव बताया गया। इससे तेजी दर्ज की गई।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल गिरावट लिए रहे। आज पाम तेल में नरमी दर्ज की गई। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली से तेजी हुई।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन स्थिरता लिए बताए गए। दालों में नरमी रही। आज चना, मूंग दाल सस्ती बिकी। चावल में पूछपरख बढ़त लिए बताई गई हालांकि भाव बने रहे।

किराना

शक्कर 3550 से 3600 रुपये प्रति क्विंटल।

खोपरा गोला 180 से 205 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2000 से 3500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4850 से 5450, पैकिंग में 5800 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6200 से 6300, रायडा 5900 से 6100 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1630 से 1650, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1205 से 1210, सोयाबीन साल्वेंट 1175 से 1180, पाम तेल 1255 से 1260 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 4900 से 4925, मसूर 6900 से 6925, तुअर निमाड़ी 6000 से 6700, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 7100 से 7200, तुअर (कर्नाटक) 7300 से 7400, मूंग 6300 से 6500, मूंग हल्की 5400 से 5800, उड़द 6800 से 7300, उड़द मीडियम 5500 से 6700, उड़द नया 6800 से 7200, हल्का 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 6050 से 6550, तुअर दाल सवा नंबर 9000 से 9100, तुअर दाल फूल 9200 से 9400, तुअर दाल नई 9700 से 10400, आयातित तुअर दाल 8800 से 8900, मसूर दाल 8000 से 8300, मूंग दाल 8300 से 8600, मूंग मोगर 8900 से 9200, उड़द दाल 9100 से 9400, उड़द मोगर 9800 से 10100 रुपये प्रति क्विंटल।

जियो 5जी में मिलेगी फाइबर जैसी तेज इंटरनेट स्पीड

एजेंसी

नयी दिल्ली। रिलायंस समूह की दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो अपनी 5जी सेवा में फाइबर केबल जितनी स्पीड उपलब्ध करा सकती है जिसके 4जी सेवा के मुकाबले 20 गुना अधिक होने की उम्मीद है। इस कड़ी में कंपनी ने बड़े पैमाने पर 5जी से जुड़े ऐप्स और सेवाओं के लिए परीक्षणों को पूरा कर लिया है।

जियो ने सोमवार को एक बयान में कहा कि कंपनी के एनहांस्ड मोबाइल ब्राडबैंड (ईएमबीबी) के जरिए ग्राहकों को फाइबर जैसी स्पीड मिलेगी। परीक्षणों में स्पीड 1जीबीपीएस तक मापी गयी थी।

कंपनी ने कहा कि ग्राहकों को अपने मोबाइल फोन पर कहीं भी और कभी भी कम से कम 50 से 100 एमबी की स्पीड मिलेगी जो आदर्श स्थिति में इससे अधिक हो सकती है। इससे ग्राहक यूजर्स 8के वीडियो स्ट्रीमिंग, क्लाउड गेमिंग, जियो ग्लास, हेल्थकेयर सेगमेंट में 5जी रोबोटिक्स, रियल टाइम इमर्सिव वर्चुअल रियलिटी मीटिंग, 5जी कनेक्टिड ड्रोन्स, वर्चुअल शॉपिंग और स्मार्ट होम्स सेवा का आनंद ले पाएंगे।

कंपनी ने दिल्ली, मुंबई, कोलकत्ता, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु, लखनऊ, अहमदाबाद और जामनगर में हुए इन परीक्षणों का डेटा दूरसंचार विभाग, टेलीकॉम इंजिनियरिंग सेंटर और वायरलेस प्लानिंग एंड कॉर्डिनेशन जैसी संस्थाओं के साथ साझा किए हैं। जियो ने 26 जुलाई से शुरू होने वाली 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी में सबसे अधिक बयाना राशि जमा कराई है।

शार्ट न्यूज

मिताली ने दिया क्रिकेट में वापसी का अंदेशा

नयी दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने महिला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उद्घाटन सत्र के जरिये क्रिकेट में वापसी का अंदेशा दिया है। मिताली ने सोमवार को आईसीसी की '100प्रतिशत क्रिकेट' पोडकास्ट पर कहा, मैंने उस विकल्प (महिला आईपीएल) को खुला रखा है। मैंने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। अभी महिला आईपीएल के आयोजन में कुछ समय बाकी है। उसके पहले सत्र का हिस्सा बनना मज़ेदार होगा। उल्लेखनीय है कि बहुप्रतीक्षित महिला आईपीएल की शुरुआत अगले वर्ष होनी है। मिताली ने पिछले महीने अपने 23 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर पर विराम लगा दिया था। मिताली ने कहा, मुझे लगा था कि इससे (रिटायरमेंट से) मेरे जीवन की रफ्तार कम हो जाएगी। मुझे अपने दिन, हफ्ते या अगली श्रंखला की योजना नहीं बनानी होगी। जब मैंने सन्यास लेने की घोषणा की, तब मैं कोरोना संक्रमित थी। जब मैं उससे उबरी तो फिल्म (मिताली की बायोपिक 'शाबाश मिठू') के प्रोमोशन में व्यस्त हो गयी।

धीमी ओवर गति के लिये भारत पर लगा जुर्माना

पोर्ट ऑफ स्पेन। भारत पर वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ शुक्रवार को खेले गये पहले एकदिवसीय मैच में धीमी ओवर गति के लिये मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गय है। मैच रेफ़री रिची रिचर्ड्सन ने तय समय सीमा में एक ओवर कम डालने के लिये भारत पर रविवार को यह जुर्माना लगाया। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिये आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जब टीम आवंटित समय में पूरे ओवर नहीं डाल पाती, तो खिलाड़ियों पर प्रति ओवर 20 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया जाता है। भारतीय टीम के कप्तान शिखर धवन ने अपना अपराध मानते हुए प्रस्तावित सज़ा स्वीकार की, जिसके बाद आधिकारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी।

बारिश में धुला इंग्लैंड-दक्षिण अफ्रीका मैच, श्रंखला 1-1 पर समाप्त

लीड्स। इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार को खेला गया मैच बारिश के कारण रद्द हुआ और तीन मैचों की श्रंखला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई। श्रंखला के पहले मैच में जहां दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को 62 रन से मात दी थी, वहीं इंग्लैंड ने दूसरे मैच में वापसी करते हुए प्रोटियाज़ को 118 रन से हराया था। वर्षा के कारण रद्द होने से पहले मैच में 27.4 ओवर फेंके गये। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज़ जानेमन मलान 11(18) रन बनाकर आउट हो गये, जिसके बाद क्विंटन डि कॉक और रैसी वान डर डुसेन ने दूसरे विकेट के लिये 75 रन जोड़े। आदिल रशीद की गेंद पर जॉनी बेयरस्टो को कैच थमाने से पहले वान डेर डुसेन ने चार चौकों की मदद से 26(38) रन बनाये। मैच समाप्त होने से पहले डि कॉक 92(76) और एडेन मार्करम 24(34) रन बनाकर क्रीज़ पर मौजूद थे। डेविड विली और आदिल रशीद को एक-एक विकेट प्राप्त हुआ।

तमिलनाडु में कबड्डी खेलते समय कॉलेज के छात्र की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में पनरुती के पास एक दुखद घटना में एक निजी कॉलेज के 22 वर्षीय छात्र की रविवार की शाम कबड्डी खेलते समय मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक विमलराज सेलम जिले के एक निजी कॉलेज में बीएससी जूलॉजी द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा था और सप्ताहांत पर अपने पैतृक गांव मन्नादिकुप्पम आया था। वह कल शाम टूर्नामेंट में जिला स्तरीय कबड्डी में मुराट्टू कलाई टीम की ओर से खेल रहा था। जब वह रेड देने के लिए लिये गया तो दूसरी टीम के खिलाड़ियों के द्वारा खींचे जाने पर वह जमीन पर गिर पड़ा। विमलराज को तुरन्त पनरुति जनरल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे 'मृत लाया गया 'घोषित कर दिया। पुलिस ने आशंका जतायी है कि अचानक दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गयी। शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी विल्लुपुरम मेडिकल कॉलेज में स्थानांतरित कर दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है।

श्रीलंका की फिरकी में उलझा पाकिस्तान

गॉल। श्रीलंका ने रमेश मेंडिस (तीन विकेट) और प्रभात जयसूर्या (दो विकेट) की फिरकी की बदौलत दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन सोमवार को पाकिस्तान के सात विकेट झटक लिये। श्रीलंका के 378 रन के जवाब में पाकिस्तान सिर्फ 191 रन बना सकी है और 187 रन से पीछे चल रही है। श्रीलंका ने पहली पारी में ओशादा फर्नांडिस (50), दिनेश चांदिमल (80), और निरोशन डिकवेला (51) के अर्द्धशतकों की बदौलत पहली पारी में 378 रन बनाये थे। इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाज़ों ने विकेट में मौजूद उछाल का पूर्ण प्रयोग करते हुए पाकिस्तानी बल्लेबाज़ी की कमर तोड़ दी। पहले टेस्ट में 160 रन की नाबाद पारी खेलकर पाकिस्तान को जिताने वाले अब्दुल्लाह शफीक पहली पारी में शून्य रन ही बना सके। इमाम-उल-हक़ (32) एक बार फिर अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं तब्दील कर पाये। कप्तान बाबर आज़म (16) को जहां जयसूर्या ने आउट किया, वहीं मेंडिस ने विकेटकीपर मोहम्मद रिज़वान (24) और फ़वाद आलम (24) को पवेलियन लौटाया। मध्यक्रम की असफ़लता के बाद आग़ा सलमान ने जुझारू पारी खेलते हुए अर्द्धशतक जड़ा, लेकिन वह भी दिन के अंत में जयसूर्या का शिकार हो गये। सलमान ने 126 गेंदों की अपनी पारी में चार चौकों और एक छक्के की बदौलत 62 रन बनाये। सलमान का विकेट गिरते ही दिन का खेल समाप्त कर दिया गया।

वर्ल्ड एथलेटिक्स पेरिस ओलंपिक से शुरू करेगा 'रेपचेज राउंड'

मोनाको। विश्व एथलेटिक्स परिषद ने सोमवार को पेरिस में 2024 ओलंपिक खेलों के लिए नियमित प्रतियोगिता प्रारूप में एक नवाचार को मंजूरी दे दी, जिसमें बाधा दौड़ सहित 200 मीटर से 1500 मीटर की दूरी के सभी व्यक्तिगत ट्रैक स्पर्धाओं के लिए 'रेपेचेज राउंड' की शुरुआत की गई। नए रेपेचेज प्रारूप में, जो एथलीट पहले राउंड की हीट में क्वालीफाई नहीं करते हैं, उनके पास रेपेचेज हीट में भाग लेकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने का दूसरा मौका होगा। यह पहले दौर की हीट (क्यू) में शीर्ष स्थान के अलावा सबसे तेज समय (क्यू) के माध्यम से आगे बढ़ने वाले एथलीटों की पूर्व प्रणाली की जगह लेगा।अब इन प्रतियोगिताओं में पहला चरण, रेपेचेज चरण, सेमीफाइनल और फाइनल सहित चार राउंड आयोजित होंगे। नये प्रारूप की बदौलत ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेने वाले हर एथलीट के पास कम से कम दो मौके होंगे। नए रेपेचेज प्रारूप में, जो एथलीट पहले राउंड की हीट में क्वालीफाई नहीं करते हैं, उनके पास रेपेचेज हीट में भाग लेकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने का दूसरा मौका होगा।

दिल्ली एफसी की भारतीय वायुसेना पर रोमांचक जीत

नयी दिल्ली। डीएसए लीग चैंपियन दिल्ली एफसी ने अपनी ख्याति के अनुरुप प्रदर्शन करते हुए सोमवार को यहां अंबेडकर स्टेडियम पर दिल्ली प्रीमियर लीग में भारतीय वायु सेना की विजयी उड़ान को 2-1 से रोक दिया। विजेता टीम की जीत का हीरो नाइजीरियन स्ट्राइकर आर्थर डेसमोस रहा जिसने दोनों शानदार गोल किए और अपनी टीम को लगातार तीसरी जीत दिलाई।वायुसेना का गोल जीको जोरेम सांगा ने विवेक कुमार के पास पर किया। दिन के दूसरे मैच में तरुण संघा ने उत्तराखंड को 3-2 से हराकर पहली जीत दर्ज की। विजेता के लिए श्याम कुमार जॉय मेस्सी और स्टेनले ने गोल जमाए। पराजित टीम के गोल मैन ऑफ द मैच अर्जुन बिष्ट और शोबित भंडारी ने किए। अंक तालिका में टॉप पर चल रही वायुसेना और दिल्लीएफसी के बीच खेले गए मैच में दोनों टीमें अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरीं लेकिन बेहतर रणनीति से खेलते हुए दिल्ली एफसी ने मुश्किल लग रही जीत को आसान कर दिया।

जम्मू कश्मीर खेल परिषद, ओलंपिक संघ के बीच की रस्साकशी सरेबाज़ार

जम्मू। जम्मू कश्मीर खेल परिषद (जेकेएससी) ने मार्च 2016 के दिशानिर्देशों के उल्लंघन का हवाला देते हुए जम्मू कश्मीर ओलंपिक संघ (जेकेओए) की मान्यता रद्द करने का नोटिस जारी किया है, जिसके बाद दोनों संस्थानों के बीच की रस्साकशी सार्वजनिक क्षेत्र में आ गयी है।

खेल परिषद की सचिव नुज़हत गुल द्वारा 22 जुलाई को जारी एक नोटिस सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें कहा गया है कि 36वें राष्ट्रीय खेल गुजरात के विभिन्न शहरों में 27 सितंबर से आठ अक्टूबर के बीच होने हैं, जिसके लिये राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को मानक मानदंडों के अनुसार अपने दल स्वयं तैयार करने हैं।

नोटिस में कहा गया, इस संदर्भ में, यह सूचित किया जाता है कि मार्च 2016 दिशानिर्देशों के उल्लंघन के मामले में जम्मू कश्मीर सरकार और जम्मू कश्मीर खेल परिषद जम्मू कश्मीर ओलंपिक संघ की मान्यता रद्द करता है। संघ के पास केंद्रशासित प्रदेश के खेलों के आयोजन के सार्वजनिक कार्य करने या राष्ट्रीय खेलों के लिये टीम चुनने और उतारने का कोई अधिकार नहीं है। वह राष्ट्रीय खेल महासंघ और भारतीय ओलंपिक संघ के आयोजनों और बैठकों में केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के प्रतिनिधित्व का अधिकार भी नहीं रखता है।

नोटिस में यह भी कहा गया कि साल 2016 में एक और सार्वजनिक नोटिस जारी किया गया था जिसमें कहा गया था कि संबंधित राष्ट्रीय खेल महासंघों से सम्बद्ध और जेकेएससी से मान्यता प्राप्त केंद्रशासित प्रदेश के खेल संघ आशुतोष शर्मा के अवैध

निकाय (जम्मू कश्मीर ओलंपिक संघ) से कोई संपर्क नहीं रखेंगे।

उल्लेखनीय है कि कश्मीर के वरिष्ठ स्पोर्ट्स प्रमोटर और जेकेओए के अध्यक्ष प्रोफेसर आशुतोष शर्मा ने इस साल अप्रैल में नुज़हत गुल की सचिव, जेकेएससी के रूप में नियुक्ति को भी चुनौती दी थी, जिसमें जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर उन्हें स्वायत्त खेल निकाय के शीर्ष पद से हटाने की मांग की गई थी।

कई खेल निकायों के विभिन्न पदों पर विराजमान प्रोफेसर शर्मा ने याचिका में गुल के अलावा सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के आयुक्त सचिव के माध्यम से जम्मू-कश्मीर सरकार को भी मामले में पार्टी बनाया है।

इसके बाद, जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय ने याचिका को स्वीकार करते हुए सरकार और सचिव को नोटिस जारी कर 31 मई तक आपत्तियां जमा करने का निर्देश दिया था।

जम्मू-कश्मीर खेल परिषद द्वारा जारी नोटिस में हालांकि यह भी लिखा गया कि जम्मू-कश्मीर खेल परिषद के बैनर तले 36वें राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के लिए जम्मू-कश्मीर की टुकड़ी को राष्ट्रीय खेल महासंघों के संबंधित मान्यता प्राप्त खेल संघों के माध्यम से प्रायोजित किया जाएगा।

नोटिस में सभी खेल संघों से अनुरोध किया गया कि वे भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा इस उद्देश्य के लिए निर्धारित मानक मानदंडों के अनुसार क्वालीफाइंग विषयों में चयन ट्रायल आयोजित करें और चयनित संभावितों की सूची प्रस्तुत करें ताकि कोचिंग शिविर और स्क्रीनिंग की व्यवस्था समय पर की जा सकती है।

जम्मू-कश्मीर ओलंपिक संघ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमें जम्मू-कश्मीर खेल परिषद से कोई लेना-देना नहीं है।

हम दोनों का कामकाज अलग-अलग है, लेकिन परिषद गुजरात राष्ट्रीय खेलों से पहले एक अवांछित परेशानी क्यों पैदा कर रही है, यह उन्हें बेहतर पता है।

उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा, खिलाड़ी खतरे में हैं क्योंकि खेल परिषद खिलाड़ियों की कीमत पर व्यक्तिगत झगड़े निप्टा रहा है। जम्मू कश्मीर ओलंपिक संघ एक मान्यता प्राप्त निकाय है और भारतीय ओलंपिक संघ एवं भारतीय ओलंपिक परिषद से संबद्ध है, इसलिए हमें कैसे अमान्य घोषित किया जा सकता है।

तीनों प्रारूप खेलना खिलाड़ियों के लिए कठिन : डिकॉक

जोहानसबर्ग। क्विंटन डिकॉक ने भले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है लेकिन वह अभी भी सालभर व्यस्त रहने जा रहे हैं क्योंकि उन्होंने अलग-अलग देशों के टी20 लीग में खेलने का फ़ैसला किया है। हालांकि उन्हें सबसे लंबे प्रारूप को छोड़ने के अपने फ़ैसले पर कोई पछतावा नहीं है।

डिकॉक ने 2021 के अंत में, पहली बार पिता बनने से कुछ समय पहले, घर पर अधिक समय बिताने की इच्छा का हवाला देते हुए टेस्ट क्रिकेट छोड़ दिया था। हालांकि उनकी यह इच्छा अभी भी पूरी नहीं हुई है।

टेस्ट से हटने के बाद पहली बार प्रेस वार्ता में डिकॉक ने कहा,इस (निर्णय) ने मेरे कैलेंडर को खाली नहीं किया है - कम से कम इस साल तो नहीं। मुझे कुछ लीग खेलने के लिए चुना गया है लेकिन यह मेरा अपना निर्णय है। यह अभी भी एक बलिदान है लेकिन मैं धीरे-धीरे एक ऐसी उम्र में पहुंच रहा हूं जहां मुझे यह सोचने की ज़रूरत है कि मैं कहां खेलना चाहता हूं। जब तक मैं इसे कर सकता हूं तब तक मैं खुश हूं। पितृत्व अवकाश से लौटने के बाद डिकॉक ने जनवरी में घर पर भारत के विरुद्ध वनडे सीरीज़ में हिस्सा लिया था। इसके बाद उन्हें बांग्लादेश सीरीज़ से पहले दो महीनों का ब्रेक मिला। इस ब्रेक के बाद से वह लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं। पहले वह आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेले, उसके बाद साउथ अफ्रीका और भारत के बीच टी20 सीरीज़ में हिस्सा लिया और अब इंग्लैंड दौरे पर गए हैं।

संस्थागत नस्लीय मामलों का खुलासा होने के बाद क्रिकेट स्कॉटलैंड ने स्वंतत्र जांच शुरू की

एजेंसी

एडिनबर्ग। संस्थागत नस्लीय मामले आने के बाद क्रिकेट स्कॉटलैंड को अक्तूबर 2023 तक सख्त निगरानी में रखा गया है और वह स्पोर्टस्कॉटलैंड से मिलने वाली सालाना 460,000 (3.75 करोड़ भारतीय रूपया) की रकम को गंवा भी सकती है।

कंसल्टेंसी फ़र्म प्लान4स्पोर्ट द्वारा की गई चेंजिंग द बाउंड्रीज रिपोर्ट में संस्थागत नस्लवाद के कुल 448 उदाहरण सामने आए, जबकि क्रिकेट स्कॉटलैंड समस्या के पैमाने को मापने के लिए इस्तेमाल किए गए 31 परीक्षणों में से 29 में विफल रहा और मुश्किल से आवश्यक मानकों को पूरा कर पाया।

रविवार को रिपोर्ट के निष्कर्षों के बाद क्रिकेट स्कॉटलैंड के बोर्ड ने सामूहिक रूप से इस्तीफ़ा दे दिया और संस्थागत नस्लवाद से प्रभावित लोगों के लिए माफ़ी मांगी। यह सब दो विशेष खिलाड़ी माजिद हक़ और क़ासिम शेख़ के उत्पीड़न के आरोपों की समीक्षा के बाद हुआ, लेकिन यह भी स्वीकार किया गया कि समस्या का पैमाना खेल के मौजूदा शासन के

दायरे से बाहर था।

प्लान4स्पोर्ट की जांच ने स्कॉटिश क्रिकेट के सभी क्षेत्रों में लगभग 1000 प्रतिभागियों की गवाही ली और 68 व्यक्तिगत चिंताओं को रेखांकित किया जिन्हें आगे की जांच के लिए संदर्भित किया गया है, जिसमें 15 अलग-अलग लोगों, दो क्लबों और एक क्षेत्रीय संघ के खिलाफ नस्लवाद के 31 आरोप शामिल हैं।

इनमें से कुछ को पुलिस स्कॉटलैंड को घृणा अपराध के रूप में भी संदर्भित किया गया है, जिसमें एक घटना भी शामिल है जिसको पहले ही अदालत में पेश किया जा चुका है।

उल्लिखित आरोपों में नस्लीय दुर्व्यवहार, अनुचित भाषा, पब्लिक-स्कूल पृष्ठभूमि के बच्चों के प्रति पक्षपात और गैर-श्वेत खिलाड़ियों के चयन में पारदर्शिता की कमी शामिल है।

जांच के दौरान किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 62 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने नस्लवाद या भेदभाव के अन्य रूपों की रिपोर्ट का अनुभव देखा या प्राप्त किया था।

रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि स्कॉटिश क्रिकेट के भीतर विविधता की कमी का मतलब है कि नस्लवादी घटनाओं से निपटने के लिए कोई सुसंगत प्रक्रिया नहीं थी और जिन लोगों ने मुद्दों को उठाया उन्हें अलग-थलग या अनदेखा किया गया। 2015 विश्व कप से स्वदेश भेजे जाने के बाद हक का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्होंने कभी भी 54 वनडे मैचों के अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में शामिल नहीं किया।

रूस की गलती, सजा भुगतेगी दुनिया, यूक्रेन पर मिसाइल हमले से अनाज की कीमतों पर असर

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच समझौते की खबरों के बाद अनाज संकट से राहत के आसार नजर आने लगे थे। हालांकि, ओडेसा बंदरगाह पर रूस की तरफ से क्रूज मिसाइल हमले के बाद हालात फिर बदल गए हैं। दुनिया के कई बाजारों में कीमतों में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया। हाल ही में हुए एक समझौते में यूक्रेन में फंसे हुए अनाज को काला सागर के जरिए निर्यात करने की अनुमति की बात कही गई थी। इस समझौते में संयुक्त राष्ट्र और तुर्की ने भी अहम भूमिका निभाई थी। खबर है कि शिकागो में वायदा बाजार में कीमतें 4.6 फीसदी तक बढ़ गईं। वहीं, सोमवार को वायदा बाजार में मक्के में भी 2.8 फीसदी तक की उछाल देखा गया। खास बात है कि ओडेसा समेत तीन बंदरगाहों के जरिए खेपों को अनुमति देने के बाद शुक्रवार

को कीमतें करीब 6 प्रतिशत तक गिर गईं थी। रूस आक्रमण के बाद बड़े बंदरगाहों के बंद होने के चलते लाखों टनों का अनाज यूक्रेन में फंस गया है। इधर, मिडिल ईस्ट और उत्तरी अमेरिका में बड़े ग्राहकों को मार्ग सड़क और रेल मार्ग के जरिए छोटी मात्रा में भेजा गया है। खास बात है कि ये देश भी यूक्रेन और रूस में बिगड़े हालात के चलते आपूर्ति के लिए अन्य जगह तलाशने पर मजबूर हो गए हैं।

हमले के वक्त क्या थी स्थिति

ब्लूमबर्ग से बातचीत में मामले के जानकार एक शख्स ने बताया किओडेसा बंदरगाह पर 9 नाव मौजूद थीं, जिनमें चार में 45.6 मिलियन डॉलर की कीमत का मक्का था। उन्होंने जानकारी दी कि अनाज लेकर नौकाएं माल्टा, लाइबेरिया, सिएरा लियोन और पनामा जाने वाली थीं।

क्या कहता है समझौता

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की की डिफ्टी स्टाफ चीफ एंड्रीय सिबिहा की तरफ से दस्तावेजों की कॉपी सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई थी। इसके तहत समझौते में शामिल दोनों पक्षों ने अनाज से जुड़ी व्यापारिक गतिविधियों में शामिल जहाजों या बंदरगाहों पर हमले नहीं करने की बात कही गई थी। यूक्रेनी सेना के दक्षिणी कमान की प्रवक्ता नतालिया हुमेनियक ने कहा था कि मिसाइलों ने अनाज के गोदामों को नुकसान नहीं पहुंचाया था।

रविवार को रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखरोवा ने कहा कि कैलिबर क्रूज मिसाइल ने ओडेसा स्थित यूक्रेन के सैन्य ठिकानों को तबाह किया है।

म्यांमार सरकार ने दी लोकतंत्र समर्थक दो कार्यकर्ताओं को फांसी

नेपिडॉ। म्यांमार में दशकों बाद पहली बार लोकतंत्र समर्थक दो कार्यकर्ताओं सहित चार लोगों को फांसी दी गई है। मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। क्योडो न्यूज ने स्थानीय मीडिया के हवाले से कहा कि 1976 के बाद से म्यांमार में राजनीतिक कैदियों को फांसी नहीं दी गई है और आखिरी बार 1990 में मौत की सजा दी गई थी। न्यूज एजेंसी ने बताया कि जिन चार लोगों को फांसी दी गई उनमें दो राजनीतिक कैदी भी शामिल हैं। राजनेता आंग सान सू की की नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी पार्टी के पूर्व सांसद फ्यो ज़ेयर थाव और लोकतंत्र समर्थक एक प्रमुख कार्यकर्ता क्याव मिन यू को फांसी दी गई है। सैन्य न्यायाधिकरणों ने हत्या सहित 'आतंकवादी कृत्यों' में शामिल होने पर जनवरी में दोनों को मौत की सजा सुनाई थी। अन्य दो पर एक महिला की हत्या करने का आरोप लगाया गया था जो एक कथित सैन्य मुखबिर थी।

म्यांमार में क्रूरता की हदें पार, 4 लोकतंत्र समर्थकों को फांसी पर लटकाया; 50 साल में ऐसा पहली बार

बैंकॉक। म्यांमार सरकार ने नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) के पूर्व सांसद, लोकतंत्र समर्थक एक कार्यकर्ता और दो अन्य लोगों को फांसी दे दी है। पिछले साल सत्ता पर सेना के कब्जे के बाद हुई हिंसा के मामले में यह कार्रवाई हुई है। म्यांमार में पिछले पांच दशक में पहली बार किसी को फांसी दी गई है।

सरकारी समाचार पत्र मिरर डेली में इस फांसी के संबंध में जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि आतंकवादी गतिविधियों के तहत हत्या करने के कृत्यों में अमानवीय सहयोग और हिंसा करने व उसका आदेश देने के लिए चारों को फांसी की सजा दी गई। हालांकि यह नहीं बताया गया है कि फांसी कब दी गई।

डर के जरिए लोगों पर शासन करने का प्रयास

सैन्य सरकार ने इस खबर की पुष्टि करते हुए संक्षिप्त बयान जारी किया, लेकिन जिस जेल में कैदियों को रखा गया था, उसने और जेल विभाग ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। वहीं, राष्ट्रीय एकता सरकार के मानवाधिकार मंत्री आंग मायो मिन ने इन आरोपों को खारिज किया कि ये लोग हिंसा में शामिल थे। उन्होंने कहा कि उन्हें मौत की सजा देना डर के जरिए लोगों पर शासन करने का प्रयास है।

जिन लोगों को फांसी दी गई है, उनमें अपदस्थ नेता आंग सान सू ची की सरकार के पूर्व सांसद फ्यो जेया थो भी शामिल थे, जिन्हें माउंग क्वान के नाम से जाना जाता था। उन्हें विस्फोट, बमबारी और आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे मामलों में जनवरी को दोषी ठहराया गया था। क्वान की पत्नी थाजिन न्युंत ओंग ने कहा कि उन्हें उनके पति को फांसी दिए जाने के बारे में सूचित नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि मैं खुद इसकी पुष्टि करने की कोशिश कर रही हूं।

इन आरोपों के तहत हुई थी गिरफ्तारी

41 वर्षीय क्वान को पिछले साल नवंबर में गिरफ्तार किया गया था। वह 2007 में जनरेशन वेव राजनीतिक आंदोलन का सदस्य बनने से पहले हिप-हॉप संगीतकार भी रहे थे। उन्हें 2008 में भी एक पूर्व सैन्य सरकार के दौरान विदेशी मुद्रा और अवैध संबंध रखने के आरोप में जेल भेज दिया गया था। क्वान के अलावा आतंकवाद निरोधी कानून के उल्लंघन के मामले में लोकतंत्र समर्थक 53 वर्षीय क्वाव मिन यू को भी फांसी दी गई। क्वाव मिन यू को जिम्मी के नाम से भी जाना जाता था। उन्हें पिछले साल अक्टूबर में गिरफ्तार किया गया था। इनके अलावा, सेना की मुखबिर होने के संदेह में मार्च 2021 में एक महिला का उत्पीड़न और उसकी हत्या करने के मामले में दोषी ठहराए गए ह्ला म्यो ओंग और ओंग थुरा जो को भी फांसी दी गई।

गूगल के सह संस्थापक की पत्नी के साथ मेरा कोई चक्कर नहीं: मस्क

वाशिंगटन। टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलॉन मस्क ने गूगल के सह-संस्थापक सर्गेई ब्रिन की पत्नी निकोल शानाहन के साथ अपने प्रेम प्रसंग की चर्चाओं को खारिज किया है और कहा कि इस तरह की चर्चा में कोई तथ्य नहीं है। अमेरिकी अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल में दोनों की दोस्ती खत्म होने के बारे में प्रकाशित एक रिपोर्ट के बाद मस्क ने यह टिप्पणी सामने आयी है। मस्क ने ट्विटर पर एक पोस्ट के साथ लिंक की इस रिपोर्ट का जवाब देते हुए कहा, यह कुल निराधार (बीएस) है। श्री सर्गेई और मैं दोस्त हैं और हम कल रात एक पार्टी में साथ-साथ थे! मस्क ने कहा, मैंने सुश्री निकोल को तीन साल में केवल दो बार देखा है, दोनों बार आसपास कई अन्य लोग भी साथ में थे इसमें कुछ भी रूमानी बात नहीं थी। वाल स्ट्रीट जरनल अखबार की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह कहा है कि मस्क का अपने पुराने दोस्त और गूगल के सह संस्थापक श्री ब्रिन की पत्नी के साथ पिछले साल गर्मियों में थोड़े समय के समय तक प्रेम प्रसंग चला था और इसके चलते श्री ब्रिन ने इस साल अपनी पत्नी से तलाक के लिए अर्जी दाखिल कर दी और श्री मस्क के साथ पुरानी दोस्ती तोड़ दी।

स्पेन में मंकीपॉक्स के प्रकोप का संपर्क टैटू सैलून से

मैड्रिड। दक्षिणी स्पेन में आंदालुसिया के स्वायत्त क्षेत्र में मंकीपॉक्स के प्रकोप का एक स्थानीय टैटू सैलून से जुड़े होने का पता चला है। यूरोपा प्रेस समाचार एजेंसी की रिर्पोट के अनुसार, कैडिज़ प्रांत में सैन-फर्नांडो नगरपालिका में स्वास्थ्य अधिकारियों ने टैटू और गोदना में विशेषज्ञता वाले एक स्थानीय सैलून से जुड़े कम से कम 12 मंकीपॉक्स मामलों का पता लगाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सैलून का निरीक्षण किया गया है और एहतियात के तौर पर इसे बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने बीमारी के प्रकोप की महामारी विज्ञान जांच शुरू कर दी है और उन लोगों की तलाश कर रहे हैं जो संक्रमित लोगों के संपर्क में रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शनिवार को मंकीपॉक्स को अंतरराष्ट्रीय चिंता बताते हुये सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। क्योंकि 50 से अधिक देशों इसके मामले सामने आये है। लेकिन यह भी कहा कि जोखिम यूरोप में ज्यादा है, बाकी सभी क्षेत्रों के लिए यह खतरा मध्यम है। मंकीपॉक्स एक दुर्लभ वायरल बीमारी है जो आमतौर पर जंगली जानवरों से लोगों में फैलती है और कुछ अफ्रीकी देशों में स्थानिक है। संक्रमण शरीर के तरल पदार्थ, श्वसन बूंदों और अन्य दूषित पदार्थों के माध्यम से प्रेषित किया जा सकता है। इस बीमारी के परिणामस्वरूप आमतौर पर बुखार, दाने और सूजन आदि लक्षण दिखाई देते है।

चीन आने वाले यात्रियों को मंकीपॉक्स संक्रमितों के संपर्क में आने के बारे में घोषणा करनी होगी

बीजिंग। कोरोना वायरस के बाद मंकीपॉक्स के मामले जिन देशों में पाये गये हैं, वहां से चीन पहुंचने वाले संक्रमित लोगों को किसी भी तरह के अन्य के संपर्क और उनमें इस बीमारी के किसी भी लक्षण पाए जाने पर औपचारिक रूप संबंधित अधिकारियों को सूचित करना होगा। चीन के सामान्य सीमा शुल्क प्रशासन (जीएसीसी) ने आज को यह जानकारी दी। सोमवार तक 50 से अधिक देशों में मंकीपॉक्स के पांच हजार 100 से अधिक मामले सामने आये हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शनिवार को मौजूदा मंकीपॉक्स के प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता बताते हुये इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए आपातकाल घोषित किया है। जीएसीसी ने कहा, मंकीपॉक्स के प्रकोप वाले देशों से आने वाले व्यक्ति जो मंकीपॉक्स से संक्रमितों के संपर्क में रहे हैं अथवा उनमें बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द और अंगों में सूजन जैसे लक्षण हैं तो उन्हें स्वयं पहल करनी चाहिए और इस बारे में सीमा शुल्क को जानकारी देनी चाहिये। बयान में कहा गया है कि चिकित्सा कर्मी वायरस के प्रसार को सीमित करने और परीक्षण करने के लिए आवश्यक निवारक उपाय करेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

कठिन चुनौती है वर-वधू का चुनाव

मीता और मोहन दोनों ने प्रेम विवाह किया और विवाह के कुछ समय बाद दोनों में तलाक हो गया। रीता और रमेश दोनों का विवाह माता-पिता ने अपनी पसंद से किया लेकिन उनमें भी नहीं बनी और उनका भी तलाक हो गया। अब प्रश्न उठता है कि वर-वधू का चुनाव किस तरह किया जाए कि उनका वैवाहिक जीवन सफल व खुशियों से भरा-पूरा हो।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है। अब न तो माता-पिता के भरोसे वर-वधू का चुनाव छोड़ा जाए और न ही पूर्णत: लड़के-लड़कियों के भरोसे।

वर्तमान समय में ये दोनों ही व्यवस्थाएं अपने आप में अपूर्ण हैं। वैवाहिक जीवन की गाड़ी लड़के-लड़की द्वारा ही चलेगी, माता-पिता द्वारा नहीं। इसलिए यह जरूरी है कि मध्य मार्ग का अनुसरण करते हुए वर और वधू को शादी से पहले एक-दूसरे के विचार, पसंद, नापसंद, भावनाएं, रुचियां, शिक्षा-दीक्षा और संस्कार आदि को भली प्रकार जानने-समझने की आवश्यकता होती है।

इस समस्या को हल करने के लिए कोई बीच का रास्ता अपनाया जाए। लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे को जानने, समझने का मौका दिया जाए, एक-दूसरे की रूचियों, स्वभाव, संस्कार आदि सभी बातों को अच्छी तरह समझ लिया जाए पर यह स्वतंत्र रूप से नहीं वरन माता-पिता की सहमति से ही होना चाहिए।

इस संबंध में एक उदाहरण ध्यान देने योग्य है देवदास गांधी (महात्मा गांधी के पुत्र) और राजगोपालाचारी की पुत्री, दोनों के निकट संपर्क होने के कारण प्रेम हो गया और दोनों ने शादी की इच्छा जतलाई। गांधीजी और राजगोपालाचारीजी ने इस समस्या पर विचार कर यह निर्णय दिया कि यदि आगे पांच साल

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है।

तक दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर देंगे। दोनों ने पांच साल तक प्रतीक्षा की और पवित्र जीवन बिताया। इस परीक्षा के बाद जब दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर दिया गया। इस तरह हम देखते हैं कि जब तक प्रेम की परीक्षा न हो जाए, वह आंतरिक और शुद्ध न हो तब तक प्रेम विवाह को टालना ही हितकारी है। भावावेश में लिया गया निर्णय कभी वास्तविक प्रेम नहीं हो सकता।

अनुभवहीन लड़के

लड़कियां, बिना जाने-समझे आस-पड़ोस या कहीं निकट संपर्क में आने पर इस तथाकथित प्रेम के चक्कर में फंसकर प्रेम-विवाह कर लेते हैं तो आगे चलकर कुछ समय बाद उनका वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी ही बीतता है।

वर-वधू का चुनाव करते समय एक महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखने योग्य है कि इसमें धन को विशेष महत्व न दिया जाए। इस दृष्टि से विवाह करना कि वर पक्ष अधिक धन-संपत्ति वाला है या वधू पक्ष से अधिक दहेज मिलेगा, यह बहुत बड़ी भूल है। अधिकांश लोग धन के लालच में पड़कर वर या वधू के न तो गुण, कर्म, स्वभाव, स्वास्थ्य या योग्यता को महत्व देते हैं और न ही उनके चरित्र, संस्कार व आदर्शों को।

परिणामस्वरूप ऐसा वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी, नारकीय अथवा असफल जैसा ही हो जाता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वर-वधू का चुनाव करते समय देखने वाली महत्वपूर्ण बाते ये हैं कि दोनों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम हो। दोनों के आचार-विचार मिलते हों, जरूरी समझ और पैनी दृष्टि हो। इसके अतिरिक्त शिक्षा-दीक्षा, उत्तम संस्कारों का मेल एवं सूझबूझ वर-वधू के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

क्या बारिश में आपके भी तौलिए से बदबू आती है? कैसे दूर करें

बारिश के दौरान अक्सर तौलिए में से बदबु आने लगती है जिससे पूरा मूड ऑफ हो जाता है। इतना ही नहीं त्वचा की निखार पर भी असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गिले या नमी वाले तौलिये में बैक्टीरिया पनप जाते हैं। इस वजह से त्वचा संबंधित परेशानी भी हो सकती है। तो आइए जानते हैं कैसे आसान तरीकों से तौलिए से आ रही बदबू को भगाएं।

- सबसे पहली बात, कई लोग टॉवेल को ठीक करके उन्हें बाथरूम में रख देते हैं। लेकिन नमी के कारण उनमें बैक्टीरिया पनप जाते हैं। और वह बदबू मारने लगते हैं। इसके बाद वहीं टॉवेल का उपयोग त्वचा संबंधित कुछ भी परेशानी हो सकती है। इसलिए तौलिए को बारिश के दिनों में सुखी जगहों पर ही रखें।
- अक्सर नहाने के बाद लोग तौलिए को कही भी डाल देते हैं। ऐसे में बहुत बदबू आने लगती है। मौसम कोई-सा भी हो नहाने के बाद तौलिए को हमेशा किसी भी स्टैंड या रस्सी पर ही डालें। जिससे टॉवेल का गीलापन सुख जाएगा और बदबू भी नहीं आएगी।
- बारिश में दो तौलिए का इस्तेमाल कीजिए। और तौलिए को हर 2 दिन में धोते रहिए। जिससे बदबू नहीं आएगी और बैक्टीरिया भी नहीं पनपेंगे। मानसून सीजन में धूप बहुत कम निकलती है लेकिन जब भी धूप निकलती है तो गीले कपड़ों को धूप में जरूर डालें। इससे किसी भी कपड़ों में से बदबू नहीं आएंगी। साथ ही तौलिए को धूप में जरूर रखें।
- बारिश के सीजन में कपड़ें अगर नहीं सूखते हैं तो उन्हें आप पंखे की हवा में सुखा लीजिए। इससे बदबू नहीं आएगी।
- बारिश के दौरान सर्फ का इस्तेमाल थोड़ा अधिक कर लीजिए। इससे कपड़ों में से सर्फ की सुगंध के बीच बदबू दब जाएगी। साथ ही आप कपड़ों को धोने के दौरान हल्का सा डेटॉल का प्रयोग भी कर सकते हैं इससे भी कपड़ों में से बहुत कम दुर्गंध आएंगी। हल्की बदबू आने पर आप हल्का स्प्रे भी कर सकते हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया में एक पति का लिखा वो पत्र लोगों को भावुक कर गया, जिसमें उसने अपनी पत्नी को समर्पण के लिए शुक्रिया कहा और कृतज्ञता जताई। पति ने लिखा कि एक गृहिणी होने के नाते मुझे लगता था कि मेरी पत्नी घर पर रहती है तो उसके पास काम ही क्या है? इसलिए मैंने उसे कभी उसके काम का क्रेडिट नहीं दिया। वह दिनभर घर और बच्चे की देखभाल में थकी रहती। लेकिन मुझे घर लौटने पर हमेशा अपनी ही थकान दिखती।

गृहिणियों का श्रम भी मान का हकदार

ऑफिस से लौटकर मैं उसे अक्सर यही कहता कि तुमने क्या किया दिनभर? लेकिन अब गंभीरता से सोचने पर लगता है कि यह महिला कितनी गजब की है। जो बच्चे और घर की अनगिनत जिम्मेदारियां अकेले ही संभालती है। इतना सोचा तो खुद पर ही गुस्सा आया। इसलिए सबसे कहूंगा कि अपने बच्चों की मां का सम्मान करें। जो घर-परिवार के लिए अपनी हर खुशी से नाता तोड़ लेती हैं।

हर मोर्चे पर है डटी

चिंता में डूबी पत्नी, नसीहतें और समझाइशें देती मां, बड़ों की देखभाल का जिम्मा उठाने वाली बहू और नाते रिश्तेदारी के बुलावे और दिखावे की रीति-नीति निभाने वाली एक जिम्मेदार स्त्री। वह हर मोर्चे पर डटी रहती है। भागती है, दौड़ती है, हांफती है, थकती है। भीतर ही भीतर जूझती भी है। बस, मन की नहीं कहती कभी। गृहिणी जो है। सामाजिक-पारिवारिक छवि कुछ ऐसी कि वह सब कुछ करती है पर कुछ नहीं कहती। वाकई, गृहिणी के रूप में स्त्री की यह भूमिका साधारण होकर भी कितनी असाधारण है। रोजमर्रा की अनगिनत जिम्मेदारियों को निभाते हुए समय के साथ कितना कुछ रीत जाता है गृहिणियों के मन के भीतर। लेकिन इसे समझने का अवकाश ना उसे मिलता है और ना ही उसके अपनों को।

बदलते समय में बढ़ी जिम्मेदारियां

समय के साथ गृहिणी की भूमिका भी बदल गई है। लेकिन उसके हिस्से आई जिम्मेदारियां कम नहीं हुई हैं। आज हर काम के लिए घरों में मशीनें मौजूद हैं पर उसकी भागमभाग अब भी जारी है। पहले जिम्मेदारियां तो थीं लेकिन दायरा सीमित था। मगर आज दायरा असीमित है घर से लेकर बाहर की जिम्मेदारी के अलावा बच्चों की पढ़ाई से लेकर फ्यूचर इंवेस्टमेंट की तैयारियों में वह जुटी रहती है। फिर भी वह हर बात में तालमेल बैठा ही लेती है।

सबके लिए कुछ न कुछ

चाहे गांव हो या शहर सुबह सबसे पहले बिस्तर छोड़ने और रात को सबके बाद अपने आराम की सोचने वाली महिलाएं पति, बच्चों और घर के अन्य सदस्यों की देखरेख में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि खुद को हमेशा दोयम दर्जे पर ही रखती हैं। दूसरों की शर्तों, इच्छाओं और खुशियों के लिए जीने की उन्हें न केवल आदत-सी हो जाती है बल्कि किसी काम में जरा-सी भी कमी रह जाए तो, वे अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। लेकिन फिर भी देखने में आता है कि उन्हें ताने ही सुनने को मिलते हैं। उनके काम का श्रेय और सम्मान उनके हिस्से नहीं आता। कुल मिलाकर कहा जाए तो वो एक ऐसा 'सपोर्ट सिस्टम है जो हमें जीने का हौसला देती हैं। न कोई छुट्टी ना कोई वेतन। सच कहें तो कोई गृहिणी वेतन चाहती भी नहीं। पर वो अपनों की जो सेवा सहायता करती है उसके बदले सम्मान की अपेक्षा तो करती ही है जो कि उसका मानवीय हक भी है। एक राष्ट्रीय सर्वे के मुताबकि 45 प्रतिशत ग्रामीण और 56 प्रतिशत शहरी महिलाएं जिनकी उम्र पंद्रह साल या उससे ज्यादा है पूरी तरह से घरेलू कार्यों में लगी रहती हैं। यह आंकड़ा हैरान करने वाला है कि 60 साल से ज्यादा की उम्र वाली एक तिहाई महिलाएं ऐसी हैं, जिनका सबसे ज्यादा समय इस आयु में भी घरेलू कार्यों को करने में ही जाता है।

भागीदारी का आर्थिक पहलू

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ भारत में ही महिलाएं दिनभर में 352 मिनट अवैतनिक कार्यों को करने में बिताती हैं। यानी इन कामों के लिए उन्हें कोई आर्थिक लाभ नहीं मिलता। जबकि कुछ सालों पहले अमेरिका में हुए एक अध्ययन ने वहां गृहिणियों द्वारा किए गए घरेलू कामों की सालाना कीमत 57 लाख रुपए के बराबर आंकी थी। गौरतलब है कि पश्चिमी देशों में घर की जिम्मेदारियां केवल महिलाओं के हिस्से नहीं हैं। इसलिए वहां गृहिणी के रूप में भी महिलाओं के श्रम और आर्थिक भागीदारी के पक्ष को महत्व दिया जाता है। जबकि हमारे यहां का रहन-सहन और सामाजिक ढांचा कुछ इस तरह का है कि घर पर रहने वाली महिलाओं के हिस्से में काम विकसित देशों से ज्यादा हैं और सुविधाएं कम हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे यहां घरेलू कार्य का जिम्मा पूरी तरह से महिलाओं का ही होता है। पुरुषों का सहयोग नाममात्र को ही मिलता है। हमारे यहां घरेलू कामकाज में पुरुषों की भागीदारी प्रतिदिन केवल 19 मिनट है।

अनदेखी की शिकार

गृहिणी हर परिवार की पृष्ठभूमि तैयार करती है। किसी कलाकृति को उकेरने के लिए जो स्थान कैनवास का होता है घर के सदस्यों के जीवन में वही भूमिका होती है गृहिणियों की। ये बात और है कि तस्वीर बन जाने पर वे भी कैनवास की तरह ही कहीं पीछे छुप जाती हैं। शायद यही वजह है कि इस रूप में महिलाओं की भागीदारी को हर जगह और हर हाल में अनदेखा करने की ही कोशिश की जाती है। घर का कोई भी सदस्य किसी भी समय कह देता है कि 'तुम दिन भर घर में करती ही क्या हो?'

मनोवैज्ञानिक आधार

मनोवैज्ञानिक रूप से देखा जाय तो यह अनदेखी एक अपराधबोध के भाव को जन्म देती है। वे सबके साथ होकर भी अकेली हो जाती हैं। उनके मन में सब कुछ करके भी खुद को कुछ भी करने योगय ना समझने का भाव इतना गहरा जाता है कि वे तनाव और अवसाद की शिकार बन जाती हैं। एक हालिया अध्ययन में भी सामने आया है कि 96 फीसद महिलाएं दिन में कम से कम एक बार खुद को दोषी या अपराधी मानती हैं। अपराधबोध से जुड़ा उनका यह भाव अधिकतर मामलों में बच्चों की परवरिश या परिवार की संभाल से ही जुड़ा होता है। इसके बावजूद उनके कार्यों का आकलन ठीक से नहीं किया जाता है।

पेरेंट्स को शर्मिंदगी से बचाती है टॉयलेट ट्रेनिंग, और भी कई काम आती है ये सीख

छोटे बच्चों यानि टॉडलर एज में बच्चों को पॉटी ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें बच्चों को खुद टॉयलेट जाना सिखाया जाता है। आप 8 से तीन साल के बच्चे को पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग सिखा सकते हैं। 18 महीने के होने के बाद बच्चे का अपने ब्लैडर यानि मूत्राशय पर कंट्रोल आता है। इसलिए एक साल के होने बाद ही आप बच्चे को पेशाब और पॉटी करना सिखाना शुरू कर दें।

बच्चे के लिए क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

बच्चे के लिए उसकी उम्र के हिसाब से पॉटी सीट लाएं। इन्हें बच्चे के कंफर्ट के हिसाब से ही डिजाइन किया जाता है। हालांकि, बच्चे को ये ट्रेनिंग देने के लिए आपको बहुत समय और धैर्य की जरूरत होगी।

कैसे दें पॉटी ट्रेनिंग

आप ध्यान दें कि बच्चा दिन में कितनी बार पेशाब या पॉटी करता है और उसका समय क्या है। क्या पेशाब या पॉटी आने से पहले कोई आवाज करता है या मुंह बनाता है। जब आप इस पैटर्न को समझ जाएंगे, तब आसानी से बच्चे को ट्रेन कर पाएंगे।

साउंड का करें इस्तेमाल

जब बच्चे को पॉटी आती है, तो आप एक आवाज निकालें। बच्चे को सिखाएं कि ये आवाज सुनने पर उसे पॉटी करनी है। कई लोग बच्चे को पेशाब करने के लिए 'स्स्स्स' की आवाज निकालते हैं। जब भी बच्चे को टॉयलेट जाना हो, तो आप ऐसी आवाज निकालें।

थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट ले जाएं

बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट लेकर जाएगा। सुबह उठने के बाद या खाना खाने के बाद बच्चे को टॉयलेट लेकर जाएं। ऐसा करने पर बच्चे को समझ आने लगेगा कि टॉयलेट में आने पर उसे पेशाब या पॉटी करनी है। टॉयलेट में आपको बच्चे से बात भी करनी है। उसे गाना सुनाएं या उसकी पसंद का खिलौना दें। उसकी पसंद की चीज पर ध्यान देने से बच्चा पॉटी ट्रेनिंग की प्रक्रिया को आसानी से समझ पाएगा।

बच्चों को अगर टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाए, तो इससे पेरेंट्स का काफी काम आसान हो जाता है। बच्चे कभी भी कहीं भी पेशाब या पॉटी नहीं करते हैं जिससे घर साफ रहता है।

साइन आएंगे काम

जब भी बच्चे को पेशाब या पॉटी आए तो आप कुछ साइन यानि संकेतों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चा जल्दी ही इन संकेतों को समझने लग जाएगा और पेशाब या पॉटी आने पर आपको इन संकेतों की मदद से बता देगा।

क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

जन्म के बाद शुरुआती कुछ महीनों में शिशु दूध पीता है और थोड़ी-थोड़ी देर में पॉटी करता है। लेकिन जब बच्चा थोड़ा बड़ा हो जाता है और खेलने-कूदने लगता है या आपके साथ कहीं बाहर या किसी के घर जाने लगता है, तो उसे पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग देनी बहुत जरूरी होती है। सोचिए, आप अपने बच्चे को किसी रिश्तेदार या दोस्त के घर लेकर गईं हैं और वहां पर बच्चे ने उनके सोफे या पलंग पर ही पेशाब या पॉटी कर दी तो आपको कितनी शर्मिंदगी महसूस होगी। इस तरह की परिस्थितियों से बचने के लिए ही बच्चों को टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाती है। टॉयलेट ट्रेनिंग के बाद बच्चे खुद ही कुछ संकेतों की मदद से आपको बता देंगे कि उन्हें टॉयलेट जाना है।

कृष्णा कुमार की पारिवारिक फिल्म 'पापा मैं छोटी से बड़ी हो गई' का दूसरा पोस्टर

भोजपुरी सिनेमा के चर्चित निर्माता, वितरक और अभिनेता कृष्णा कुमार एक बेहतरीन पारिवारिक और सामाजिक फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म का नाम है पापा मैं छोटी से बड़ी हो गई। इस फिल्म का दूसरा पोस्टर आज पवित्र श्रावण मास की दूसरी सोमवारी के पावन अवसर पर जारी हो गया। पहले की तरह इस पोस्टर को भी लोगों द्वारा बेहद पसंद किया जा रहा है, जो फिल्म को परिभाषित करने वाला मालूम पड़ता है। आपको बता दें कि कई वर्षो के बाद इस तरह का संवेदनशील पहला व दूसरा पोस्टर देखने को मिला है। यह अपने आप में बेहद अहम है। इस फिल्म का ट्रेलर भी अगले सप्ताह तक देखने को मिलेगा। ये कहना है फिल्म के अभिनेता और निर्माता कृष्णा कुमार का। उन्होंने कहा कि पोस्टर ने अभी तक सबों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। आगे जब ट्रेलर जारी होगा, तब यह दर्शकों के बीच और कौतूहल पैदा करने वाला है। यह फिल्म सबों को झकझोर देने वाली है। मनोरंजन तो होगा, लेकिन मानवीय संवेदनाओं को छूने वाली फिल्म पापा मैं छोटी से बड़ी हो गई सबके दिलों में उतर जाने वाली है। मयूरी पायल एंटरटेनमेंट और ओम प्रोडक्शन हाउस प्रस्तुत फिल्म पापा मैं छोटी से बड़ी हो गई को सम्राट सिंह ने निर्देशित किया है, जो एक बेहतरीन फिल्मकार हैं। फिल्म के निर्माता कृष्णा कुमार व सह निर्माता विक्रम सिंह हैं। म्यूजिक अमन श्लोक और अशोक राव का है। गीत अरविंद तिवारी, नागेंद्र उजाला और अशोक राव का है। नृत्य विवेक थापा वा संदीप पांडे और पटकथा कृष्णा कुमार का हैं। पीआरओ संजय भूषण पटियाला हैं।